जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 54 प्रभात जालोर, रविवार 1 जून, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'मुझे गर्व है कि भारत-पाक के बीच युद्ध को मैंने ''व्यापार'' से रूकवाया, बंदूक की गोलियों से नहीं'

एक दिन में दूसरी बार, ट्रम्प ने जताया कि उन्होंने भारत-पाक का ''न्यूक्लियर युद्ध'' अपने व्यापार की ताकत से रूकवाया

- ट्रम्प ने भारत व पाकिस्तान को एक तराजू में तोला, यह भारत के लिए बहुत नाजायज़ बात है, क्योंकि युद्ध पहलगाम की घटना से शुरु हुआ, न कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर से।
- भारत का मल्टी पार्टी संसदीय प्रतिनिधिमंडल भी यह ही बात विदेश में कह रहा है। यह प्रतिनिधिमंडल, तीन जून को वॉशिंगटन पहुंचेगा, गियाना, पनामा, कोलम्बिया और ब्राज़ील का अपना दौरा खत्म करके।
- जैसा कि विदित ही है, इस सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व शशि थरूर कर रहे हैं।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 31 मई। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए परेशानी खड़ी कर दी है। उन्होंने कहा कि जिस डील पर उन्हें सबसे ज्यादा गर्व है, वो यह है कि वे व्यापार के जरिए भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित परमाणु युद्ध को रोकने में सफल हुए।

गत कुछ सप्ताह में ट्रंप ने बार-बार यह दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान से कहा कि वे दोनों युद्ध नहीं रोकेंगे, तो वे व्यापार बंद कर देंगे।

यद्यपि गुरुवार को ही नई दिल्ली ने कहा कि पाकिस्तान के साथ टकराव के दौरान अमेरिका से वार्ता में व्यापार का मुद्दा नहीं उठा था। एक तरह से भारत ने वाशिंगटन के इस दावे को ठुकरा दिया था कि उसने युद्ध बंद नहीं करने पर व्यापार बंद करने की धमकी दी थी। यह दावा खुद ट्रंप ने कई बार किया है।

ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि, मुझे लगता है कि जिस डील पर मुझे गर्व है, वह यह है कि हम भारत से डील कर रहे हैं, हम पाकिस्तान से डील कर रहे हैं और हम व्यापार के जरिए न्यूक्लियर वॉर रोकने में समर्थ हुए।

ट्रंप ने कहा, "आम तौर पर वे गोलियों से ऐसा करते हैं। हम व्यापार के जरिए ऐसा करते हैं, इसलिए मुझे इस पर गर्व है। कोई भी इसके बारे में बात नहीं कर रहा है पर भारत और पाक के बीच बहुत खतरनाक युद्ध चल रहा था। दोनों परमाणु क्षमता संपन्न देशों के बीच का युद्ध बहुत बुरा होता जा रहा था।" ट्रंप ने यह भी बताया कि अगले सप्ताह पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल अमेरिका आ रहा है। ट्रंप ने कहा कि "जैसा आप जानते है हम इंडिया से डील करने के काफी करीब हैं।"

ट्रंप ने कहा, अगर वे दोनों एक दूसरे से युद्ध करते रहते तो मैं डील नहीं करता और मैने उन्हें यह बात बता दी थी।"

एक ही दिन में ट्रंप ने दो बार यह बात कही कि हमने भारत और पाकिस्तान को युद्ध करने से रोक दिया। मुझे यकीन था, इनका टकराव परमाणु युद्ध में बदल सकता था। ट्रंप ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में एक प्रैस कान्फ्रैंस में यह बात कही। इसमें उनके साथ एलन मस्क भी थे, जिन्होंने ट्रंप प्रशासन को छोड़ दिया है। वे सरकारी कार्यकुशलता विभाग के प्रमुख थे।

ट्रंप ने आगे कहा, मैं भारत और पाकिस्तान के नेताओं को धन्यवाद देना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पेड़ काटने के आरोपी को पौधे लगाने की शर्त पर अग्रिम जमानत

- हाई कोर्ट ने आदेश दिया कि नगर पालिका झालरापाटन के ईओ की उपस्थिति में आरोपी पौधारोपण करे व एक साल तक पौधे की देखभाल करे।

जयपुर, 31 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने नगर पालिका के पार्क से पेड़ काटने से जुड़े मामले में आरोपी को उसी पार्क में नीम और पीपल आदि के 15 पौधे लगाने की शर्त पर अग्रिम जमानत का लाभ दिया है। जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश रमेश चन्द की अग्रिम जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता नगर पालिका ईओ की उपस्थिति में पौधारोपण करेगा और उनकी कम से कम एक साल तक देखभाल करेगा। वहीं, ईओ समय-समय पर यह जांच करेंगे कि याचिकाकर्ता इन पौधों की देखरेख कर रहा है या नहीं। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि इस निर्देश को सजा के तौर पर नहीं देखा जाए और इसे याचिकाकर्ता की स्वेच्छा से सेवा मानी जाए। अदालत ने कहा कि वैसे हर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अमेरिका ने एशियाई देशों को अपना डिफैंस बजट बढ़ाने की सलाह दी'

'सुसज्जित सेना व संगठित सेना ही चीन को रोक पायेगी'

- शांग्रीला कॉन्फ्रैंस, जिसमें एशिया के लगभग सभी देश शामिल हो रहे हैं, की सिंगापुर में आयोजित बैठक में अमेरिका ने चीन के आक्रामक रवैये का उदाहरण देते हुए कहा कि चीन 2027 तक ताईवान पर हमला करने की तैयारी कर रहा है। अतः अपना-अपना डिफैंस बजट बढ़ाकर साउथ ईस्ट एशिया के देशों को संगठित होना पड़ेगा, चीन का सामना करने के लिए।
- चीन ने इस शांग्रीला कॉन्फ्रैंस से अपने आपको दूर ही रखा है, शायद अमेरिका के डिफैंस सैक्रेटरी से मुलाकात टालने के लिए। क्योंकि, अमेरिका का मानना है कि अमेरिका तो ताईवान के साथ खड़ा ही है, पर एशिया के और देशों को भी अपनी सेना व आर्थिक मदद देनी चाहिए।
- अमेरिका का सुझाव है, एशिया में भी नाटो जैसा संगठन खड़ा करना चाहिए।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मई। अमेरिका ने एशिया में चीन की आक्रामकता के खिलाफ सामूहिक रक्षा तैयारियों और व्यापक सहयोग का आव्हान करते हुए अपने एशियाई सहयोगियों से रक्षा बजट बढ़ ाने और तैयारियों को मजबूत करने की अपील की है।

अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हैगसथ ने चीन को एशिया में सबसे बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि चीन 2027 तक ताइवान पर हमला करने की सैन्य ड्रिल कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संप्रभु और स्वतंत्र ताइवान पर किसी भी हमले को अमेरिका मूक दर्शक बनकर नहीं देखेगा।

हालांकि, हैगसथ ने जोर देकर यह भी कहा कि ताइवान की रक्षा केवल अमेरिका की नहीं, बल्कि पूरे एशिया की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने दोहराया कि ताइवान हमेशा से एक स्वतंत्र राष्ट्र रहा है, और कम्युनिस्ट चीन ने कभी उस पर शासन नहीं किया।

हैगसथ सिंगापुर में आयोजित प्रसिद्ध शांग्री-ला कॉन्फ्रैंस में बोल रहे थे, जिसे सिंगापुर सरकार और अंतरराष्ट्रीय सामरिक अध्ययन संस्थान (इन्टर नैशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ स्ट्रैटेजिक स्टडीज़) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। यह एशिया का एक प्रमुख वार्षिक सम्मेलन है, जिसमें सभी एशियाई देशों के रक्षा प्रमुख क्षेत्र के सामरिक मामलों पर विचार-विमर्श करते हैं।

भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सी.डी.एस.) जनरल अनिल चौहान कॉन्फ्रैंस में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वहाँ उन्होंने पहली बार यह स्वीकार किया कि पाकिस्तान के साथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हाँ, हमने पाकिस्तान से युद्ध में कुछ विमान खोए'

पहली बार भारत ने कुछ भारतीय विमान मार गिराये जाने की बात स्वीकार की

- सिंगापुर में आयोजित शांग्रीला कॉन्फ्रैंस में भारत के चीफ ऑफ डिफैंस स्टाफ ने इस बात पर भी जोर देकर कहा कि "कितने भारतीय विमान मार गिराये गये यह संख्या महत्व नहीं रखती। महत्व इस बात का है कि हमने जान लिया, हमसे क्या गलती हुई थी और अब उन गलतियों को सुधार लिया गया है।"

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 31 मई। भारतीय सेना ने आज पहली बार इस बात की पुष्टि की कि पाकिस्तान के साथ मई में हुई लड़ाई में, सेना ने अनिर्दिष्ट (अनस्पेसिफाइड) संख्या में फाइटर जैट खोये थे। सेना ने यह भी कहा कि चार दिन तक चली वह लड़ाई न्यूक्लियर युद्ध के कगार तक नहीं पहुंची थी।

भारतीय सशस्त्र सेनाओं के चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ, अनिल चौहान ने शनिवार को ब्लूमबर्ग टीवी को दिए एक इंटरव्यू में कहा, "महत्वपूर्ण बात यह नहीं कि कितने विमान गिरे, बल्कि यह है कि वे क्यों गिरे। अनिल चौहान इस समय "शाँगरी-ला डायलॉग" में शिरकत करने सिंगापुर गये हुए हैं।

उन्होंने पाकिस्तान के इस दावे को "पूरी तरह गलत" बताया कि उसने छः भारतीय लड़ाकू विमान मार गिराये। लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट करने से इनकार कर दिया कि भारत ने कितने जैट खोये थे।

जब चौहान से लड़ाकू जैट्स के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, "वे क्यों गिराये गये, क्या गलतियां हुई थीं, यह महत्वपूर्ण है। संख्या महत्वपूर्ण नहीं है।"

चौहान ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के इस दावे पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि अमेरिका ने न्यूक्लियर युद्ध को रोकने में मदद की। लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि यह कहना "काल्पनिक" है कि कोई भी पक्ष परमाणु हथियारों के उपयोग के करीब था।

उन्होंने कहा, "मेरा निजी रूप से मानना है कि परम्परागत सैन्य कार्यवाही एवं न्यूक्लियर युद्ध की शुरूआत के बीच बहुत बड़ा फासला है।" उन्होंने आगे कहा कि स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए पाकिस्तान के साथ संवाद के रास्ते "सदैव खुले हुए थे।" उन्होंने कहा कि लड़ाई के चरम स्तर पर पहुंचने से पहले, "कई ऐसे उप-स्तर भी थे, जिन्हें अपने विवादों को निबटाने के लिए काम में लिया जा सकता था", तथा न्यूक्लियर हथियारों के विकल्प को काम में लेने की जरूरत ही नहीं पड़ती।

चौहान ने पाकिस्तान द्वारा चीन तथा अन्य देशों से प्राप्त हथियारों की प्रभावशीलता के दावों को भी महत्वहीन बताया तथा कहा कि वे हथियार "कारगर नहीं हुए।" भारत के रक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बागीदौरा विधायक के सहयोगी को जमानत नहीं मिली

- विधानसभा में उठाये सवाल वापस लेने के बदले रिश्वत प्रकरण में एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने जमानत अर्जी खारिज की।

जयपुर, 31 मई। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 ने विधानसभा में उठाए गए सवालों को वापस लेने के बदले रिश्वत लेने से जुड़े मामले में बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल के चचेरे भाई और सहयोगी विजय कुमार पटेल की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। पीठासीन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने कहा कि प्रकरण में अनुसंधान लंबित है और आरोपी पर गंभीर आरोप हैं। ऐसे में उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। अदालत पूर्व में एमएलए की जमानत अर्जी को भी खारिज कर चुकी है।

जमानत अर्जी में कहा गया कि न तो उसने परिवादी से रिश्वत की मांग की है और न ही उसे रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में ट्रायल पूरी होने में लंबा समय भी लगेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बीकानेर में पाकिस्तान ने आर्मी व एयरफोर्स की टोह लेने के लिए ड्रोन भेजे थे'

बीएसएफ के डीआईजी अजय लूथरा ने यह भी कहा कि बीएसएफ की सतर्कता से पाकिस्तान अपने इरादों में कामयाब नहीं हो पाया

- लूथरा ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा भेजे गए सर्विलांस ड्रोन के बारे में बीएसएफ ने तुरंत आर्मी व एयरफोर्स को रिपोर्ट किया, जिन्होंने पाक के प्रयास को विफल कर दिया।
- लूथरा ने प्रैस कॉन्फ्रैंस कर बॉर्डर इलाकों में पाकिस्तान के ड्रोन आने की तमाम जानकारियाँ दी।
- लूथरा ने बताया कि अब हम अपनी बटालियन के साथ सीमा क्षेत्र में "ऑपरेशन शील्ड" के तहत मॉक ड्रिल कर रहे हैं।

बीकानेर, 31 मई। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के डीआईजी (बीकानेर सेक्टर) अजय लूथरा ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान, बॉर्डर के इलाकों को निशाना बनाने की फिराक में था। ड्रोन के जरिए पाकिस्तान, भारतीय सेना और एयरफोर्स के मूवमेंट की जानकारी लेना चाह रहा था। अधिकांश ड्रोन चीन और टर्की के बने हुए थे। इन सर्विलांस ड्रोन के बारे में बीएसएफ ने समय रहते आर्मी और एयरफोर्स को रिपोर्ट किया, जिसके दम पर इन्हें विफल कर दिया गया।

शनिवार को बीएसएफ के डीआईजी ने प्रेस कॉन्फ्रैंस कर बॉर्डर इलाकों में ड्रोन हमलों से जुड़ी तमाम जानकारियां दीं। उन्होंने कहा, बीएसएफ ने न सिर्फ सीमा की रक्षा की, बल्कि एयरफोर्स और आर्मी को लगातार इनपुट दिए, जिनके दम पर पाकिस्तान की सभी नापाक कोशिशों को नाकाम किया गया। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान, बीकानेर सेक्टर (बीएसएफ) ने पूरी मुस्तैदी के साथ अपने काम को अंजाम दिया था। लूथरा ने बताया, "जैसलमेर और बीकानेर में पाकिस्तानी ड्रोन बड़ी संख्या में पाकिस्तान ने भेजे थे। जो पाकिस्तानी ड्रोन बीकानेर की तरफ आए थे, वे सर्विलांस करने आए थे। उनका मकसद सैन्य गतिविधियों की जानकारी करना था। 7 से 11 मई के बीच हम पाकिस्तान के हर हमले का जवाब देने के लिए तैयार थे। हम दुश्मन की एक-एक हरकत पर नजर रखे हुए थे। वो कुछ भी करता तो हम उसका माकूल जवाब देने में सक्षम थे।"

ऑपरेशन शील्ड के तहत आज (शनिवार) हो रही मॉकड्रिल में बीएसएफ भी एक्टिव है। बीकानेर दौरे पर प्रधानमंत्री ने साफ कहा था कि अगर वो एक गोली मारेंगे तो हम पूरा गोला मारेंगे। इसी संदर्भ में हम ऑपरेशन शील्ड के तहत मॉकड्रिल कर रहे हैं। अजय लूथरा ने कहा- हम अपनी बटालियन के सेक्टर एरिया में संवेदनशील जगहों पर मॉकड्रिल कर रहे हैं। हमारे कैंपस में ही कोई गड़बड़ी होती है तो इससे कैसे निपटा जाएगा? इस पर भी काम करेंगे। बॉर्डर एरिया में अगर कोई नुकसान दुश्मन करता है तो वहां से लोगों को कैसे निकाला जा सकता है, इसकी भी मॉकड्रिल की जाएगी।

डीआईजी लूथरा ने बताया कि भारत-पाक सीमा से सटे गांवों में सड़कों को दुरुस्त किया जा रहा है। सेंट्रल पीडब्ल्यूडी ने टेंडर कर दिया है, लेकिन परिस्थितियां बदलने के कारण ये काम रुक गया था। अब जल्दी ही सड़कों को सही करने का काम शुरू करवाया जाएगा। 1971 के युद्ध में भारतीय सेना के साथ मिलकर पाकिस्तान को पराजित करने में बीएसएफ की निर्णायक भूमिका रही थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बीएसएफ को 'प्रथम रक्षा पंक्ति' की उपाधि दी थी। ऑपरेशन सिंदूर में बीएसएफ ने फिर से उसी सम्मान और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'समर्पित कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री की कुर्सी दी गई'

- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने, "भजनलाल मुख्यमंत्री क्यों बने" के प्रश्न पर यह टिप्पणी की और कहा, वे प्रधानमंत्री मोदी के विज़न को जन-जन तक पहुँचा रहे हैं।

जयपुर, 31 मई। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक दिवसीय जयपुर दौरे के दौरान बड़ा बयान दिया।

उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लेकर खुलासा किया। जेपी नड्डा ने बताया कि क्यों बने भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री। उन्होंने कहा ये विचारधारा के सच्चे सिपाही हैं, जो दिन-रात मोदी के विज़न को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। ऐसे समर्पित कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री की कुर्सी दी गई है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी आक्रामक रूख अपनाकर पाकिस्तान के साथ युद्ध के कथानक पर काबिज होना चाहते हैं?

यह जरूरी इसलिए भी हो गया है, क्योंकि मोदी के प्रबलतम समर्थकों में थोड़ी बेचैनी है कि जीतते हुए युद्ध के बीच भारत ने ''सीज़फायर'' को क्यों स्वीकार किया

- देश में उभर रही आंतरिक बैचेनी को थामने के लिए ही नहीं, मोदी का आक्रामक होना इसलिए भी जरूरी है, ताकि, पाकिस्तान के प्रपोगैण्डा को ''काउंटर'' किया जाए।
- पाकिस्तान यह स्थापित करने का प्रयास कर रहा था कि भारत दबाव में आ गया था, इसलिए भारत ने युद्ध को ''ठण्डा'' करने का निर्णय लिया।
- मोदी की आक्रामक शैली से राष्ट्रीय गौरव व गुरूर को छाने का मौका मिलता है तथा बेरोज़गारी, महंगाई व सुस्त इकॉनमी पर बहस, ''बैक ग्राउण्ड'' में चली जाती है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मई 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैलियों में हाल ही में भारी तेजी आई है, जिसमें राष्ट्रवादी भाषणों और पाकिस्तान पर आक्रामक तेवरों की भरमार है। इन रैलियों में राष्ट्रीय नैरेटिव पर दोबारा नियंत्रण पाने की एक रणनीतिक कोशिश के रूप में देखा जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब सरकार बढ़ती जांच और आलोचना का सामना कर रही है।

भारत की सैन्य कार्रवाई जिसमें उसे बढ़त प्राप्त थी, को अचानक रोक देने से घरेलू स्तर पर खासा असंतोष हो गया है, विशेष रूप से मोदी के कोर राष्ट्रवादी वोटबैंक में। समझा जाता है। यह कदम अमेरिका के दबाव में उठाया गया। इसीलिए मोदी राष्ट्रीय सुरक्षा में के मुद्दों पर और भी ज्यादा ज़ोर दे रहे हैं, और बालाकोट एयरस्ट्राइक तथा सर्जिकल स्ट्राइक जैसी पुरानी सैन्य कार्रवाइयों का उल्लेख कर, स्वयं को एक निर्णायक और मज़बूत नेता के रूप में दोबारा स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं।

यह आक्रामक अभियान कई उद्देश्यों को साधता है, पर सबसे बढ़कर यह असल में नुकसान की भरपाई का प्रयास हैं। किसी स्पष्ट स्पष्टीकरण के बिना सैन्य कार्रवाई को अचानक समाप्त कर देना सरकार को आलोचना के घेरे में ले आया है।

विपक्ष अब रणनीतिक पारदर्शिता, भारत की संप्रभुता पर विदेशी प्रभाव और यह सवाल उठा रहा है कि भारत ने कथित रूप से बढ़त के बावजूद पीछे हटने का निर्णय क्यों लिया। लेकिन मोदी ने इन सवालों का प्रत्यक्ष रूप से जवाब नहीं दिया है। इसके बजाय, वह भावनात्मक रूप से तीव्र सार्वजनिक भाषणों और देशभक्ति की छवियों का उपयोग करके जनता का ध्यान दूसरी ओर मोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

इस प्रकार की बयानबाज़ी के पीछे एक महत्वपूर्ण प्रेरणा पाकिस्तान के उस अंतरराष्ट्रीय नैरेटिव को काटना भी है, जिसमें यह दिखाया गया कि भारत ने दबाव में आकर तनाव कम किया। मोदी का आक्रामक स्वर इस धारणा को कमजोर करने और घरेलू व वैश्विक दोनों प्रकार के लोगों के लिए भारत की शक्ति का संकेत देने के लिए तैयार किया गया है। भारत की पूर्ववर्ती आक्रामकता और भविष्य की तत्परता पर ज़ोर देकर मोदी यह प्रयास कर रहे हैं कि भारत की क्षेत्रीय प्रभुत्व की स्थिति दोबारा स्पष्ट की जाए, साथ ही स्वयं को एक ऐसे वैश्विक नेता के रूप में पेश किया जाए जो जटिल भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपट सकता है।

यह अभियान संघ परिवार के भीतर से उठ रही असहमति और दबाव को भी निष्क्रिय करने की एक कोशिश है, खासकर आरएसएस के उन तत्वों से, जो संघर्षविराम से असहज बताए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री का नैरेटिव उनकी परंपरागत समर्थन आधार के साथ वैचारिक सामंजस्य को पुनः पुष्टि करता है और आगामी चुनावों से पहले उनके जोश को फिर से जगाने का प्रयास करता है। घरेलू स्तर पर, रैलियों की यह बाढ़ बेरोज़गारी, महंगाई और सुस्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तर पश्चिम राज्यों में मॉक ड्रिल

- राजस्थान, जम्मू कश्मीर, हिमाचल, हरियाणा, पंजाब व गुजरात में "ऑपरेशन शील्ड" के तहत मॉक ड्रिल आयोजित की गई।

नयी दिल्ली, 31 मई। केन्द्र सरकार के निर्देश पर उत्तर-पश्चिमी सीमावर्ती राज्यों में आज 'आपरेशन शील्ड' के तहत, वायु हमलों से बचाव के लिए मॉक ड्रिल की गई।

केन्द्र शासित जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में अलग अलग स्थानों में हुए इस अभ्यास में सिविल डिफेन्स और विभिन्न सरकारी एजेंसियों ने जनभागीदारी के साथ हवाई हमले से बचाव के प्रदर्शन किए।

सूत्रों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में अमर सिंह निवास में आयोजित इस मॉक ड्रिल में विभिन्न सरकारी और सिविज एजेंसियों ने भाग लिया। जम्मू में भी जिला प्रशासन ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जो एकांत में खुश रहता है वो या तो पशु है या देवता। –अज्ञात

शहरी हरियाली में मृत्यु दर घटाने का रहस्य छुपा है

यजुर्विद संहिता का एक सूत्र है:–**हरित्समुच्चयः शुभहेतुरेषः, स्वस्थंशरीरंमनसश्चशान्तिम्। विनाशयत्याशुगदांस्तथान्याः, सृजत्ययुंदीर्घमथोसमृद्धिम्।**। तात्पर्य यह है कि हरियाली का विस्तार शुभ का कारण है। यह शरीर को स्वस्थ बनाती है और मन को शांति प्रदान करती है। यह शीघ्र ही रोगों और अन्य कष्टों को नष्ट करती है और दीर्घायु तथा समृद्धि को उत्पन्न करती है। आज की चर्चा इसके वैज्ञानिक विश्लेषण पर है।

कभी आपने सोचा है कि हमारे आसपास के हरे-भरे पेड़, पार्क और हरियाली हमें कैसे जिंदा रख सकते हैं? यह कहानी एक ऐसे सफर की है जहां विज्ञान और प्रकृति के बीच की अनदेखी डोर ने मानव जीवन को न केवल लंबा किया है, बल्कि इसे शांत और स्वस्थ भी बनाया है। कल्पना कीजिए, एक ऐसा दिन जब शहरों में हरियाली का नामो-निशान मिट चुका हो। हर तरफ केवल कंक्रीट का जंगल, धूल-धुआं और बेचैनी। यही तो आधुनिक शहरीकरण की सच्चाई है, जहां हरियाली कम होती जा रही है। लेकिन विज्ञान ने हमें बताया है कि यह कहानी किसी त्रासदी की ओर बढ़ सकती है। शोध बताते हैं कि जो लोग हरियाली के पास रहते हैं, उनकी मृत्यु दर कम होती है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि जीवन और मृत्यु के बीच की कहानी है।

एक बूढ़ी महिला की कहानी लीजिए, जो शहरी कोलाहल में अपने घर की खिड़की से केवल कंक्रीट की इमारतें देखती है। वह अकेली रहती है, उसका स्वास्थ्य खराब है और वह अक्सर अस्पताल जाती है। लेकिन एक दिन, उसकी बेटी उसे एक ऐसे घर में ले जाती है, जहां खिड़की के बाहर एक बड़ा बगीचा है। कुछ महीनों में, उसकी मानसिक स्थिति में सुधार होता है, उसकी हृदय गति सामान्य हो जाती है और वह पहले से बेहतर महसूस करने लगती है। यह कहानी केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक है। अध्ययन बताते हैं कि हरियाली हृदय संबंधी बीमारियों, मानसिक तनाव और श्वसन तंत्र पर अद्भुत प्रभाव डालती है।

हरियाली का प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह सामुदायिक स्तर पर भी लाभकारी है। ज़रा सोचिए, एक ऐसा इलाका जहां हरियाली की कमी हो, वहां अपराध दर अधिक होती है। लेकिन जैसे ही एक पार्क का निर्माण होता है, बच्चों के लिए खेलने की जगह मिलती है, वयस्कों के लिए टहलने के रास्ते बनते हैं, क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। यह केवल एक सामाजिक परिवर्तन नहीं है,बल्कि स्वास्थ्य और कल्याण का विस्तार है।

क्या हरियाली के बिना भी जीवन संभव है? वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो नहीं। चीन में एक अनोखा अध्ययन बताता है कि अत्यधिक ठंड या गर्मी से होने वाली मौतों को हरियाली नाटकीय रूप से कम कर सकती है। यह शोध स्पष्ट करता है कि हरियाली केवल सौंदर्य का स्रोत नहीं है, बल्कि यह जीवन रक्षक भी है। हरियाली केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति और दीर्घायु का आधार भी बन सकती है।

दक्षिण एशियाई देशों में हरियाली के महत्व को समझना और भी आवश्यक हो जाता है। शहरीकरण के कारण हरियाली के क्षेत्र सीमित हो गए हैं, जिससे शारीरिक गतिविधियों में कमी और संबंधित बीमारियों,जैसे मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप में वृद्धि हुई है। हरियाली को उपयोगी बनाने के लिए डिज़ाइन में सुधार आवश्यक है। उदाहरण के लिए, महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित और सुलभ पार्क बनाना,जहां वे बिना किसी डर के टहल सकें।

कम आय वाले और हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए हरियाली का सकारात्मक प्रभाव अधिक होता है। गरीब और वंचित समुदाय, जिनके पास स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य संसाधनों तक सीमित पहुंच होती है, हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। यह न केवल स्वास्थ्य असमानताओं को कम करने में मदद करता है, बल्कि सामाजिक समानता को बढ़ावा देने का भी एक प्रभावी साधन है।

क्या आप जानते हैं कि ब्लू स्पेस (जैसे तालाब, झील) का भी स्वास्थ्य पर प्रभाव हो सकता है? ब्लू और ग्रीन स्पेस का सम्मिलित प्रभाव श्वसन और कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों से होने वाली मृत्यु दर को कम कर सकता है। शोध स्पष्ट करता है कि पानी और हरियाली के बीच का यह जुड़ाव हमारी सेहत के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है।

अब जरा एक छोटे लड़के की कल्पना करें, जो बड़े शहर में हरियाली के बिना पला-बढ़ा है। उसकी श्वसन समस्याएं बढ़ जाती हैं, और वह अक्सर अस्पताल जाता है। लेकिन जब वह एक गांव में अपने दादा-दादी के पास जाता है, जहां हर तरफ पेड़ और खेत हैं, तो उसका स्वास्थ्य बेहतर हो जाता है। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि हकीकत है। अध्ययनों ने दिखाया है कि हरियाली केवल बीमारी को रोकने का साधन नहीं है, बल्कि यह पुनर्वास और उपचार का भी एक प्रभावी माध्यम हो सकती है।

नीचे प्रस्तुत शोध के आंकड़े और उनके निष्कर्षों में हरियाली और स्वास्थ्य के बीच संबंधों पर व्यापक और समठाविवरण देखा जा सकता है।

अल्फ़ानो और साथियों (Environmental Research: 216, 2023) ने 538 नमूनों पर अध्ययन किया। उन्होंने गर्भावस्था के दौरान माताओं के हरियाली के संपर्क का नवजात शिशुओं के डीएनए मिथाइलेशन पर प्रभाव देखा। 147 डिफरेंशियली मिथाइलेटेड क्षेत्र की पहचान की गई, जिनमें से 85 क्षेत्रों ने प्रदूषण, सड़क की दूरी, शहरीकरण और पड़ोस की आय जैसे कारकों के बावजूद भी महत्वपूर्ण परिणाम दिखाए। यह अध्ययन हरियाली और आनुवंशिक प्रभावों के बीच संबंध को रेखांकित करता है।

कामी-बर्नाल और साथियों (Health and Place: 82, 2023) ने हरियाली और टाइप-2 मधुमेह के बीच संबंध पर 13 कोहोर्ट अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 1,700 से 19,22,545 प्रतिभागी शामिल थे। उन्होंने पाया कि जिन व्यक्तियों को अधिक हरियाली का संपर्क मिला, उनमें टाइप-2 मधुमेह की घटनाएं कम थीं।

हरियाली का महत्व केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह हमारी संस्कृति, हमारे समाज और हमारे अस्तित्व का आधार है। यह हमें न केवल जिंदा रखती है, बल्कि हमें जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। यह समय है कि हम इस ज्ञान को अपनाएं और अपने जीवन में हरियाली को स्थान दें। आखिरकार, यह केवल पेड़ों और पौधों की बात नहीं है; यह हमारे जीवन की बात है।

डिमाकोपुलू और साथियों (Frontiers in Epidemiology, 3,2023) ने यूरोप के नौ देशों में 204 मिलियन व्यक्ति-वर्ष और 3.1 मिलियन मौतों के आंकड़ों का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि पी.एम.2.5, नाइट्रोजन के ऑक्साइड और ब्लैक कार्बन के संपर्क से मृत्यु दर बढ़ती है, लेकिन हरियाली का उच्च स्तर इन नकारात्मक प्रभावों को कम कर सकता है।

लियू और साथियों (Environmental Pollution, 301,2022) ने 53 अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 18 देशों के 100 मिलियन व्यक्ति शामिल थे। उनका मेटा-विश्लेषण दिखाता है कि एनडीवीआई (हरियाली का माप)में 0.1 की वृद्धि से कार्डियो वैस्कुलर मृत्यु दर में 2-3 प्रतिशत की कमी होती है।

अधिकारी और साथियों (The Lancet Planetary Health, 4, 135-136, 2020) ने दक्षिण एशिया के संदर्भ में हरियाली और स्वास्थ्य का अध्ययन किया। उन्होंने यह पाया कि शहरीकरण के कारण हरियाली की कमी मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों को बढ़ाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि हरियाली के डिज़ाइन और उसकी उपलब्धता में सुधार के लिए नीतिगत प्रयासों की आवश्यकता है।

बर्ट्रैंड और साथियों (Public Health, 200:91-98, 2021) ने 13 एक्सपोजर-रिस्पॉन्स फंक्शन का उपयोग किया और निष्कर्ष निकाला कि एनडीवीआई में 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर के जोखिम अनुपात को 0.96 तक कम कर सकती है।

कुआ और ली (Perspectives in Public Health,141: 342-353, 2021) ने 20 अध्ययनों (133,363 प्रतिभागी और 202 मिलियन व्यक्ति) का विश्लेषण किया और पाया कि हरियाली का अधिक संपर्क सामान्य मृत्यु दर को 3 प्रतिशत तक कम कर सकता है।

झोउ और साथियों (Sustainable Cities and Society, 116,2024) ने 21 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि ब्लू और ग्रीन स्पेस का संयुक्त प्रभाव श्वसन और हृदय संबंधी मृत्यु दर को कम करता है।

ही और साथियों (Science of the Total Environment, 851, 2022) ने 138,749 स्ट्रोक से संबंधित मौतों का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि हरियाली ने ठंड और गर्मी से संबंधित स्ट्रोक मृत्यु दर को कम किया। उच्च एनडीवीआई ने विशेष रूप से गर्मी के प्रभाव को कम करने में सहायता की।

रिगोलोन और साथियों (International Journal of Environmental Research and Public Health, 18: 1-29, 2021) ने 90 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि गरीब और वंचित समुदाय हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। हरियाली इन समुदायों में स्वास्थ्य असमानताओं को कम करती है।

रॉजस-रुएडा और साथियों (The Lancet Planetary Health, 3:469-477, 2019)ने 8.3 मिलियन प्रतिभागियों पर नौ अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि एनडीवीआई में 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर को 4 प्रतिशततक कम कर सकती है।

स्मिथ और साथियों (Cities, 119, 2021) ने ब्लू स्पेस के प्रभावों का विश्लेषण करते हुए पाया कि ब्लू स्पेस का संपर्क मोटापे और सामान्य मृत्यु दर में सुधार करता है।

युआन और साथियों (Aging Clinical and Experimental Research, 33:1783-1797, 2021) ने बुजुर्ग व्यक्तियों पर हरियाली के प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि हरियाली का संपर्क सामान्य और स्ट्रोक मृत्यु दर को कम करता है।

इसी प्रकार जरे सखाविदि इत्यादि (Science of the Total Environment, 838,156180,2022) द्वारा हरियाली और कैंसर के संबंध पर 18 अध्ययनों का मेटा-विश्लेषण बताता है कि फेफड़ों और अन्य प्रकार के कैंसर पर हरियाली के सकारात्मक प्रभाव के संकेत मिले।

इन शोधों ने हरियाली के व्यापक लाभों को दर्शाया है, जिसमें मृत्यु दर में कमी, स्वास्थ्य सुधार और सामाजिक असमानताओं को कम करने की क्षमता शामिल है। यह स्पष्ट है कि हरियाली मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

लेकिन हम इस ज्ञान का उपयोग कैसे कर सकते हैं? व्यक्तिगत स्तर पर,हम अपने आस-पास अधिक से अधिक पौधे लगा सकते हैं। पड़ोस के पार्क में नियमित रूप से समय बिताना हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। जैसा कि यजुर्विद संहिता में कहा गया है: **वनंप्रविश्यप्रचलन्ति ये ते, धृतिंलभन्तेहृदये सदा वै। तनुः सुदृढ्यामनसः प्रसादं, विधायसेव्यंशमयेत्व्यथाश्च**।। तात्पर्य यह है कि वन में प्रवेश करके जो लोग पैदल भ्रमण करते हैं, वे सदा अपने हृदय में स्थिरता (धैर्य और शक्ति) प्राप्त करते हैं। उनका शरीर सुदृढ़ होता है और मन प्रसन्न हो जाता है। इस प्रकार,वन को सेवन करते हुए (वन में नियमित भ्रमण करते हुए), शारीरिक और मानसिक दुखों और कष्टों को शांत किया जा सकता है।

बच्चों को प्रकृति के संपर्क में लाना, उन्हें पेड़ों और हरियाली के महत्व के बारे में सिखाना भी एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन के लिए यह जरूरी है कि हरियाली को शहरी योजना का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। पार्क का निर्माण, सार्वजनिक स्थानों पर हरियाली बढ़ाना और ब्लू-ग्रीन स्पेस का प्रबंधन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। इसके साथ ही,सामाजिक असमानता को ध्यान में रखते हुए ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए, जो गरीब और वंचित समुदायों के लिए अधिक सुलभ हों।

हरियाली का महत्व केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह हमारी संस्कृति, हमारे समाज और हमारे अस्तित्व का आधार है। यह हमें न केवल जिंदा रखती है, बल्कि हमें जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। यह समय है कि हम इस ज्ञान को अपनाएं और अपने जीवन में हरियाली को स्थान दें। आखिरकार, यह केवल पेड़ों और पौधों की बात नहीं है; यह हमारे जीवन की बात है। आइए, इसे संजोएं और संरक्षित करें।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

सांस्कृतिक मूल्यों का सृजक : "राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ"

डॉ. निमिषा गौड

जीवन में मूल्यों का अत्यंत महत्व है। मूल्यों के बिना जीवन दिशाहीन हो जाता है। मानवीय मूल्यों से युक्त समाज ही सशक्त, संगठित और वैभवशाली राष्ट्र की आधारशिला रख सकता है। जब समाज अपनी शक्ति और सामर्थ्य के बल पर खड़ा होता है, तब वह न केवल आत्मनिर्भर, बल्कि नैतिक रूप से भी समृद्ध होता है। सांस्कृतिक मूल्य वे आदर्श, मान्यताएँ, परंपराएँ और व्यवहार के तरीके होते हैं जो किसी समाज या समुदाय की संस्कृति का मूल आधार बनाते हैं। ये मूल्य पीढ़ी दर पीढ़ी परंपराओं, धार्मिक विश्वासों, नैतिक शिक्षाओं और सामाजिक अनुभवों के माध्यम से आगे बढ़ते हैं।

हिंदू समाज की सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा और संगठन के उद्देश्य से100 वर्ष पहले 1925 में विजयादशमी के पावन अवसर पर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। उस समय जब विदेशी आक्रांताओं और विभाजनकारी शक्तियों द्वारा हिंदू समाज की एकता को खंडित करने के प्रयास हो रहे थे, तब डॉ. हेडगेवार ने आत्मगौरव, अनुशासन और एकात्मता की भावना जगाने हेतु शाखा प्रणाली की शुरुआत की।

उन्होंने ऐसा तंत्र खड़ा किया जो राष्ट्रभक्ति, आत्मबल और सांस्कृतिक मूल्यों के विकास में सहायक हो। संघ अपने प्रकार का विशिष्ट संगठन है, जिसकी तुलना किसी अन्य से नहीं की जा सकती। इसलिए इसे केवल पढ़कर या सुनकर समझना कठिन है। संघ जो संगठन के रूप में दिखाई देता है, उसकी जो विचार सृष्टि है वह वस्तुतः शाश्वत भारतीय है।

यह विचार शुद्ध है, सत्य और स्थायी है। सत्य की प्रतिष्ठा तब ही संभव है जब उसके पीछे शक्ति खड़ी हो। विश्व-कल्याण और मानवता के उच्च विचारों के बावजूद भारतीय सनातन संस्कृति आक्रांताओं की शिकार बनी, क्योंकि समाज में शक्ति का अभाव था। इसलिए संघ ने समाज को सशक्त करने को अपना लक्ष्य बनाया। इसकी कार्यपद्धति का मूल है - व्यक्ति निर्माण। यह स्पष्ट है कि जब समाज का आचरण बदलता है, तो परिवेश स्वतः बदलता है। किंतु समाज का आचरण बदलने के लिए भी वातावरण का निर्माण करना पड़ता है, यही कार्य संघ करता है। संघ का मूल उद्देश्य है - हिंदू समाज को संगठित, संस्कारित और बलसंपन्न बनाना, जिससे वह मातृभूमि की रक्षा में समर्थ बन सके। उसका आदर्श वाक्य है–

-'संघे शक्ति कलौयुगे' अर्थात् इस कलियुग में शक्ति संगठन में निहित है और लक्ष्य है–**'परमवैभवं नेतुमेतत स्वराष्ट्र'** अर्थात इस राष्ट्र को परमवैभव सम्पन्न बनाना। जब समाज एक विचार, एक संकल्प और एक ध्येय से जुड़ता है, तभी एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव होता है।

संघ केवल विचार नहीं देता, वह उन्हें जीवन में उतारने पर बल देता है। जैसे शारीरिक बल के लिए व्यायाम आवश्यक है, वैसे ही मानसिक और सांस्कृतिक बल के लिए साधना भी जरूरी है, जो शाखा के माध्यम से होती है। शाखा का संचालन परम पवित्र भगवा ध्वज को गुरु मानकर किया जाता है, जो आत्मगौरव, समर्पण, त्याग, शौर्य और आदर्शों का प्रतीक है। संघ समय और समाज की आवश्यकता के अनुसार स्वयं को ढ़ालने और बदलाव का स्वागत करने वाला संगठन है। संगठन संरचना और शाखाओं के स्वरूप में भी परिवर्तन आया है, किन्तु संघ के शाश्वत मूल्य आज भी अडिग हैं।

शाखाओं में प्रतिदिन स्वयंसेवक एकत्र होते हैं - शारीरिक अभ्यास, खेल, गीत, बौद्धिक चर्चा और समरसता के वातावरण में राष्ट्रीय भावना को आत्मसात करते हैं। यह केवल संगठन नहीं, बल्कि संस्कार निर्माण की प्रयोगशाला है। भारत की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने वाली शक्तियों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक प्रभावशाली स्तंभ है। यह केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन है जिसने पीढ़ियों को राष्ट्रप्रेम, सेवा और भारतीय संस्कारों और शाश्वत जीवन मूल्यों से जोड़ा है।

संघ की मान्यता है कि किसी राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान उसकी जीवन दृष्टि से बनती है, जो भाषा, भेष और सीमाओं से ऊपर उठकर एक समरस सांस्कृतिक समाज की कल्पना करती है। संघ की बैठकें, उत्सव, शाखाएँ और शिविर इस सांस्कृतिक परंपरा को जीवित रखने और नई पीढ़ी को उससे जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। मातृभूमि की रक्षा केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि क्रियात्मक होनी चाहिए। जैसे मंदिर की प्रतिमा की रक्षा संकट के समय आवश्यक होती है, वैसे ही राष्ट्र की रक्षा हेतु समाज को संगठित और सजग रहना चाहिए। संघ का स्वयंसेवक इस आदर्श को जीता है - वह केवल विचार नहीं करता, उसे आचरण में उतारता है।

संघ के स्वयंसेवकों के जीवन में भगवान परशुराम जैसे आदर्शों की प्रेरणा दिखाई देती है, जिन्होंने धर्म और पितृभक्ति की रक्षा के लिए कठोर संकल्प लिए। उसी प्रकार स्वयंसेवक मातृभूमि की सेवा और रक्षा को परम

धर्म मानकर अपना जीवन समर्पित करता है। उसकी भक्ति शब्दों में नहीं, कर्म में प्रकट होती है। उसके जीवन आचरण से राष्ट्र प्रथम का भाव चरितार्थ होता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मत है कि हिंदू समाज की एकता, आत्मबल और सांस्कृतिक गौरव ही भारत को पुनः विश्वगुरु बना सकते हैं। 'हिन्दू' वह है जो विविधता में एकता की संस्कृति पर विश्वास करता है, अपने पूर्वजों का गौरव करता है, इस धरती को माता मानता है और इसकी संस्कृति का उपासक है। संघ का उद्देश्य किसी राजनीतिक लाभ से नहीं, बल्कि समाज में राष्ट्रीय भाव के जागरण से जुड़ा है। यही कारण है कि वह प्रत्यक्ष राजनीति से दूर रहकर शिक्षा, सेवा, ग्राम विकास, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण आदि क्षेत्रों में कार्यरत है।

संघ के प्रतिवेदन 2024-25 के अनुसार देश भर में प्रतिदिन कुल 83,139 शाखाएं चल रही है। हर वर्ष लाखों युवा, विशेषकर 14-25 आयु वर्ग के संघ से जुड रहे हैं। संघ वेबसाइट के माध्यम से साल 2012 से अब तक 12,72,453 से अधिक लोगों ने संघ से जुडने में रुचि दिखाई है, जिनमें से 46 हजार से अधिक युवतियां एवं महिलाएं हैं। देशभर में कुल 89,706 सेवा गतिविधियां चल रही हैं, जिनमें से 40,920 शिक्षा के क्षेत्र में, 17,461 चिकित्सा सेवा से संबंधित, 10,779 स्वावलंबन के क्षेत्र में तथा 20,546 सामाजिक जागरण से संबंधित गतिविधियां हैं। संघ की प्रेरणा से अनेक संगठन समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। वनवासी क्षेत्रों से लेकर नगरों तक और शिक्षा से सेवा तक-संघ की प्रेरणा से सेवा भारती, विद्या भारती, संस्कार भारती, वनवासी कल्याण आश्रम जैसे अनेक संगठन समाजो त्थान में कार्यरत हैं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मात्र एक संगठन नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक चेतना है, जो भारत की सनातन परंपरा को जीवित रखने, आत्मगौरव जगाने और भावी पीढ़ी को सशक्त व संस्कारित करने हेतु सतत प्रयत्नशील है।

–डॉ. निमिषा गौड,
सहायक आचार्य
कनोड़िया पी. जी. महिला महाविधालय जयपुर।

सांवलिया सेठ के एक माह के भंडार व भेंट कक्ष से 26.77 करोड़ रुपए की आमद

मंडफिया, (निसं)। भगवान श्रीसांवलिया जी सेठ के दरबार में गत 26 मई को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं मंदिर की मुख्य निष्पादन अधिकारी प्रभा गौतम की उपस्थिति में पांचवें चरण में संपन्न हुई। मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया शनिवार शाम को संपन्न हुई पांचवें चरण की गिनती से 5 लाख 38 हजार 496 रूपए की नगद प्राप्ति हुई। इससे पूर्व चार चरणों में हुई भंडार गिनती से 20 करोड़ 42 लाख 70 हजार रूपए नगद प्राप्त हुए थे। प्रशासनिक अधिकारी टेलर ने बताया कि इसके अलावा मंदिर कार्यालय में विभिन्न भक्तों ने विभिन्न स्थानों से ऑनलाइन व मनी ऑर्डर भेजकर एवं स्वयं उपस्थित होकर 6 करोड़ 29 लाख रूपए भेंट स्वरूप जमा किए। प्रशासनिक अधिकारी टेलर ने बताया कि पांचों चरणों की गिनती को मिलाकर भंडार से 20 करोड़ 45 लाख 08 हजार 496 रुपए नगद एवं मंदिर कार्यालय में 6 करोड़ 29 लाख रुपए भेंट जमा हुए हैं। इन सब को

- 131 किलो चांदी व 627 ग्राम 260 मिलीग्राम सोना भी प्राप्त हुआ

मिलाकर भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के एक माह में 26 करोड़ 77 लाख 8 हजार 496 रूपए की कुल आमद हुई।

टेलर ने बताया कि भंडार से निकले सोने-चांदी एवं मंदिर कार्यालय में जमा सोने-चांदी का तोल भी किया गया, जिसमें भंडार से 388 ग्राम सोना व 57 किलो 700 ग्राम चांदी प्राप्त हुई एवं मंदिर कार्यालय से 239 ग्राम 400 मिलीग्राम सोना एवं 73 किलो 260 ग्राम चांदी भेंट स्वरूप प्राप्त हुई। भंडार गिनती में भादसोड़ा नायब तहसीलदार शिव शंकर पारीक, प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर, मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, लेखाधिकारी राजेंद्र सिंह, संपदा प्रभारी भेरुगिरी गोस्वामी, लेहरी लाल गाडरी, जितेन्द्र त्रिपाठी सहित मंदिर एवं बैंक कर्मचारी उपस्थित थे।

भगवान श्रीसांवलिया जी सेठ के दरबार के भंडार की शेष रही राशि की गिनती मंदिर कर्मचारियों ने की।

बाल विवाह रुकवाया

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र के मेड में बाल विवाह की सूचना मिलने पर प्रशासन ने बाल विवाह रुकवाकर परिजनों को पाबंद किया। जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने जानकारी देते हुए बताया कि विराटनगर थाना क्षेत्र से एक नाबालिग ने सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट विराटनगर के समक्ष एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर बताया कि आगामी चार जून को उसके माता-पिता नाबालिग अवस्था में उसकी शादी करवाना चाहते हैं। जिस पर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट विराटनगर कुमार मोहन ने संज्ञान लेते हुए पुलिस थाना विराटनगर से मामले की जांच कर तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी। जांच में प्रार्थीया नाबालिग का विवाह तय होना पाया गया। जिस पर प्रार्थीया के माता-पिता, चाचा-चाची के विरुद्ध इस्तगासा अंतर्गत धारा (13)6 बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 में सिविल न्यायाधीश व न्यायिक मजिस्ट्रेट विराटनगर में पेश कर पाबंद करवाया। वहीं ग्राम पंचायत सरपंच को न्यायालय ने परिजनों द्वारा नाबालिग का विवाह बालिग होने तक नहीं करने के निर्देश दिए। नाबालिग को राजस्थान सरकार द्वारा संचालित बाल कल्याण समिति जयपुर में दाखिल कराया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर रैली निकाली

भीलवाड़ा, (निसं)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस-2025 के अवसर पर शनिवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक विशाल रैली का आयोजन किया गया। यह रैली महात्मा गांधी राजकीय जिला चिकित्सालय के मुख्य पोर्च से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए तंबाकू के विरुद्ध जागरूकता का संदेश प्रसारित करती रही।

रैली को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सी. पी. गोस्वामी एवं पीएमओ डॉ. अरुण गौड़ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डॉ. गोस्वामी के नेतृत्व में आयोजित इस रैली में शहर के विभिन्न नर्सिंग संस्थानों के प्रशिक्षणार्थी एवं स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। प्रतिभागी हाथों में तंबाकू निषेध से संबंधित संदेशों वाले पोस्टर, बैनर व नारे लिए हुए थे, जिनके माध्यम से आमजन को तंबाकू सेवन से होने वाली बीमारियों जैसे कैंसर, हृदय रोग व श्वसन संबंधी समस्याओं के बारे मे जानकारी दी गई। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. गोस्वामी ने बताया कि हर वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य तंबाकू के सेवन को रोकना और इससे होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि तंबाकू का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक जीवन पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने आमजन से आव्हान किया कि वे इस जनहितकारी अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण में योगदान दें।

राशिफल रविवार 1 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, आश्लेषा नक्षत्र रात्रि 9:36 तक, धुव्र योग प्रातः 9:11 तक, कौलव करण प्रातः 8:08 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 9:36 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृष, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग रात्रि 9:29 तक है। यमघट योग रात्रि 9:36 से सूर्योदय तक है। आज अरण्य षष्ठी, विन्ध्यवासिनी पूजा, जामित्री षष्टी, शीतला छठ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:19 से 9:01 तक, लाभ अमृत 9:01 से 12:24 तक, शुभ 2:06 से 3:48 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:12

मेष
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय है और बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आज महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आज धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यक्तिगत/पारिवारिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कुंभ
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बढ़ेगा।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

सांडेराव में जल्द बनेगा ट्रोमा सेंटर : जोराराम कुमावत

पाली/सुमेरपुर, (नि.सं.)। प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था के सुदृढीकरण के लिए राज्य की भजनलाल सरकार लगातार प्रयासरत है। गंभीर रोगियों की ईलाज के अभाव में मौत न हो इसको लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य सड़क मार्गों पर ट्रोमा सेंटर प्राथमिकता से खोल रहे हैं। इसी के तहत सांडेराव में जल्द ही ट्रोमा सेंटर खोला जाएगा। यह बात पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने ग्राम पंचायत कोसेलाव में आयोजित कार्यक्रम में कही।

मंत्री कुमावत ने कहा कि पाली से लेकर सिरोही व जालोर से लेकर देसुरी तक कहीं भी ट्रोमा सेंटर नहीं है। ऐसे में इस मार्ग पर सड़क हादसों में गंभीर रूप से घायलों की समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण मौत हो जाती है। इस समस्या को लेकर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा को अवगत करवाया तो उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए सांडेराव में ट्रोमा सेंटर खोलने की स्वीकृत प्रदान कर दी है। सांडेराव में जल्द ही ट्रोमा सेंटर चालू होगा, जिसके लिए राज्य सरकार ने चार डॉक्टर्स व अन्य कर्मचारियों की भी स्वीकृति दे दी है। इस दौरान उन्होंने स्कूल में बर्तन बैंक का शुभारंभ किया।

केबिनेट मंत्री ने अपने पाली जिले के प्रवास के दौरान कोसेलाव, रोजड़ा व बांकली में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस मौके पर कोसेलाव की प्रशासक सोनी देवी भाटी, भाजपा मंडल अध्यक्ष रतन देवासी, शिवराज सिंह बिठिया, महावीर सिंह जोधा, पूर्व मंडल अध्यक्ष महिपाल सिंह जोधा, हनुमान भाटी, बलवंत परिहार, अमर सिंह परिहार, अमर सिंह हिगोली, मुकेश मोदी व शंकर सिंह राजपुरोहित मौजूद थे।

केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने ग्राम पंचायत नेतरा के गांव रोजड़ा में आयोजित समारोह के दौरान यहां के अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

कार्यक्रम में पूर्व भाजपा अध्यक्ष करण सिंह नेतरा, बांकली के मंडल अध्यक्ष हनवंत सिंह, नेतरा के प्रशासक छगनलाल सोलंकी, शिवराज सिंह बिठिया, रतन सिंह राणावत, पंचायत समिति सदस्य मनीष मीणा, बीजेपी जिलामंत्री पूनम सिंह परमार व मुकेश मोदी मौजूद रहे।

इससे पहले जोराराम कुमावत ने बांगड़ी में सांडेराव के मंडल अध्यक्ष रतन देवासी, खिमाड़ा की प्रशासक पूजा देवासी, विशाल सिंह राणावत, लादुराम कुमावत, शंकर सिंह राजपुरोहित, जोराराम देवासी, गणेश भाटी की मौजूदगी में अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। यहां मंत्री ने जनसुनवाई भी की। इस दौरान ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया।

पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कोसेलाव, रोजड़ा व बांकली में कई विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। फोटो-राष्ट्रदूत

महेश नवमी महोत्सव 4 जून को

जैसलमेर, (नि.सं.)। महेश नवमी महोत्सव 4 जून को हर्षोल्लास से मनाया जाएगा।

माहेश्वरी नवयुवक मंडल अध्यक्ष विजय डांगरा ने बताया कि माहेश्वरी समाज के लिए महेश नवमी पर्व अत्यंत गौरवशाली दिवस है। इसी दिन भगवान महेश की असीम कृपा से हमारे समाज की वंशोत्पती हुई थी। इस दिवस को हम महेश नवमी के रूप में मनाते आ रहे है। सभी मिलजुल के वचनबद्ध हो कर हमारे वंशोत्पती दिवस को हम सभी मिलजुल कर वृहद रूप से मनाएं।

माहेश्वरी नवयुवक मंडल। मंत्री तरुण गोलकिया ने बताया कि 4 जून को प्रात: 7 बजे गड़ीसर स्थित नीलकण्ठ महादेव मंदिर में शिव पूजन के पश्चात शोभायात्रा होगी। शोभायात्रा गड़ीसर बगेची से आसनी रोड़, गोपा चौक, ग्रामीण बस स्टेण्ड, माहेश्वरी सेवा सदन से मलकेश्वर महादेव मन्दिर पहुंचेगी जहां प्रतिभा सम्मान, पारितोषिक वितरण, एवं जलपान होगा।

दोपहर प्रसादी 12 बजे से मलकेश्वर महादेव मन्दिर सेवा सदन के पास एवं सायं 6 बजे सांस्कृति कार्यक्रम व लॉटरी लक्की ड्रॉ होगा सायं 8 बजे सामुहिक गोठ होगी। शोभा यात्रा में महिलाओं व बालिकाओं के लिए वाहन रैली रखी गई है।

शोभा यात्रा में पुरूष सफेद कुर्ता-पायजामा व महिलाएं लाल चुन्दड़ी साड़ी व बालिकाएं भी लाल ड्रेस में शामिल होगी।। मंत्री द्वारा सभी समाज जनों से निवेदन किया गया है कि शाम दिया बाती के समय 5 मिट्टी के दीपक अपनें घरों के बाहर अवश्य जलावें, जिससे हम हमारे सबसे बड़े पर्व की शान्ति को अनुभव कर सकें।

मयंक सब जूनियर नेशनल वुशू में राष्ट्रीय चैपियन बना

जालोर के चार वुशू खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय सब जूनियर प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। सब जूनियर नेशनल वुशू में जालोर का आर्य वीर मयंक भादरु पुत्र भरत मेघवाल नया राष्ट्रीय चैंपियन बन गया है।

जिला वुशू संघ के महासचिव कन्हैयालाल मिश्रा व अध्यक्ष शिवदत्त आर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि मयंक ने तमिलनाडु में 26 से 31 मई तक भारतीय वुशू संघ के तत्वावधान में आयोजित 25वीं राष्ट्रीय सब जूनियर वुशू प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल जीतकर यह उपलब्धि हासिल की है। मयंक इससे पूर्व प्रदेश के लिए क्रमश: कांस्य व रजत पदक जीत चुका है। इसके साथ ही इसी प्रतियोगिता में जिले के तीन खिलाडियों आराध्या सुंदेशा, वैष्णवी सिंह व आर्य वीरांगना काव्या गुप्ता ने प्रदेश के लिए कांस्य पदक जीतकर जिले को गौरवान्वित किया है। चारों ही मेडलिस्ट खिलाडियों को शनिवार दोपहर भारतीय वुशू संघ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में मैडल पहनाकर सम्मानित किया गया।

गौरतलब है कि 25वीं राष्ट्रीय सब जूनियर वुशू प्रतियोगिता में जालोर के 6 खिलाड़ियों में से 4 खिलाड़ियों ने प्रदेश को मैडल दिलवाया है। चारों ही खिलाड़ी आर्य वीर दल व वीर वीरमदेव स्पोर्ट्स एकेडमी में कोच देवेश आर्य व प्रितम सिंह राठौड के सानिध्य में नियमित अभ्यास करते हैं।

वुशू खिलाड़ियों की पदकीय उपलब्धि पर राजस्थान वुशू संघ के अध्यक्ष हीरानंद कटारिया, महासचिव ममता वर्मा, अंतराष्ट्रीय कोच राजेश कुमार टेलर, जिला वुशू संघ के संरक्षक दलपत सिंह आर्य, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल, आर्य वीर दल राजस्थान के अधिष्ठाता विनोद आर्य, अध्यक्ष कृष्ण कुमार, संचालक प्रशांत सिंह, जिला खेल अधिकारी भरत सिंह गुर्जर, स्मैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया के सचिव मोहम्मद इकराम, राष्ट्रीय निर्णायक ललित कुमार, जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष भरत मेघवाल, मोहनलाल आर्य, जगदीश आर्य, वरुण शर्मा, कांतिलाल आर्य, छगन आर्य, छगन नाथ, गणपत लाल आर्य, खेलो इंडिया कोच इमरान अली सहित खेलप्रेमियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

टीना डाबी ने मौके पर रहकर नालों की सफाई करवाई

बाड़मेर, (नि.सं.)। नवो बाड़मेर अभियान के तहत शनिवार को बाड़मेर शहर के नालों की सफाई के लिए प्रात: 4 बजे से सुबह 10 बजे तक विशेष अभियान चलाया गया। सफाई अभियान की मोनेटरिंग के लिए पहुंचे जिला कलैक्टर टीना डाबी समेत विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों ने नगर परिषद के माध्यम से कचरे का उठाव एवं नालियों की सफाई करवाई।

जिला कलैक्टर टीना डाबी ने बताया कि नवो बाड़मेर के तहत बाडमेर शहर में मानसून से पूर्व नालों की सफाई का स्पेशल ड्राइव चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शनिवार को इस अभियान के तहत वर्षों से चॉक नालों की भी सफाई करवाई गई।

प्राय: यह देखा गया कि यह नाले गंदगी से अटे प? थे और मानसून के दौरान इनके ऑवर फ्लो होने के साथ कच्ची बस्तियों में पानी के भराव की स्थिति बनती। उन्होंने बताया कि इसको लेकर आमजन के साथ मीडिया के माध्यम से भी नालों गंदगी के संबंध में शिकायतें प्राप्त हो रही थीं।

उन्होंने स्वयं शहर का जायजा लेते वक्त भी पाया कि शहर के नालों की सफाई होना अत्यंत आवश्यक है। इसको लेकर हमने एक स्पेशल ड्राइव चलाए जाने का निर्णय लिया।

उन्होंने बताया कि इस निर्णय के तहत हमने प्रमुख नालों की सफाई के लिए 3 आईएएस अधिकारियों और 3 आरएएस अधिकारियों के साथ 18 प्रशासनिक अधिकारियों की एक विशेष टीम बनाई। शनिवार को सुबह 4 बजे पूरा प्रशासनिक अमला उनको आवंटित किए गए आवंटित स्थानों की सफाई के लिए निकला।

नवो बाड़मेर अभियान के तहत जिला कलैक्टर टीना डाबी ने सुबह 5 बजे स्टेशन रोड, सिणधरी रोड और लक्ष्मी सिनेमा पहुंचकर और नालों की सफाई का निरीक्षण किया।

इसके साथ ही नवो बाडमेर ग्रुप पर वो सुबह से ही प्रत्येक टीम से सफाई के फोटो मंगवाकर सम्बंधित अधिकारियों आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों एवं सफाई अभियान में जुटे कार्मिकों की हौसला अफजाई करते हुए इस अभियान को आगामी दिनों में लगातार जारी रखने के निर्देश दिए।

अभियान के दौरान अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत ने सिणधरी रोड पर स्वंय नाले की सफाई करते हुए आमजन को सफाई अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने नगर परिषद सफाई कार्मिकों के साथ खडे रहकर नाले की सफाई करवाई।

उल्लेखनीय है कि सिणधरी रोड नाले की सफाई को लेकर लम्बे समय से जिला प्रशासन को शिकायत प्राप्त हो रही थी। इस अभियान के तहत इस नाले की सफाई करवाई गई।

जिला प्रशासन एवं नगर परिषद बाड़मेर शहर में सफाई अभियान में जुटे हुए है। इस अभियान में आमजन की भागीदारी जरूरी है। जिला कलैक्टर टीना डाबी ने बताया कि जिला प्रशासन के प्रयास तभी सफल हो पाएंगे, आम आदमी जागरूकता के साथ नवो बाडमेर में अपनी भागीदारी निभाएगा। अब तक इस अभियान को लेकर आमजन में खासा उत्साह है। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

गौरतलब है कि बाड़मेा नगर परिषद् की 3 सफाई कार्मिकों की अलग-अलग टीमों ने जेसीबी और ट्रेक्टर के साथ तरीके से नालों की सफाई करना शुरू कर दिया। जो शनिवार को प्रात: 10 बजे तक जारी रहा।

नशामुक्ति पर निबंध एवं चित्रकला प्रति. आयोजित

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय पाली के तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन अभिरुचि एवं कला कौशल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 17 मई से 30 जून 2025 तक किया जा रहा है।

कला कौशल एवं अभिरुचि शिविर में आज कात्यायनी उच्च माध्यमिक विद्यालय नया गांव अभिरुचि ओर कला कौशल शिविर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉक्टर रूपेश सिंह यादव फिजिशियन जन हॉस्पिटल पाली एवं कल्याण सिंह सह संस्थापक कात्यायनी उच्च माध्यमिक विद्यालय के माध्यम से विद्यार्थियों को तम्बाकू के दुष्प्रभाव और इससे होने वाली बीमारियों के बारे में जागरूक किया, शिविर संचालक निर्मल कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को तम्बाकू का प्रयोग न करने की शपथ दिलाई तत्पश्चात चित्र ओर बैनर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

सी ओ स्काउट ने बताया कि जिले में 4 अभिरुचि शिविरों में 650 संभागी ठाीष्मकालीन अवकाश में अपने कौशल को निखार कर हुनरमंद हो रहे है। शिविर प्रभारी समन्वयक दीपक जावा, भीम सिंह शिक्षक शैतान सिंह, पर्वत सिंह, अनिल जांगिड़, दीपिका, जयपाल, जगदीश विश्नोई, अनु कुमावत, भरत पारगी, यश आदिवाल, भवानी आदिमौजूद रहे। शिविर संख्या 02 महामना मालवीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल शेखावत नगर पाली में बच्चों ने रैली निकाल कर तंबाकू का सेवन नहीं करने का संदेश दिया। लगभग 200 संभागियों ने जन जागरूकता रैली निकाल कर तंबाकू निषेध के नारे लगाये साथी बच्चों ने बढ़ चढ़कर पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिता में भाग लिया। शिविर प्रभारी रमेश पंवार महेंद्र सिंह राजपुरोहित दर्शित श्रीमाली, जानकी कुमारी सोलंकी, रोमा जोशी, नोरीना श्रीमाली, कविता मेहता, रवि मनदेव, संगीता आदि प्रशिक्षक उपस्थित रहे। शिविर संख्या 3 सुदर्शन बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल राजेंद्र नगर रायको की ढाणी पाली में भी बच्चों ने जागरूकता रैली निकाल कर तंबाकू से उत्पन्न होने वाले मानव जीवन के खतरों से अवगत कराया लगभग 150 सदस्यों ने गली गली एवं मोहल्ले में जाकर तंबाकू का सेवन न करने की अलख जगाई, इस अवसर पर शिविर प्रभारी प्रदीप कुमार शर्मा, श्रीमती दीपमाला, पूजा चौहान, भागीरथ पुरोहित, श्रीमान जयपाल सिंह मुकेश गगड़, चंदा कंवर, भावेश सिंह राजपुरोहित, कमलेश कंवर, खुशी बालवंशी आदि मौजूद रहे।

संविधान बचाओ अभियान व जातिगत जनगणना पर चर्चा की

जालोर में कांग्रेसजन संविधान बचाओ अभियान के तहत ज्ञापन देने कलैक्ट्रेट पहुंचे। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से 31 मई को जिला समन्वयक पदमाराम मेघवाल के मुख्य आतिथ्य एवं जिलाध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल की अध्यक्षता में संविधान बचाओ अभियान और जातिगत जनगणना को जल्द संपन्न करवाने की मांग को लेकर सभा (बैठक) का आयोजन राजीव गांधी भवन जालोर में किया गया।

सर्वप्रथम समस्तअतिथियों द्वारा भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर माल्यार्पण एवम पुष्प अर्पित कर राष्ट गीत वन्दे मातरम का गायन कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

जिला समन्वयक पदमाराम मेघवाल, पूर्व मंत्री सुखराम विश्नोई, भीनमाल विधायक डॉ समरजीत सिंह राठौड़, रानीवाड़ा विधायक रतन देवासी, जन अभियोग निराकरण समिति के पूर्व अध्यक्ष पुखराज पाराशर, जिला सहप्रभारी हरीश परिहार, जिलाध्यक्ष भवरलाल मेघवाल, जालोर कांग्रेस प्रत्याशी रमिला मेघवाल, प्रदेश सचिव शहजाद अली, पीसीसी सदस्य सवाराम पटेल, हिंदू सिंह दूठवा, रानीवाडा ब्लॉक अध्यक्ष वरदाराम माली, सायला ब्लॉक अध्यक्ष सवाई सिंह चंपावत, जिला उपाध्यक्ष ममता जैन, रणोदर मंडल अध्यक्ष सुजानाराम विश्नोई ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस जिला प्रवक्ता योगेंद्र सिंह कुम्पावत ने किया।

कार्यक्रम समाप्ति के पश्चात समस्त कांग्रेसजनों द्वारा एकत्रित होकर प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन कलैक्ट्रेट परिसर पहुंचकर प्रशिक्षु आरएएस अधिकारी को सौंपा गया।

इस अवसर पर प्रदेश महासचिव नैन सिंह राजपुरोहित, संगठन महासचिव वीरेंद्र जोशी, ब्लॉक अध्यक्ष भोमाराम मेघवाल, गलबराम मीणा, जुल्फिकार अली, मदनलाल दहिया, मांगीलाल प्रजापत, रमेश सोलंकी, बसंत सुथार, आम सिंह परिहार, बस्तीमल चौहान, नरपत सिंह देवडा, खुशाल सिंह राजपुरोहित, शिवनारायण विश्नोई, सुरेश मेघवाल, अंबालाल चितारा, सांवलाराम देवासी, गोपाल देवासी, देवाराम सांखला, पने सिंह पोषाणा, दीपाराम मेघवाल, मांगीलाल गर्ग, भरत मेघवाल, ओबीसी जिलाध्यक्ष चुन्नीलाल गहलोत, सुष्मिता गर्ग, शीला चौधरी, बंशीलाल माली, महेंद्र सोनगरा, गीताश्री ^, अफरोजा बानो, भरत सुथार, खेत सिंह राजपुरोहित, आंसू खान, कानाराम सिंघल, इकबाल खान, जगदीश सरगरा, वगताराम नोरवा, कमल सिंह बालावत, वगताराम चौधरी, प्रकाश मेघवाल, कृष्ण कुमार वनिका, मिश्रीमल गहलोत, भोलाराम मेघवाल, शेतान सिंह बालावत, उम्मेद सिंह चारण, सुरेश गर्ग सेवादल, ईश्वर सिंह बालावत, चन्दन सिंह सोलंकी, नूर मोहम्मद पठान, विनोद चौधरी सहित तमाम कांग्रेसजन उपस्थित थे।

बाड़मेर में नाला सफाई के विशेष अभियान के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

बाड़मेर, (नि.सं.)। आगामी मानसून को देखते हुए बाड़मेर शहर में विभिन्न मुख्य नालों की सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। आगामी दिनों में सफाई अभियान की प्रभावी क्रियान्विति के लिए जिला कलैक्टर टीना डाबी ने विभिन्न अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

जिला कलैक्टर टीना डाबी ने बताया कि 2 जून को सिणधरी चौराहे से 132 केवी जीएसएस तक नाले की सफाई करवाने के लिए बाड़मेर उपखंड अधिकारी वीरमाराम एवं सहायक अभियंता पुरखाराम, रामूबाई विद्यालय से रोडवेज बस स्टेंड नाले के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार एवं सहायक सांख्यिकी अधिकारी गणपत बेनिवाल एवं रेलवे अंडर ब्रिज से चांमुडा सर्किल नगर विकास न्यास के सचिव श्रवणसिंह राजावत एवं कनिष्ठ अभियंता नानूराम जाट को नियुक्त किया गया है। इसी तरह 4 जून को कृषि मंडी से सिणधरी चौराहे तक नाले के लिए अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत एवं सहायक राजस्व निरीक्षक अशोक शर्मा, जिला कलैक्टर आवास से न्यायिक कॉलोनी तक बाड़मेर तहसीलदार हुकमीचंद एवं वरिष्ठ सहायक चन्द्रजीत खत्री, कलैक्ट्रेट से मल्लीनाथ सर्किल तक प्रशिक्षु आईएएस श्रीमती छायासिंह एवं कनिष्ठ अभियंता सुरेश कुमार को नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि 6 जून को सिणधरी सर्किल से बीएनसी सर्किल तक कार्यवाहक एडीपीएस यक्ष चौधरी एवं अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी स्वरूप शर्मा, आदर्श स्टेडियम के पीछे 80 फीट रोड़ से होते हुए ओवरब्रिज तक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक सुरेन्द्रप्रतापसिंह एवं राजस्व अधिकारी जीतेन्द्रसिंह, चौहटन चौराहे से रेलवे स्टेशन तक संयुक्त निदेशक डा.आर.बी.सिह एवं नगर परिषद सचिव अभिषेक शर्मा को नालों की सफाई करवाने के लिए नियुक्त किया गया है। इसी तरह 9 जून को रेलवे स्टेशन से विवेकानंद चौराहे तक बाड़मेर ठाामीण तहसीलदार रामलाल एवं सहायक अभियंता पुरखाराम, एमबीसी गर्ल्स कॉलेज से सेवा सदन तक उप निदेशक जसवंत गौड़ एवं सहायक सांख्यिकी अधिकारी गणपत बेनिवाल, रायकॉलोनी से डाक बंगले तक मुख्य आयोजना अधिकारी नखताराम एवं कनिष्ठ अभियंता नानू राम जाट तथा 11 जून को सिणधरी चौराहे से 132 केवी जीएसएस तक सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के उप निदेशक कमलेश कुमार एवं सहायक राजस्व निरीक्षक अशोक शर्मा, रामूबाई विद्यालय से रोडवेज बस स्टेंड तक महिला अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक प्रहलादसिंह एवं चन्द्रजीत खत्री, अंडर ब्रिज से चांमुडा सर्किल जिला रसद अधिकारी कंवराराम एवं कनिष्ठ अभियंता सुरेश कुमार को नियुक्त किया गया है। इसी तरह 13 जून को कृषि मंडी से सिणधरी चौराहे तक नाले के लिए खान विभाग के खनि अभियंता वेदप्रकाश एवं प्रशासनिक अधिकारी स्वरूप शर्मा, जिला कलैक्टर आवास से न्यायिक कॉलोनी तक बाल संरक्षण इकाई सहायक निदेशक पुखराज सहारण एवं राजस्व अधिकारी जीतेन्द्र पारस, कलैक्ट्रेट से मल्लीनाथ सर्किल तक कोषाधिकारी जसराज चौहान एवं नगर परिषद सचिव अभिषेक शर्मा को नियुक्त किया गया है। इसी तरह 16 जून को सिणधरी सर्किल से बीएनसी सर्किल तक अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी टील सिंह एवं सहायक अभियंता पुरखाराम, आदर्श स्टेडियम के पीछे 80 फीट रोड़ से होते हुए ओवरब्रिज तक अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी आंबाराम बोसिया एवं सहायक सांख्यिकी अधिकारी गणपत बेनिवाल, चौहटन चौराहे से रेलवे स्टेशन तक अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी प्रीतमसिंह एवं नगर परिषद कनिष्ठ अभियंता नानूराम जाट को नालों की सफाई करवाने के लिए नियुक्त किया गया है। इसी तरह 18 जून को रेलवे स्टेशन से विवेकानंद चौराहे तक उपखंड अधिकारी वीरमाराम एवं सहायक राजस्व निरीक्षक अशोक शर्मा , एमबीसी गर्ल्स कॉलेज से सेवा सदन तक मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार एवं वरिष्ठ सहायक चन्द्रजीत खत्री, रायकॉलोनी से डाक बंगले तक नगर विकास न्यास के सचिव श्रवणिंसह राजावत एवं कनिष्ठ अभियंता सुरेश कुमार को नियुक्त किया गया है।

जिला कलैक्टर ने बताया कि 20 जून को सिणधरी चौराहे से 132 केवी जीएसएस तक अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत एवं अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी स्वरूप शर्मा, रामूबाई विद्यालय से रोडवेज बस स्टेंड नाले के लिए बाड़मेर तहसीलदार हुकमीचंद एवं राजस्व अधिकारी जीतेन्द्रसिंह पारस एवं रेलवे अंडर ब्रिज से चांमुडा सर्किल प्रशिक्षु आईएएस श्रीमती छाया सिंह एवं सचिव अभिषेक शर्मा तथा 23 जून को कृषि मंडी से सिणधरी चौराहे तक नाले के लिए कार्यवाहक एडीपीएस यक्ष चौधरी एवं नगर परिषद सहायक अभियंता पुरखाराम, जिला कलैक्टर आवास से न्यायिक कॉलोनी तक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक सुरेन्द्र प्रतापसिंह एवं सहायक सांख्यिकी अधिकारी गणपत बेनिवाल, रेलवे अंडर ब्रिज से चांमुडा सर्किल कोषाधिकारी जसराज चौहान एवं कनिष्ठ अभियंता नानूराम जाट तथा 2 जुलाई को कृषि मंडी से सिणधरी चौराहे तक नाले के लिए अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी टीलसिंह एवं सहायक राजस्व निरीक्षक अशोक शर्मा, जिला कलैक्टर आवास से न्यायिक कॉलोनी तक अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी आंबाराम बोसिया एवं वरिष्ठ सहायक चन्द्रजीत खत्री, कलैक्ट्रेट से मल्लीनाथ सर्किल तक संयुक्त अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी प्रीतमसिंह एवं कनिष्ठ अभियंता सुरेश कुमार को नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि 4 जुलाई को सिणधरी सर्किल से बीएनसी सर्किल तक अतिरिक्त बाड़मेर ठाामीण तहसीलदार रामलाल एवं अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी स्वरूप शर्मा, आदर्श स्टेडियम के पीछे 80 फीट रोड़ से होते हुए ओवरब्रिज तक उप निदेशक जसवंत गौड़ एवं राजस्व अधिकारी जीतेन्द्र पारस, चौहटन चौराहे से रेलवे स्टेशन तक मुख्य आयोजना अधिकारी नखताराम एवं नगर परिषद सचिव अभिषेक शर्मा को नालों की सफाई करवाने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जिला कलैक्टर ने बताया कि प्रतिदिन प्रात: 5 से 9 बजे तक सफाई अभियान चलाया जाएगा। सफाई अभियान के लिए नगर परिषद आयुक्त को संसाधन उपलब्ध करवाने एवं नालों से निकाले गए कचरे का उसी दिन सांय 5 से 8 बजे के मध्य निस्तारण करने के निर्देश दिए गए है।

नायरा डिपो पर एयर स्ट्राइक की मॉक ड्रिल हुई

पाली, (नि.सं.)। पाली-जोधपुर हाईवे पर स्थित नायरा डिपो पर एयर स्ट्राइक सूचना पर पुलिस-प्रशासन, मेडिकल महकमा सहित अन्य महकमे अलर्ट मोड पर आ गया। शनिवार शाम साढे चार बजे जैसे ही सूचना मिली सायरन बजाती एम्बुलेंस, दमकलें तेज गति से नायरा डिपो पहुंची। जहां घायलों को एम्बुलेंस में डालकर तुरंत इलाज के लिए बांगड़ हॉस्पिटल और रोहट हॉस्पिटल पहुचांया गया।

दमकलकर्मी वहां आग बुझाने की मॉक ड्रिल करते नजर आए। पाली के बांगड़ हॉस्पिटल के ट्रोमा, बर्न, आईसीयू में 10 घायलों को भर्ती किया गया। वही रोहट हॉस्पिटल में भी 10 घायलों को भर्ती किया गया।

जिला कलेक्टर एलएन मंत्री, एसपी चुनाराम जाट रोहट और बांगड़ हॉस्पिटल पहुंचे और मॉक ड्रिल की सारी व्यवस्था जांची और घायलों से भी मिले। जिला कलेक्टर ने बताया कि मॉक ड्रिल को लेकर 30 यूनिट ब्लड भी स्टोर किया गया। रोहट में अस्थाई हॉस्पिटल भी बनाया गया। सभी विभाग समय पर पहुंचे।

डॉग ने व्यक्ति को काटा

पाली, (नि.सं.)। गड्ढे में गिरे डॉग ने बचाने आए व्यक्ति पर ही हमला कर दिया। व्यक्ति गंभीर घायल हो गया। जाानकारी के अनुसार पाली जिले के खिंवाड़ा थाना इलाके के सिवास गांव निवासी नरपत सिंह (55) पुत्र चंदन शुक्रवार शाम 7.30 बजे घर से निकले ही थे कि उन्हें सड़क पर खुदे 5 फीट गहरे गड्ढे में फंसा कुत्ता नजर आया।

नरपत सिंह को कुत्ते पर तरस आया और वे उसे बचाने के लिए गड्ढे में उतर गए। डॉग ने उन्हीं पर हमला कर दिया और हाथ-पैर पर तीन जगह बुरी तरह नोंच लिया।

Office of The Block Development Officer
Panchayat Samiti Sayla (Jalore)

No.- 797 Date - 31.05.2025

-:: Notice of Inviting Bid::-

Bid for **Rate Contract of Cleaning Work and Work tenders of various work** as below are invited from interested bidders under various Gram Panchayats of Panchayat samiti sayla . Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://proc.rajasthan.gov.in , http://sppp.raj.nic.in.) of the state ; and notice board of this office.

Name of Gram Panchayat	UBIN	Estimate Bid cost
Dabli (Cleaning Work)	ZJR2526SSRC00464	04.13 Lakh
Teja ki Beri (Cleaning Work)	ZJR2526SSRC00468	02.03 Lakh
Sirana (Cleaning Work)	ZJR2526SSRC00467	03.24 Lakh
Revtda (Work Tender of sewerage line)	ZJR2526WSOB00469	10.00 Lakh
Keshwana (Work tender of CC Road Construction)	ZJR2526WSOB00473	10.00 Lakh
	ZJR2526WSOB00474	10.00 Lakh

Block Development Officer
Panchayat Samiti Sayla (Jalore)

बिजौलियां के ब्रजपुरा की सरकारी भूमि पर वन विभाग की टीम ने अवैध खनन पकड़ा

बजरी माफ़िया ने डम्पर से वन विभाग के रेंजर की सरकारी जीप को कुचलने का प्रयास किया

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ में बिजौलियां के ब्रजपुरा में अवैध खनन माफियाओं द्वारा वन विभाग के रेंजर की सरकारी जीप को डंपर से कुचलने के प्रयास का मामला सामने आया है। रेंजर का आरोप है कि बड़े पैमाने पर हो रहे सेंड स्टोन के अवैध खनन की सूचना प्रशासन को दी गई थी, लेकिन वह मौके पर कोई नहीं पहुंचा। हमले के प्रयास को लेकर फिलहाल मांडलगढ़ वन विभाग के रेंजर ने बिजौलियां पुलिस को शिकायत दी है। घटना की जांच की जा रही है।

मांडलगढ़ के क्षेत्रीय वन अधिकारी (रेंजर) मनेंद्रपाल सिंह चौधरी ने बताया कि मांडलगढ़ वन विभाग की टीम के साथ वे शुक्रवार शाम को तिलस्वां इलाके में गश्त पर निकले थे। तिलस्वां के पास महूपुरा और ब्रजपुरा इलाके में पहुंचे तो देखा कि करीब दस बीघा सरकारी (बिलानाम) भूमि पर धड़ल्ले से सेंड स्टोन का अवैध खनन चल रहा था। सेंड स्टोन के अवैध खनन में दो दर्जन से अधिक डंपर, लोडर, फोकलेन मशीनें, ट्रैक्टर कम्प्रेशर लगे हुए थे। मौके पर लग्जरी कारें और मोटरसाइकिलें खड़ी थी। वन विभाग की टीम को देखते ही अवैध खननकर्ताओं में अफरा-तफरी मच गई और वाहनों को भगा ले गए। कुछ वाहन छोड़कर चालक भी फरार हो गए। एक डंपर चालक ने सरकारी जीप को कुचलने का प्रयास किया गया। जीप ड्राइवर की सतर्कता से हम बच गए।

रेंजर चौधरी ने बताया कि मौके पर भारी मात्रा में सेंडस्टोन निकाला गया है, उससे साफ है कि यहां काफी समय से अवैध खनन हो रहा है और करोड़ों रुपए का सेंडस्टोन अब तक निकाला जा चुका है। ऐसा नहीं कि स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं हो। रेंजर ने बताया कि घटना के तुरंत बाद हमने बिजौलियां के तहसीलदार ललित डिडवानिया को सूचना दी, ताकि खनिज विभाग और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचे, लेकिन पांच घंटे बीत जाने के बाद भी कोई नहीं आया। इस बीच खदान पर अंधेरा हो चुका था और माहौल भी तनावपूर्ण हो गया था। खनन माफियाओं की हरकतों को देखते हुए वन विभाग टीम की सुरक्षा को देख जान बचाकर सुरक्षित निकलना पड़ा। अवैध खदान की वीडियोग्राफी करवाई है और मौका पर्चा तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेज दिया है। वहीं पूरी घटना के बारे में भी अवगत कराया गया है।

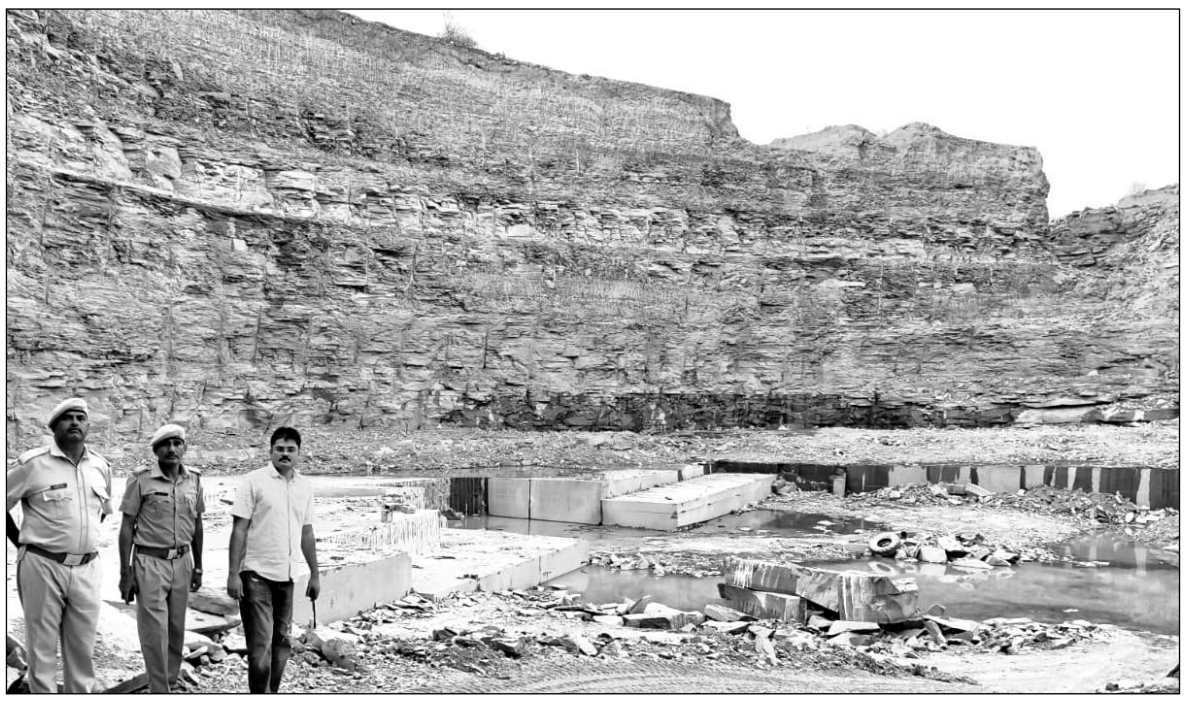

मांडलगढ़ में बिजौलियां क्षेत्र के ब्रजपुरा में वन विभाग की टीम ने बड़े पैमाने पर चल रही सेंडस्टोन की अवैध खदान पकड़ी।

- **अवैध खदान में प्रयुक्त सभी वाहन और मशीनरी भगा ले गए अवैध खननकर्ता, कुछ वाहन छोड़कर चालक भी फरार हो गए**
- **रेंजर का आरोप है कि बड़े पैमाने पर हो रहे सेंड स्टोन के अवैध खनन की सूचना प्रशासन को दी गई थी, लेकिन 5 घंटे बाद भी मौके पर कोई नहीं पहुंचा**
- **खनिज विभाग ने दूसरे दिन पहुँच कर अवैध खननकर्ता पर 5 लाख राशि का जुर्माना लगाया, लेकिन वाहन जब्त नहीं किए**

बिजौलियां तहसीलदार ललित डिडवानिया ने बताया कि खनिज विभाग के फोरमैन गिरिराज मीणा टीम के साथ अवैध खनन का मौका निरीक्षण किया। डिडवानिया ने बताया कि शुक्रवार को आधिकारिक बैठक में भाग लेने के लिए वह भीलवाड़ा गए हुए थे। लौटते समय अंधेरा हो गया, जिसके कारण मौके पर नहीं पहुंच सके। शनिवार सुबह उन्होंने खनन विभाग की टीम के साथ अवैध खदान का निरीक्षण किया, लेकिन वहां कोई वाहन आदि मौजूद नहीं था। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि एक बंद पड़ी अनुबंधित लीज के पास अवैध खनन किया गया है। इस संबंध में पंचनामा तैयार कर आवश्यक कार्रवाई की गई है।

बिजौलियां थानाधिकारी लोकपाल सिंह ने बताया कि घटना के संबंध में तत्काल कोई सूचना नहीं दी गई थी। घटना के अगले दिन, शनिवार को ई-मेल के माध्यम से अवैध खननकर्ताओं द्वारा डम्पर से सरकारी जीप को कुचलने के प्रयास इसकी सूचना प्राप्त हुई है।

बिजौलियां खनिज विभाग के फोरमैन गिरिराज मीणा ने बताया कि महूपुरा निवासी रामदेव भील के खिलाफ पांच लाख रुपए का पंचनामा तैयार किया गया है। मौके पर एक अनुबंधित लीज के पास खनन गड्ढे (पिट) पाए गए हैं। जिसका नाप लिया गया है और भविष्य में अवैध खनन नहीं करने के लिए पाबन्द किया गया है। मौक़े पर अवैध खनन में प्रयुक्त वाहन और मशीनरी नहीं मिली है। एक माह पूर्व भी इसी जगह अवैध खनन का पंचनामा बना कर अवैध खननकर्ताओं से पांच लाख राशि का जुर्माना वसूला गया है।

दूसरी ओर आसपास के ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध खनन पर कार्रवाई में मुख्य लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। काफी लंबे समय से बड़े पैमाने पर चल रहे अवैध खनन पर प्रशासन के जिम्मेदारों की मिलीभगत से भी इंकार नहीं किया जा सकता है।

हनुमानगढ़ में होटल मालिक को गोलियों से भूना

आरोपियों ने 12 राउंड फायरिंग की, 4 गोली पीड़ित के सिर और शरीर के दूसरे हिस्सों में लगी

हनुमानगढ़, (निसं)। यहां बदमाशों ने एक होटल के मालिक को गोलियों से भून दिया। आरोपियों ने 12 राउंड फायरिंग की। इसमें से 4 गोली पीड़ित के सिर और शरीर के दूसरे हिस्सों में लगी।

पुलिस के अनुसार भादरा के अजय होटल में शाम 7.30 बजे हुई। हत्या के बाद दोनों युवकों ने फरार होने से पहले होटल की तरफ फिर से फायरिंग की। नोहर सेक्टर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राज कंवर ने बताया कि शाम को सुरेश बिजारणियां पुत्र भानीराम निवासी डूंगरसिंहपुरा बायपास स्थित अपने होटल के बाहर बैठा था। होटल के बाहर बाइक रोककर दो युवक होटल परिसर में आए। इनमें से हेलमेट पहना युवक होटल की बिल्डिंग की ओर गया, जबकि दूसरा युवक होटल के बाहरी परिसर में किसी को ढूंढता दिखा। पुलिस सूत्रों की मानें तो वर्ष 2004 में धर्मपाल बागड़ी नामक व्यक्ति की हत्या हुई थी। जिसमें सुभाष बिजारणियां आरोपी था और कुछ समय जेल में रहा था। लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने सुभाष को बरी कर दिया था। माना जा रहा है कि धर्मपाल बागड़ी की हत्या का बदला लेने के लिए ही सुभाष की हत्या हुई है।

12वीं के छात्र से चली रिवॉल्वर, गोली लगने से मौत

धमाका हुआ तो कमरे की तरफ भागे परिजन, लहूलुहान पड़ा था

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के रायसिंहनगर इलाके में देर रात एक बच्चे की रिवाल्वर से चली गोली लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रायसिंहनगर के वार्ड नं. एक निवासी श्रवण धारणिया के घर पर रिवाल्वर से गोली चलने से बेटे सुजस की मौत हो गई।

मिली जानकारी के मुताबिक 12 कक्षा में पढ़ने वाला छात्र सुजस अपने घर के कमरे था। इसी दौरान बालक के परिजनों ने अचानक गोली की आवाज सुनी तो कमरे गए। सुजस के गोली लगी हुई थी। जिस पर परिजन सुजस को अस्पताल लेकर गए जहां पर डॉक्टर ने बालक को मृत घोषित कर दिया।

रायसिंहनगर थानाधिकारी कलावती चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि शाम के समय घटना की सूचना मिली जिस पर घटनास्थल का मौका मुआयना किया है और घटना की सूचना एफएसएल टीम को दी है। वहीं कमरे को सील कर दिया है। मृतक के शव को राजकीय चिकित्सालय की मॉर्च्युरी में रखवाया है।

एफएसएल और एमओबी टीम के घटनास्थल के मौका मुआयना करने के बाद ही घटना के कारण का पता चल पाएगा। जानकारी के मुताबिक सुजस ने अभी 12 वीं कक्षा पास की थी और 2 बहनों का इकलौता भाई था। और घटना के समय वह घर में बने कमरे में अकेला था। उसी कमरे में उसके पिता श्रवण धारणिया का लाइसेंसी रिवाल्वर पड़ा था। इसी दौरान लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली चलने से सुजस की मौत हो गई।

रंजिश में दो परिवार के बीच मारपीट

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में दो परिवारों के बीच आपसी रंजिश के चलते आपस में मारपीट हो गई, जिसमें दोनों पक्षों के करीब नौ लोग चोटिल हुए। इस मामले में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 मई को फतहपुरा हनुमान कॉलोनी निवासी रजिया बानो पत्नी नवाब मो. एवं शमा बानू पत्नी मो. हुसैन के परिवार के बीच आपसी रंजिश के चलते मारपीट हो गई, जिसके चलते एक पक्ष के रजिया, नवाब, सुल्तान, जीशान तथा दूसरे पक्ष के सलमान, मो. हुसैन, आजाद, शमा बानू, सलीम चोटिल हो गए। इस मामले में रजिया बाना पत्नी नवाब मो. ने आरोपी पायल उर्फ शमा बानो, हुसैन, सलमान, शबाना, आसमा, गुड्डी, सलीम बिहारी के खिलाफ तथा शमा बानू पत्नी मो. हुसैन ने आरोपी रजिया, जीशान, सुल्तान, गनी मो., मो. हुसैन, सायरा, मुन्नी, रेशमा, गोलू, अर्श, आलीमा के खिलाफ पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया, जिसकी जांच एएसआई किशनसिंह कर रहे हैं।

- **मारपीट में नौ जने घायल हो गये**

बारात की बस में अचानक लगी आग, बड़ा हादसा टला

निवाई, (निसं)। शनिवार की सुबह एक बारात की बस में अचानक आग लग गई, जिससे बस में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। समय रहते सभी बाराती बस से नीचे उतर गए, जिससे कोई हादसा नहीं हुआ। मौके पर पहुंची दमकल ने बस में लगी आग को बुझाया।

- **बाराती बस से सुरक्षित बाहर निकले, मौके पर पहुंची दमकल ने आग बुझाई**
- **बस टोडारायसिंह से गांव कैथुनिया वापस आ रही थी, 40-45 बाराती सवार थे**

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर जलती हुई बस।

थानाधिकारी बृजेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि शनिवार की सुबह करीब 4.15 बजे बारातियों की बस टोडारायसिंह से गांव कैथुनिया वापस आ रही थी। बस में करीब 40-45 बाराती सवार थे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 52 टोंक से जयपुर रोड पर पहाड़ी कट के समीप बस में तकनीकी खराबी के कारण आग लग गई। उन्होंने बताया बस ज्यादा पुरानी नहीं थी। बस में बैठी सवारियां सुरक्षित बाहर निकल गई, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई है। दमकल द्वारा बस में लगी आग को बुझा दिया गया।

मदुराई में श्री अंबे माताजी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल हुये सतीश पूनियां

जयपुर। भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने तमिलनाडु प्रवास पर मदुराई में प्रवासी राजस्थानियों द्वारा आयोजित श्री अंबे माताजी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होकर पूजा-अर्चना की। डॉ. सतीश पूनियां ने राजस्थानी परिवारों को बधाई देते हुये श्री अंबे माताजी से राजस्थान एवं राजस्थानियों की उन्नित की कामना की।

- **राजस्थानी जन्मभूमि से लेकर कर्मभूमि और सनातन धर्म की उन्नित के लिए अथक परिश्रम करते हैंः डॉ. पूनियां**

इस अवसर परडॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि राजस्थानी जन्मभूमि से लेकर कर्मभूमि की उन्नित के लिए अथक परिश्रम करते हैं और अपनी जड़ों से जुड़े रहकर आस्था एवं धर्म की मजबूती के लिए भी निरंतर कार्य करते हैं। आज मदुराई में श्री अंबे माता जी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का यह ऐतिहासिक कार्यक्रम राजस्थानियों का सनातन के प्रति अटूट समर्पण दिखाता है। डॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि, खूबसूरती हमारे सत्य सनातन धर्म में है, हमारी आस्था में है, हमारे लोकपर्व में है, राजस्थान की धरती के बारे में तो कहा जाता है कि राजस्थान वह धरती है जीवन जहां उत्सव है। उस उत्सव को आस्था के रूप में, अंबे माताजी की प्राण प्रतिष्ठा के रूप में मदुराई के राजस्थानी समाज ने मनाया है, इस ऐतिहासिक आस्था के कार्यक्रम के लिए मदुराई में रहने वाले सभी राजस्थानी भाई-बहनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं, राजस्थानी देश-दुनिया के किसी भी कोने में कार्य करे, वह अपनी मिट्टी का मान हमेशा बढाता है, यह मुझे पूरा विश्वास है।

भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां का मदुराई में प्रवासी राजस्थानियों ने स्वागत किया।

अनियंत्रित ट्रक ने बाइक को कुचला, दो बीटेक छात्रों की दर्दनाक मौत

उदयपुर, (कासं)। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में अनियंत्रित ट्रक ने बाइक को कूचल दिया। हादसे में कुचला जाने से दो बीटेक छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई।

- **डबोक स्थित निजी कॉलेज से बीटेक कर रहे थे, जो परीक्षा देकर बाईक पर वापस सेवाश्रम स्थित अपने पीजी हॉस्टल आ रहे थे**

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर में प्रताप नगर थाना क्षेत्र पावर हाउस चौराहा महिन्द्रा शोरूम के सामने अनियंत्रित ट्रक ने बाइक को कुचल दिया। हादसे में दो युवक भव्य (19) पुत्र पुनित पालिवाल निवासी लालबाग नाथद्वारा तथा तिलकराजसिंह (20) पुत्र हरनाथसिंह चौहान निवासी कला खेड़ी बडला नाथद्वारा की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की सूचना मिलने पर प्रतापनगर पुलिस थाने के हेडकांस्टेबल अमरसिंह राठौड़ ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। भव्य एवं तिलकराज डबोक स्थित निजी कॉलेज से बीटेक कर रहे थे। जो परीक्षा देकर बाईक पर वापस सेवाश्रम स्थित अपने पीजी हॉस्टल आ रहे थे, जहां बीच रास्ते पिछे से आ रहे ट्रक ने दोनों को कुचल दिया। हादसे में बाइक फंसने पर करीब आधा किलोमीटर तक ट्रक लेकर भागने के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस न ट्रक जब्त कर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। तिलकराज अपने पिता की इंलोती संतान थी।

एक ही परिवार के दो पक्षों में झगड़ा

भरतपुर, (निसं)। डीग जिले के कुम्हेर थाना इलाके में एक ही परिवार के दो पक्षों में झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान फायरिंग भी हुई है। दोनों पक्षों से दो-दो लोग घायल हुए हैं। वहीं एक व्यक्ति के सीने में छर्रे लगे हैं। जिसे आईसीयू में एडमिट किया गया है। एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस का जाब्ता तैनात किया गया है।

- **दोनों पक्षों से दो-दो लोग घायल, एक व्यक्ति के सीने में छर्रे लगे, एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस का जाब्ता तैनात किया**

कुम्हेर थाना अधिकारी जितेंद्र चौधरी ने बताया कि उबार गांव में एक ही परिवार दो पक्षों में झगडा हुआ है। झगड़े के दौरान फायरिंग भी हुई है। दोनों पक्षों के दो-दो व्यक्ति घायल हुए हैं। चारों घायलों को आरबीएम अस्पताल में भर्ती किया गया है। गांव में पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है, जिससे कि दोबारा दोनों पक्षों में झगड़ा न हो। झगड़ा किस बात को लेकर हुआ इस बारे में जांच की जा रही है। दोनों एक ही परिवार के पक्ष हैं इसलिए दोनों परिवारों में आपसी रंजिश है। जांच के बाद ही पूरा मामला साफ हो पाएगा। घटना में सुबह करीब आठ बजे की है। रमन सिंह और कुंवर सिंह एक परिवार के लोग हैं। दोनों में किसी पुरानी रंजिश को लेकर झगड़ा हुआ है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर फायरिंग भी की है। इस दौरान कुंवर जीत के सीने के पास छर्रे लगे हैं। वहीं उसके बेटे सचिन चौधरी के चोटें आई हैं। दूसरे पक्ष की तरफ से रमन और महावीर घायल हुए हैं। कुंवर जीत को एडमिट किया गया है। दोनों पक्षों में किसी ने भी पुलिस में शिकायत नहीं दी है।

विराटनगर बार एसो. के वकीलों के साथ रास्ते में लोगों ने मारपीट की

हवाई फायर भी किया, मारपीट में एक वकील चोटिल, विराटनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र के जयपुर-अलवर सड़क मार्ग पर बीलवाड़ी चौकी के सामने विराटनगर बार एसोसिएशन के वकीलों के साथ कुछ लोग मारपीट कर हवाई फायर कर फरार हो गए। इसके बाद घायल वकील अपने साथियों के साथ विराटनगर थाने पहुंचा। पुलिस को घटना की जानकारी दी। वकीलों के द्वारा करीब आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मारपीट करने एवं हवाई फायर करने की शिकायत दी गई है। रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। घटना में एक वकील के हाथ व मुंह पर चोट आई है। घटना के बाद बार एसोसिएशन में रोष व्याप्त हो गया। बार एसोसिएशन ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कार्य बहिष्कार कर दिया।

- **मारपीट व हवाई फायर करने वालों की गिरफ्तारी तक वकिलों ने कार्य बहिष्कार का ऐलान किया**

विराटनगर थाना पुलिस में एडवोकेट नागेन्द्र शर्मा पुत्र पीरूलाल निवासी तेवड़ी हाल निवासी विराटनगर ने शिकायत में बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 9:30 बजे विराटनगर कोर्ट परिसर से एडवोकेट सतीश सैनी के साथ बाइक से शाहपुरा कोर्ट में विचाराधीन मामले की सुनवाई के लिए जा रहे थे। जैसे ही बीलवाड़ी घाटी से आगे पहुंचे तो तीन बाइक सवार व कार में सवार करीब 7-8 लोग ओवरटेक कर उनकी बाइक के आगे गाड़ी लगाकर बाइक रुकवा ली। वहीं बाइक सवार एक चश्मा पहने महिला उतरी तथा उसने वकीलों पर अभद्रता व छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए शोर मचाने लगी। मौके पर मौजूद लोगों ने महिला व उसके साथ मौजूद उसके पति को झूठा आरोप लगाने को लेकर बहुत समझाया। इसी दौरान सोची समझी साजिश के दौरान करीब आधा दर्जन लोग और आ गए एवं वकीलों से गाली-गलौच करने लगे। उनका इरादा उन्हें पैरवी पर जाने से रोकने का था, लेकिन वकील कैसे-जैसे पीछा छुड़ाकर पास ही स्थित बीलवाडी पुलिस चौकी गए, लेकिन महिला व उसके साथ बाइक व गाड़ी से आए लोग उनका पीछा कर वहां भी पहुंच गए।

इसी दौरान मौके से गुजर रहे एडवोकेट जयराम गुर्जर व श्रीराम गुर्जर अपने साथी वकीलों को देख वह भी रुक गए। उन्होंने महिला व उन लोगों को समझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन उन्होंने एडवोकेट जयराम गुर्जर व श्रीराम गुर्जर को भी घेर लिया एवं मारपीट शुरू कर दी। घटना में एडवोकेट श्रीराम गुर्जर के मुंह-जबड़ा पर चोट आई व हाथ में फ्रेक्चर हो गया। तभी घटना स्थल पर अन्य लोगों की भीड़ आते देख महिला व उसके साथ आए लोग मोटरसाइकिल व कार लेकर बीलवाड़ी की तरफ भाग गए। वहीं जाते-जाते कोर्ट की फाइल ले गए तथा जाते समय हवाई फायर किया तथा मामले में राजीनामा नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी।

इधर इस घटना से बार एसोसिएशन विराटनगर के वकीलों में रोष व्याप्त हो गया एवं बार एसोसिएशन ने आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक कार्य बहिष्कार करने का ऐलान कर दिया।

राजमाता अहिल्या बाई होल्कर के विचारों का समकालीन भारत में पुनर्निर्माण भाजपा शासन में : जे.पी.नड्डा

राजमाता होल्कर की तर्ज पर महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य कर रही है भाजपा सरकार : भजनलाल शर्मा

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की ओर से शनिवार को अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती समारोह भव्य रूप से मनाया गया। समारोह से पूर्व जवाहर सर्किल से लेकर एंटरटेनमेंट पैराडाइज तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि राजमाता अहिल्या बाई होल्कर के विचारों को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर जीवित रखने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ''राजमाता अहिल्या बाई होल्कर ने 18वीं शताब्दी में महिला सशक्तिकरण के लिए अपार कार्य किए। उनका जीवन प्रेरणा का स्त्रोत है। वह एक महान समाज सुधारक, धार्मिक नेता, न्याय मूर्ति, सुशासक और सांस्कृतिक संरक्षक थीं। उनके योगदान को हमें हमेशा याद रखना है और उनके आदर्शों पर चलना होगा।''

नड्डा ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत बना रहे हैं। हम नारी सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और धार्मिक समृद्धि के रास्ते पर चल रहे हैं, जैसा कि राजमाता अहिल्या बाई होल्कर ने किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व में किए गए महिला सशक्तिकरण कार्यों का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राजमाता अहिल्या बाई होल्कर के विचारों को आज भी जीवित रखा है। अहिल्याबाई होल्कर के जीवन में भी बाह्य सुरक्षा खतरे में थी, आतंरिक कलह था, आर्थिक मंदी थी लेकिन जिस तरह राजमाता ने आपदा को अवसर में बदला, ठीक उसी तर्ज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज आपदा को अवसर में बदल रहे है और नए भारत की नई तस्वीर वैश्विक पटल पर रख रहे है।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे सिंधिया ने अहिल्या बाई होल्कर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि होल्कर ने सिद्ध किया कि महिलाएं हर कार्य को सफलता से पूरा कर सकती हैं। चाहे फिर वो राशन का कार्य हो या फिर शासन का कार्य, महिलाओं ने अपनी क्षमता से हर क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अहिल्या बाई होल्कर ने अपनी परंपरा, नीति और विचार के माध्यम से देश को आगे बढ़ाया। उनके द्वारा स्थापित धार्मिक और सांस्कृतिक सुधारों का प्रभाव आज भी हमारी समाज की नींव में समाहित है।

मुख्यमंत्री ने अहिल्या बाई होल्कर को महिला सशक्तिकरण और न्याय की प्रतीक बताते हुए कहा कि लोकमाता एक दिव्य और विलक्षण महिला थीं, जिन्होंने सांस्कृतिक सशक्तिकरण से लेकर हर क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ी। वे सैन्य और प्रशासन में प्रशिक्षित थीं। होल्कर ने सनातन संस्कृति की सच्ची संरक्षिका के रूप में अपने जीवन को समर्पित किया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी सनातन संस्कृति का उत्थान हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने महिला सशक्तिकरण को एक अहम एजेंडा बनाया है, और उन्होंने चार जातियों में देश को विभाजित करते हुए महिला, युवा, किसान, और मजदूर के कल्याण एवं उत्थान की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किए।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की डबल इंजन सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में बेहतर कार्य कर रही है। भाजपा के संकल्प पत्र के सभी वादों को पूरा करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीयता की भावना पूरे देश में देखी जा रही है, और राजस्थान में तिरंगा यात्रा का आयोजन भी एक बड़ा उदाहरण है। इन यात्राओं से राज्य में एक नया जोश और उत्साह पैदा हो रहा है। सीएम शर्मा ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और बहुत जल्द तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के रूप में देखने का सपना हमारी पीढ़ी ने देखा है, और हम इस दिशा में पूरे देश को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सीएम शर्मा ने कहा कि हमें महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिन्होंने जनता के लिए जीवन जीया। उनके जीवन को आत्मसात करना चाहिए और उनके आचरण को अपनी ज़िन्दगी में उतारना चाहिए। यही भारत की नई पहचान होगी।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने जेपी नड्डा की नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के मार्गदर्शन में भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी बनी है। इन्होंने ना केवल संगठन में बल्कि केंद्र सरकार में रहते हुए आमजन के लिए बेहतर योजनाओं को क्रियान्वयन किया है। इसी तर्ज पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी आम आदमी के जीवन को मजबूती प्रदान करने की दिशा में कार्य करते हुए राजस्थान के विकास के लिए नए आयाम स्थापित कर रहे है।

पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती पर एंटरटेनमेंट पैराडाइज में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष डॉ अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, सीपी जोशी, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड, सांसद मंजू शर्मा, राव राजेंद्र सिंह, दामोदर अग्रवाल, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर सहित कई अन्य भाजपा नेताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम संयोजक एवं भाजपा प्रदेश मंत्री वासुदेव चावला ने मंच संचालन किया। भाजपा पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को 51 किलो की फूल माला से स्वागत-अभिनंदन भी किया। इस दौरान बड़ी संख्या में मातृ शक्ति, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी की ओर से शनिवार को अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती समारोह भव्य रूप से मनाया गया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का भाषण शुरू होते ही सभागार से जनता जाने लागी। नड्डा का भाषण खत्म होते-होते सभागार पूरा खाली हो गया।

- 'जो जनता के लिए जीता है उसे दुनिया याद करती है, जो खुद के लिए करता है वह सब नजर में आता है'
- लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर की न्यायप्रियता और उनका अद्वितीय नेतृत्व सराहनीय : मदन राठौड़
- राजमाता अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती समारोह में बड़ी संख्या में उपस्थित हुई मातृशक्ति

भारतीय जनता पार्टी की ओर से जवाहर सर्किल से लेकर एंटरटेनमेंट पैराडाइज तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भाग लिया।

प्रदेश में एक दिन में करोना के नौ नए केस, 19 भर्ती

जयपुर। प्रदेश में कोरोना संक्रमितों के केस दिन-प्रतिदिन बढते जा रहे है। शुक्रवार को विभिन्न जिलों से कोविड के 9 नए मामले सामने आए हैं, जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। खास बात यह है कि ये मामले प्रदेश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों से रिपोर्ट हुए हैं। चिकित्सा विभाग से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार सभी जिलों में जयपुर एक बार फिर हॉटस्पॉट के रूप में उभर रहा है। इनमें एसएमएस 4, एम जेनिक्स जयपुर 1, रिलेबल जयपुर 1, जीएमसी उदयपुर 1, आरएनटी उदयपुर 2 संक्रमित पाए गए। प्रदेश में कोविड-19 के केसों की बात की जाए तो सबसे अधिक मामले जयपुर में है, शनिवार को 9 नए मरीज मिले हैं। इनमें चित्तौड़गढ़ 48 वर्षीय महिला, दौसा 52 वर्षीय पुरुष, जयपुर 29, 50, 70 वर्षीय पुरुष और 37 वर्षीय महिला, सीकर 64 वर्षीय महिला, राजसमंद 70 वर्षीय महिला, उदयपुर 33 वर्षीय पुरुष है। फिलहाल 19 मरीज अस्पतालों में भर्ती जयपुर के साकेत में 2, जेके लोन, एसएमएस, राजस्थान और गुप्ता हॉस्पिटल में 1-1, उदयपुर आरएनटी में 2, जोधपुर एम्स में 11 मरीज भर्ती है।

प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया

जयपुर। गोविंदनगर पश्चिम आमेर रोड स्थित शिवम् पब्लिक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में 91 प्रतिशत से 98 प्रतिशत तक सैकेण्डरी और सीरियर सैकेण्डरी परीक्षा में अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान बच्चों को उनके घर जाकर सम्मानित किया। विद्यालय के सचिव जी.एस. गर्ग ने अध्यापकों और अभिभावकों को बधाई दी। इस दौरान जुलूस भ्झी निकाला गया। विद्यालय की छात्रा यशस्वी सोनी को 12वीं कला में 97.17 फीसदी, उर्वशी सावलानी को 12वीं कला में 96.83 फीसदी, परमजीत कौर को 12वीं कला में 94.50 फीसदी, ताराचंद सैनी को 12वीं कला में 96 फीसदी, वंदना शर्मा को 12वीं कला में 94.20 फीसदी, शोभादेवी को 12वीं कला में 93.33 फीसदी, हिमेश सैनी को 12वीं विज्ञान में 93 फीसदी, अंशिका पंवार को 12वीं कला में 91.67 फीसदी, नैतिक अग्रवाल को 12वीं विज्ञान में 91.60 फीसदी व यशस्वी सिंह को 12वीं कला में 90.67 फीसदी अंक प्राप्त किये।

प्रदेश में 3355 ग्राम पंचायतें टी.बी. मुक्त : भजनलाल शर्मा

जयपुर। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। राजस्थान में चिकित्सा सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण करना केन्द्र सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय की प्राथमिकताओं में है। प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं, जिनसे 'निरामय राजस्थान' की संकल्पना साकार होने लगी है। शर्मा द्वारा मानव सेवा में समयबद्ध निर्णयों के सफल परिणाम नजर आने लगे हैं।

नड्डा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति को लेकर सराहना की। नड्डा ने कहा कि चिकित्सकीय कार्य मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। इनमें विभागीय अधिकारी, चिकित्सक और समस्त कार्मिक पूर्ण मनोयोग से अपनी महती जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने आश्वस्त किया कि मंत्रालय स्तर पर प्रदेश से सम्बंधित सभी विषयों का शीघ्र ही सकारात्मक समाधान किया जाएगा। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को योजनाओं की नियमित समीक्षा करने, बीमारियों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने, कैंसर उपचार आदि पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) सेल गठित की है। यहां राज्य सरकार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के विस्तार के लिए प्रस्ताव भेजें, जिन्हें मंत्रालय स्तर पर अध्ययन कर लागू कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्रालय की ओर से नेत्र रोग सम्बंधित योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनको राज्य सरकार जनहित में आगे बढ़ाए। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत समयबद्ध रूप से बजट का सदुपयोग करें, ताकि रोगियों को बेहतर इलाज मिल सके। प्रदेश में गैर संचारी रोग के प्रति भी जनजागरूकता फैलाई जाए। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, पीएम आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन, 15वें वित्त आयोग से आवंटित राशि की प्रगति, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, स्वास्थ्य बीमा योजना, केन्द्रीय प्रवर्तित योजनाओं की प्रगति सहित विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसएमएस अस्पताल में लगातार दूसरे दिन भी सर्वर रहा ठप, मरीज परेशान

रजिस्ट्रेशन, जांचें सहित अन्य प्रक्रियाएं रही प्रभावित

जयपुर। प्रदेश के सबसे बडे सवाई मानसिंह अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों में लगातार सर्वर ठप होने की समस्या आ रही है। इसके चलते आए दिन मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सर्वर नहीं चलने से दूरदराज से इलाज के लिए आए मरीज बिना इलाज ही लौटने को मजबूर हो जाते हैं।

ऐसा ही एक नजारा शनिवार को भी लगातार दूसरे दिन भी एसएमएस अस्पताल में देखने को मिला। अस्पताल में करीब तीन घंटे तक सर्वर में तकनीकी खराबी रही। सर्वर नहीं चलने के कारण जांच के बिल नहीं कट सके, जिसके कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस बीच रजिस्ट्रेशन के इंतजार में ओपीडी भवन में बैठे एक मरीज की हालत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर गया, जिसे वहां मौजूद लोगों ने संभाला। अन्य मरीज भी सर्वर ठीक होने के इंतजार में घंटों खड़े रहे। मामले में अस्पताल के जिम्मेदारों का कहना है कि सर्वर की समस्या डीओआईटी की तरफ से आ रही है। इसमें अस्पताल की तरफ में कोई समस्या नहीं है।

जानकारी के अनुसार एसएमएस में शुक्रवार को भी सर्वर करीब एक घंटे तक डाउन रहा था और शनिवार को भी सर्वर डाउन रहने की स्थिति में व्यवस्था और बिगड़ गई। अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीज हाथ में पर्ची लिए इधर उधर भटकते रहे लेकिन सर्वर नहीं चलने के कारण जांच के लिए बिल नहीं कटवा सके, जिसमें उनकी जांचे भी नहीं हो सकी। इधर इस तरह की समस्या में परेशान मरीजों के लिए हॉस्पिटल में वैकल्पिक व्यवस्थाओं का भी अभाव दिखाई दिया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अस्पताल में सुबह सवा 11 बजे से लेकर दोपहर करीब दो बजे तक सर्वर में तकनीकी समस्या रही। इस दौरान बीमारी का इलाज करवाने आए एक मरीज की हालत बिगड गई। करीब दस मिनट मरीज को उसके परिजन और वहां ड्युटि पर तैना त सुरक्षा गार्ड ने संभाला, लेकिन कोई मेडिकल स्टॉफ वहां नहीं आया। काफी देर तक जब किसी भी स्टाफ ने मदद नहीं को तो मजबूरन मरीज के पिता उसे खेद में उठाकर डॉक्टर के कमरे तक ले गाए। जिसे बाद में डॉक्टर ने देखा। अस्पताल में तमाम संसाधन होने के बावजूद ओपीडी में बेहोश हुए मरीज को संभालने कोई नहीं पहुंचा, जिनके कारण अस्पताल में प्रदेश के कोने-कोने से आए लोगों ने अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर राज्यपाल ने तंबाकू त्यागने का किया आव्हान

जयपुर। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हॉस्पिटल एवं कैंसर केयर की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने तंबाकू से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य प्रभावों पर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों से तंबाकू त्यागने का आव्हान किया। राज्यपाल ने कहा कि तंबाकू सिर्फ एक लत नहीं, बल्कि समाज के स्वास्थ्य और भविष्य पर सीधा प्रहार है। इससे मुक्ति केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार और समाज को लाभ देती है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और चिकित्सालय के प्रबंध न्यासी विमल चंद सुराणा के स्वागत भाषण के साथ हुई। इसके पश्चात हॉस्पिटल द्वारा निर्मित जनजागरूकता फिल्म 'सांसों से मोहब्बत' का लोकार्पण किया गया, जो तंबाकू के दुष्परिणामों और उससे उबरने की प्रेरणा पर आधारित है।

राज्यपाल ने कहा कि तंबाकू एवं उसके उत्पाद चित्र एवं भाषा के माध्यम से लोगों को चेतावनी दी जाती है, इसके बावजूद लोग इसका सेवन करने कैंसर जैसी बीमारी को खुद की न्यौता देते हैं। उन्होंने लोगों को इस आदत से मुक्त होने का प्रण लेने के लिए प्रेरित किया। समारोह में चिकित्सालय की वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कैंसर केयर अध्यक्षा अनिला कोठारी ने बताया कि चिकित्सालय समय-समय पर कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते है। जिसके जरिए आमजन को तंबाकू के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक किया जाता है। वहीं चिकित्सालय एवं कैंसर केयर की ओर से चलाए जा रहे निशुल्क कैंसर जांच एवं जागरूकता अभियान के तहत तंबाकू की गिरफ्त में आ चुके लोगों की कैंसर स्क्रीनिंग की जाती है।

इस मौके पर चिकित्सालय के अधिशासी निदेशक मेजर जनरल एससी पारीक (सेवानिवृत) ने चिकित्सालय की ओर से चलाई जा रही तंबाकू निवारण परियोजना के बारे में जानकारी दी।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जनजागरूकता कार्यक्रम का शनिवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने उद्घाटन किया।

'राजस्व अदालतों में प्रशासनिक न्यायिक अकादमी स्थापित हो'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि राजस्व अदालतों और अपीलीय कोर्ट में प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं। इन अधिकारियों के पास न तो कानून की डिग्री होती है और ना ही इन्होंने प्रक्रियात्मक कानूनों व नियमों का अध्ययन किया होता है। जिसके चलते कई बार देखा गया है कि इन अदालतों में व्यावहारिक कानूनी प्रक्रिया का खुलेआम उल्लंघन किया जाता है। ऐसे में राज्य सरकार को नव नियुक्त और सेवारत प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रशासनिक न्यायिक अकादमी का स्थापना की जानी चाहिए। जहां इन अधिकारियों को कानून का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाए।

साइबर ठगों ने युवती व छात्र नेता को बनाया शिकार

जयपुर। शहर के गांधी नगर थाना इलाके में साइबर ठगों ने एक युवती और छात्र नेता को शिकार बनाया है। साइबर ठगों ने दोनों से करीब पौने तीन लाख रुपए ठग लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

- साइबर ठगों ने दोनों से करीब पौने तीन लाख रुपये ठगे

शाहपुरा हाल जेसी बॉस हॉस्टल निवासी धर्मेंद्र बड़बड़वाल ने गांधी नगर थाने में मामला दर्ज करवाया कि उसके पास टेलीग्राम पर दो लोगों ने कॉल किया और एक एप में निवेश करने पर मोटा मुनाफे का झांसा दिया। इसके बाद आरोपियों ने उससे सात बार में 209998 रुपए डलवा लिए। इसके बाद आरोपियों ने न तो उसे मूल रकम लौटाई और ना ही मुनाफा दिया। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित ने सबसे पहले 19999 और उसके बाद 59900, 25000, 25000, 25000, 25000 एवं 29999 रुपए डलवा लिए। वहीं दूसरी घटना में गांधी पथ वेस्ट लालरपुरा रोड निवासी मानसीपाल ने करणीविहार थाने में मामला दर्ज करवाया कि उसके पास किसी ने बैंक कर्मचारी बनकर कॉल किया और कहा कि आपके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ानी है। आपके पास ओटीपी आएगा वो बता देना। इसे बाद आरोपियों ने उसके दो अलग-अलग खातों से 25999, 23000 और 19950 रुपए निकाल लिए। ठगी का पता पीड़ित को मोबाइल पर बैंक से मैसेज आने पर लगा। इस पर पीडिता ने बैंक से सम्पर्क कर खाते का लेन देन बंद करवाया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दुकान के बाहर खड़ी स्कूटी को चोरी कर चाबी बनवाने पहुंचा चोर

जयपुर। माणक चौक थाना इलाके में दुकान के बाहर खड़ी स्कूटी को दो युवक चोरी कर फरार हो गए। पीड़ित को घटना की जानकारी मिली तो पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं लगा। पीड़ित ने अपने स्तर पर इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पुलिस को स्कूटी चोरी के बारे में बताया तो पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। लेकिन अभी तक पुलिस ने पीड़ित से सम्पर्क तक नहीं किया।

स्कूटी मालिक सोनू शर्मा ने बताया कि वह 15 तारीख को अपनी स्कूटी चौड़ा रास्ता में दुकान नंबर 357 के बाहर खड़ा करके चला गया था। सुबह जब स्कूटी लेने के लिए आया तो मौके पर स्कूटी नहीं मिली। स्थानीय लोगों से पूछा तो पता चला कि कुछ देर पहले ही दो युवक आए थे और स्कूटी को पैदल-पैदल लेकर गए हैं। जिसके बाद पीड़ित ने आसपास कई किलोमीटर तक स्कूटी सर्च की लेकिन कुछ नहीं मिला। इसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम को स्कूटी चोरी की सूचना दी। पीड़ित ने अपने स्तर पर दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाली जिस में स्कूटी चोरी करते दो बदमाश दिखाई दे रहे हैं।

हाईकोर्ट ने गुजारा भत्ते का आदेश निरस्त किया

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक मामले में पत्नी के खुद को बेरोजगार बताकर पति से हर माह पन्द्रह हजार रुपए गुजारा भत्ता लेने से जुडे मामले में महिला उत्पीड़न कोर्ट के 2 अगस्त, 2023 के आदेश को निरस्त कर दिया है। वहीं अदालत ने निचली अदालत के उस आदेश को बहाल किया है।

सार-समाचार

जे.एन.वी.यू. में पेंशनर्स का धरना जारी

जोधपुर, (कासं)। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के पेंशनधारकों का धरना शनिवार को भी जारी रहा। वह बकाया पेंशन की मांग को लेकर यहां करीब दो सप्ताह से धरने पर बैठे है। जेएनवीयू के सेवानिवृत्त पेंशनर्स को लंबे समय से पेंशन का भुगतान नहीं हो रहा है, जिसके विरोध में शनिवार को 14वां दिन भी धरना जारी रहा। पेंशनर्स ने कुलपति कार्यालय के समक्ष अपना आक्रोश प्रकट किया। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय पेंशनर्स सोसाइटी के अध्यक्ष प्रोफेसर रामनिवास शर्मा व सचिव डॉ. लोकेंद्र सिंह शक्तावत और पेंशनर्स संघर्ष समिति संयोजक अशोक व्यास ने बताया कि जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में लंबे समय से पेंशन का भुगतान नहीं होने से आक्रोशित वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स जेएनवीयू परिसर में धरना दे रहे हैं। प्रो. रामनिवास शर्मा ने राज्यपाल से जोधपुर में ही कार्यरत कुलपति की नियुक्ति की मांग की। पेंशनर्स संघर्ष समिति के संयोजक अशोक व्यास ने कहा कि समय पर पेंशन न मिलने से पेंशनर्स मानसिक और आर्थिक संकट झेल रहे हैं। पेंशनर्स को लम्बे समय से पेंशन न मिलने के कारण अब उनका धैर्य जवाब देने लगा है। उन्होंने कुलाधिपति एवं राज्यपाल, मुख्यमंत्री और विश्वविद्यालय प्रशासन से बकाया पेंशन का जल्द भुगतान कराने की गुहार लगाई। पेंशनर्स सोसायटी ने मांग की है कि अजा-जजा महिला छात्राओं की फीस माफी का पुनर्भरण और विवि की अधिठाहित भूमि की राशि का भुगतान राज्य सरकार करे। साथ ही कॉलेज शिक्षा निदेशालय की तरह पेंशन भुगतान की व्यवस्था की जाए।

इंवेस्टमेंट के नाम पर युवक को ठगा

जोधपुर, (कासं)। शहर का एक युवक ऑन लाइन ठगी का शिकार हो गया। इंवेस्टमेंट के नाम पर शातिरों ने उसे 50 फीसदी लाभांश में उलझाया और 17 लाख की ठगी कर डाली। लांभाश राशि लौटाने के नाम पर 46 लाख और मांगे। इतनी बड़ी रकम मांगे जाने पर उसे ठगी का अहसास हुआ और उसने अब बनाड़ थाने में इसकी रिपोर्ट दी है। घटना 14- 17 मई के बीच हुई है। बनाड़ पुलिस अब मामले की जांच में जुटी है। एएसआई बींजाराम ने बताया कि सारण नगर शिवविहार निवासी संदीप प्रजापत की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसने मोबाइल पर ऑन लाइन इंवेस्टमेंट के नाम पर आई स्कीम और बड़े लाभांश के बारे में जाना था। तब उसे शेयर मार्के ट और अन्य मद में निवेश करने को कहा गया। शुरूआत में उसे कुछ लाभ हुआ और उसे बाद में प्रोफिट के नाम पर 50 फीसदी लाभ का प्रलोभन दिया गया। 14 से 17 मई के बीच में उसने ऑनलाइन शातिरों के खाते में 17 लाख रूपए डाल दिए। जब उसका लाभांश प्रतिशत बढ़ गया तो उसने रकम मांगी। तब शातिरों ने उससे 46 लाख रूपए और मांगे। बाद में उसे ठगी और धोखाधड़ी का अहसास हुआ। एएसआई बींजाराम ने बताया कि ऑनलाइन ठगी का प्रकरण दर्ज किया गया है। जांच की जा रही है।

नई किरण-नशा मुक्ति केंद्र शुरू

जालोर, (कासं)। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार वीर वीरमदेव राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जालोर में राष्ट्रीय सेवा योजना व राष्ट्रीय कैडेट कोर के सहयोग से नई किरण नशा मुक्ति केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के 30 स्वयं सेवकों तथा एनसीसी के 20 कैडेट्स को परिवार, महाविद्यालय एवं समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता अभियान चलाने हेतु प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ मनीष सिंह ने युवाओं को नशीले पदार्थों से दूर रहने एवं नशीले पदार्थों के आर्थिक, शारीरिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों से अवगत कराया। उन्होंने महाविद्यालय परिसर, परिवार एवं समाज को नशा मुक्त करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इस अवसर सहायक आचार्य किशोर कुमार ने विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। महाविद्यालय में स्थापित नशा मुक्ति केंद्र के तहत आने वाले दिनों में नशे के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान माला, भाषण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, निबंध प्रतियोगिता इत्यादि का आयोजन करवाने के साथ-साथ नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर मनीष अखावत, विमल कुमार खत्री, डॉ. प्रताप सिंह, प्रकाश कुमार, सुरेश कुमार, राकेश कुमार, विक्रम, किशन, प्रवीण सहित कई जने उपस्थित रहे।

दो इनामी आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर ठाामीण की जिला विशेष टीम और ठाामीण पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो वांछित अपराधियों को पकड़ा है। एक पर 25 हजार तो दूसरे पर 5 हजार का इनाम घोषित हो रखा था। अभियुक्तों की काफी समय से तलाश चल रही थी। पुलिस की तरफ से ऑपरेशन धरकरभर चलाया जा रहा है। पुलिस उप महानिरीक्षक एवं जिला पुलिस अधीक्षक ठाामीण राममूर्ति जोशी ने बताया कि वान्छित अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन धरकरभर' के तहत जिला जोधपुर ठाामीण की जिला विशेष टीम द्वारा एनडीपीएस एक्ट पुलिस थाना कापरडा और बोरून्दा में 25 हजार रूपए के वांछित इनामी अपराधी सालवाकलां डांगियावास निवासी श्यामलाल बेनीवाल पुत्र डूंगरराम को दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी को बाद में कापरड़ा पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। इसी तरह टीम ने पांच हजार के इनामी आरोपी आडेडा, पुलिस थाना मसूदा जिला अजमेर के राजूराम उर्फ राजू पुत्र सुखदेव को पकड़ा गया। वह तीन साल से फरार चल रहा था और उस पर पांच हजार का इनाम घोषित किया गया था। वह बिलाड़ा एनडीपीएस एक्ट मामलात कोर्ट के एक प्रकरण में वांछित था। आरोपी को अब बिलाड़ा पुलिस के सुपुर्द किया गया है।

मंदिर के पुजारी ने लगाया फंदा

जोधपुर, (कासं)। शहर के खांडाफलसा पुलिस थाना क्षेत्र में आई पुलिस चौकी के सामने एक मंदिर के पुजारी का शव आज सुबह मंदिर के प्रांगण में लटका मिला। दोपहर तक पुलिस उसके नाम पते का खुलासा नहीं कर पाई। अस्पताल से एमएलसी रिपोर्ट नहीं मिलने तक पुलिस ने नाम पता जानकारी होने से इंकार कर दिया। थानाधिकारी बलवंतराम ने बताया कि खांडाफलसा थाना क्षेत्र में भीतर आई पुलिस चौकी के सामने मंदिर में आज सुबह पुजारी के फंदे पर लटके होने की जानकारी किसी भक्तजन द्वारा दी गई थी। सुबह जब भक्तजन मंदिर पहुंचे तब पुजारी को प्रांगण में फंदे पर लटके देखा था। उसके बाद उसे फंदे से उतारवा कर एमजीएच भिजवाया गया। वहां जांच के बाद उसे मृत बता दिया गया। थानाधिकारी बलवंतराम के अनुसार अस्पताल से उन्हें एमएलसी रिपोर्ट नहीं मिल पाई है। ऐसे में उसका नाम पता स्पष्ट नहीं हो पाया है।

अवैध डोडा पोस्त सहित आरोपी पकड़ा

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के चितलवाना पुलिस ने शनिवार को अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त 4.020 किलोग्राम को बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। जालोर पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत नाकाबंदी, संदिग्ध स्थानों एवं वाहनों की संघन तलाशी ली जाकर जिला पुलिस द्वारा लगातार कारवाई की जा रही है। हल्का क्षेत्र सरहद हनुमानपुरा (डावल) में आरोपी लाडुराम पुत्र धन्नाराम जाति विश्नोई (खिलेरी) उम्र 48 वर्ष निवासी हनुमानपुरा (डावल) पुलिस थाना चितलवाना के घर दबिश देकर अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त 4.020 किलोग्राम जब्त कर अभियुक्त लाडुराम को गिरफ्तार किया व अनुसंधान जारी है।

स्मैक के साथ युवक गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। लोहावट पुलिस ने नाकाबंदी व गश्त के समय ऑपरेशन भौकाल में कार्रवाई करते हुए 38.50 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया। साथ ही तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को जब्त किया। फलोदी की पुलिस अधीक्षक पूजा अवाना ने बताया कि ऑपरेशन भौकाल के तहत लोहावट थानाधिकारी धर्मपाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गश्त एवं नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई कर सरहद मोरिया में आरोपी रउफ खां पुत्र सतार खां से मादक पदार्थ 38.50 ग्राम स्मैक बरामद कर गिरफ्तार किया व मोटरसाइकिल जब्त की गई।

विमंदित गृह में एक जने की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के आंगणवा स्थित मानसिक विमंदित गृह में भर्ती एक व्यक्ति की तबीयत बिगडऩे के बाद मौत हो गई। इस बारे में केयर टेकर की तरफ से मंडोर थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई है। मंडोर पुलिस ने बताया कि कुड़ी भगतासनी निवासी 46 साल का साहिद परहेज पुत्र सय्यद निसार का मानसिक विमंदित गृह आंगणवा में उपचार चल रहा था। उसकी 28 मई को अचानक से तबीयत बिगडऩे के बाद अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मगर बाद में उसकी मौत हो गई।

रेलवे स्टेशन जालोर पर नागरिक सुरक्षा की व्यवस्था परखी

जालोर, (कासं)। गृह मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार द्वितीय सिविल डिफेंस अभ्यास 'ऑपरेशन शील्ड' के तहत नागरिक सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करने के संबंध में शनिवार को रेलवे स्टेशन परिसर जालोर में नागरिक सुरक्षा अभ्यास (मॉक ड्रिल) का आयोजन किया गया जिसके तहत रेलवे स्टेशन पर बमबारी से 30 व्यक्तियों के घायल होने की सूचना पर जिला प्रशासन, पुलिस, मेडिकल, एनडीआरएफ के 15 सदस्य दल, होमगार्ड के 60 सदस्य दल, सिविल डिफेंस द्वारा राहत, बचाव एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं को परखा गया।

मॉक ड्रिल में जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे व जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव के निर्देशन में जिला प्रशासन, पुलिस, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, सिविल डिफेंस, अग्निशमन, एनसीसी, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, डिस्कॉम, सहित नागरिक सुरक्षा सेवाओं की रेस्पोंस टाइम के क्रियान्वयन का आंकलन तथा आपातकालीन निकासी योजनाओं की तैयारी और उनके कार्यान्वयन का मूल्यांकन किया गया। सूचना मिलने पर तुरन्त जिला प्रशासन, पुलिस, चिकित्सा, अग्निशमन, एंबुलेंस, सिविल डिफेंस पहुँचे तथा त्वरित कार्यवाही करते हुए दलों द्वारा घायलों को तुरन्त रेस्क्यू कर उपचार हेतु एंबुलेंस के माध्यम से चिकित्सालय ले जाया गया। मॉक ड्रिल के दौरान एनसीसी कैडेट्स व स्काउट्स ने भी सहयोग किया। मॉक ड्रिल के दौरान बनाए गए अस्थाई अस्पताल में घायलों को तुरन्त ले जाकर उपचार कर आवश्यकतानुसार

जालोर के रेलवे स्टेशन पर ऑपरेशन शील्ड के तहत मॉक ड्रिल का आयोजन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वही पुलिस की फोरेंसिक की टीम ने सबूत जुटाए तथा त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने एक डमी संदिग्ध को गिरफ्तार भी किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलैक्टर (अति. प्रभार) नंदकिशोर राजोरा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम गोदारा, उप पुलिस अधीक्षक गौतम जैन, उप वन संरक्षक जयदेवसिंह चारण, पीएचईडी के अधीक्षण संजय शर्मा, डिस्कॉम के अधीक्षण अभियंता धर्मेन्द्र प्रजापति, पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता रमेश सिंघारिया, जिला परिवहन अधिकारी जालोर ओमप्रकाश चौधरी, एनडीआरएफ के आर.एस.पटेल, होमगार्ड के डिप्टी कमांडेंट वी.एस.राठौड, थानाधिकारी अरविन्द राजपुरोहित, सहित विभागीय अधिकारी, पुलिस, सिविल डिफेंस के कार्मिक उपस्थित रहे।

'ऑपरेशन शील्ड' के तहत नागरिक सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए शनिवार को जालोर शहर में रात्रि 8.30 बजे से 8.45 तक ब्लैक आउट की मॉक ड्रिल की जायेगी । जिसकी सूचना सायरन व हूटर बजाकर दी जायेगी।

सायरन बजने की आवाज होने पर सभी नागरिक यथास्थिति में अपने घरों, दुकानों, होटलों, भवनों, वाहनों, कार्यालय या किसी भी परिसर की सभी लाईटें स्वेच्छा से बंद करें। घर की खिड़कियों और दरवाजों पर काले पर्दे या कवर लगाएं ताकि रोशनी बाहर न जाए। अफवाहों से बचें तथा सटीक जानकारी सुनें व प्रसारित करें। ड्रिल के समय निर्धारित समय पर बिजली के सभी उपकरण बंद करें। ड्रिल के समय शांत रहे व अफवाहों से बचें। ब्लैकआउट के दौरान टॉर्च या बैटरी से चलने वाले उपकरण साथ रखें। गांव व मोहल्लों में चौकसी रखें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाने को दें। ड्रिल के दौरान मोबाइल की फ्लैश लाइट व वाहन की हेडलाइट का अनावश्यक प्रयोग न करें। भीड इकट्ठी न करें और अनुशासन बनाए रखें। किसी भी प्रकार की आतिशबाजी, तेज आवाज वाले उपकरणों या ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग न करें।

कांस्टेबल की हत्या का आरोपी डंपर चालक व मालिक पुलिस पकड़ से दूर

जोधपुर, (कासं)। लूनी थाना क्षेत्र में खेजड़ली से फिटकासनी रोड पर प्याऊ के पास बजरी से भरे डम्पर से कुचल कर कांस्टेबल की हत्या करने का आरोपी चालक सात दिन बाद भी पकड़ा नहीं जा सका है। डम्पर मालिक भी फरार है। पुलिस ने अब तक चार जनों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि गत 25 मई की सुबह साढ़े आठ बजे फिटकासनी रोड पर प्याऊ के पास अवैध बजरी से भरे डम्पर ने लूनी थाने की चेतक में पदस्थापित कांस्टेबल सुनील खिलेरी को कुचल दिया था। गंभीर हालत में मथुरादास माथुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां गत मंगलवार देर रात उसकी मृत्यु हो गई थी। साथी कांस्टेबल अशोक कुमार ने हत्या के प्रयास की एफआइआर दर्ज कराई थी। जिसमें अब हत्या की धारा जोड़ी गई है।

पुलिस ने खेजड़ली में लॉयंस नगर निवासी सरपंच पति हापूराम बिश्नोई, रविंद्र गोदारा, सागर सैन और महेन्द्र डूडी को गिरफ्तार किया गया था।

डम्पर चालक की पहचान सांगासनी गांव निवासी राणाराम बिश्नोई के रूप में हुई थी। डम्पर मालिक शिवलाल है। जो सरपंच पति हापूराम का भाई है । वारदात के बाद से चालक व मालिक फरार हो गए। इनकी तलाश में टीमें गठित की गईं हैं, लेकिन वो पकड़े नहीं जा सके हैं।

रिश्वत मामले में जे.डी.ए. के जे.ई.एन. को ए.सी.बी. कोर्ट ने सजा सुनाई

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के तत्कालीन कनिष्ठ अभियंता कानाराम को भ्रष्टाचार के एक मामले में चार साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। जोधपुर स्थित भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम क्रम संख्या 02 के विशेष न्यायालय के न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने यह फैसला सुनाया। कानाराम पर निर्माण कार्य की स्वीकृति के लिए मौका रिपोर्ट बनाने के एवज में रिश्वत मांगने और प्राप्त करने का आरोप सिद्ध हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अभियुक्त कानाराम को पीसी एक्ट की धारा 7 के तहत तीन वर्ष कठोर कारावास व बीस हजार रुपए जुर्माना तथा धारा 13(1)(डी) सहपठित धारा 13(2) पीसी एक्ट के तहत चार वर्ष सश्रम कारावास व बीस हजार रुपए अर्थदण्ड की सजा दी गई है। जुर्माना अदा न करने पर छह-छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। यह मामला 2016 का है जब कानाराम ने परिवादी धर्मवीर सोनी से पांच हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी।

बाद में 21 सितंबर 2016 को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) जोधपुर ग्रामीण द्वारा उन्हें दो हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक निदेशक अभियोजन दिनेश तिवाड़ी ने 17 गवाह और 37 दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए, जिनके आधार पर न्यायालय ने कानाराम को दोषी ठहराया।

लोकार्पण एव कवि गोष्ठी आयोजित

जोधपुर, (कासं)। राजेन्द्र शाह सिरोही राजन द्वारा लिखित ऐतिहासिक उपन्यास 'चन्द्रावती की चांदनी' का लोकार्पण एवं'' माँ ''विषय पर कवि गोष्ठी का आयोजन जागृति संस्थान जोधपुर के बेनर तले डॉ मदन सावित्री डागा सभागार मे सम्पन्न हुआ।

राजेन्द्र शाह सिरोही ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध इतिहासकार जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के सेवानिवृत विभागाध्यक्ष डॉ एस पी व्यास थे।विशिष्ट अतिथि डॉ वी डी दवे एवं समाजसेवी व उद्योगपति किशन लाल गर्ग रहे। गोष्ठी की अध्यक्षता युवा साहित्यकार कमल शर्मा ने की।

संस्था अध्यक्ष राजेश भेरवानी ने बताया कि मां विषय पर गजल गायक मनशाह नायकने एवं पंकज बिंदास नेअपनी स्वरबद्ध गायकी से और यशोदा महेश्वरी ने गीत गाए।

स्मैक के साथ तीन जने गिरफ्तार

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सायला पुलिस ने शनिवार को सरहद आसाणा में अवैध मादक पदार्थ स्मैक 23.06 ग्राम को किया बरामद तीन आरोपियो को गिरफ्तार किया।

अवैध मादक पदार्थ स्मैक तोलने में प्रयुक्त इलेक्ट्रोनिक मोबाइलनुमा कांटा एवं परिवहन में प्रयुक्त वाहन मोटरसाइकिल भी जब्त की। बरामद स्मैक की अनुमानित बाजार कीमत 4,61,000 रूपये आंकी गई है।

जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जिले में मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत नाकाबंदी, संदिग्ध स्थानों एवं वाहनों की संघन तलाशी ली जाकर जिला पुलिस द्वारा लगातार कारवाई की जा रही है इसी क्रम में सायला पुलिस थानाधिकारी सुरेन्द्रसिंह के नेतृत्व में गठिङ्गत टीम द्वारा थाना हल्का क्षेत्र में सरहद आसाणा में संदिग्ध वाहनो की चैकिंग के दौरान कार्रवाई हुई।

एन.डी.पी.एस. एक्ट के आरोपी को सजा मिली

जालोर, (कासं)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश हारून ने अवैध अफीम का दुध परिवहन करने के आरोपी किषोर कुमार को दोशी मानते हुए पांच साल के कारावास की सजा सुनाई।

लोक अभियोजक ओमप्रकाश व्यास ने बताया कि पुलिस थाना जालोर व एसएसटी टीम द्वारा 16 नवम्बर 2018 को नाकाबंदी कर आने जाने वाले वाहनो को चैक करते वक्त सायला से जालोर की तरफ एक कार आती नजर आई। उस कार को रूकवाया तथा चालक ने अपना नाम किशोर कुमार पुत्र हडमताराम माली निवासी तिलोडा बताया । कार को अन्य वाहनों की भांति चैक किया तो चालक सीट के नीचे एक लाल रंग की थैली पायी गई। जिसमें एक लाख छतीस हजार रूपये व एक प्लास्टिक की थैली में काला तरल पदार्थ अफीम का दुध पाया गया। अवैध अफीम के दुध का वजन करने पर कुल 120 ग्राम पाया ।

पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज कर बाद अनुसंधान आरोप पत्र न्यायालय में पेष किया। सैंषन न्यायाधीश जालोर हारून ने पत्रावली का अवलोकन करने तथा दोनो पक्षो की बहस सुनने के बाद उक्त प्रकरण में फैसला सुनाते हुए आरोपी किशोर कुमार को अवैध अफीम का दुध परिवहन करने का दोशी मानते हुए पांच साल के कारावास की सजा सुनाई। सरकार की ओर से पैरवी लोक अभियोजक ओमप्रकाश व्यास ने की।

आयुर्वेद वि.वि. में स्किन व कैंसर यूनिट का उद्घाटन

जोधपुर, (कासं)। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर आज जोधपुर में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय, जोधपुर में पीजी विभाग - अगदतंत्र के अंतर्गत स्किन एवं कैंसर यूनिट का उद्घाटन कुलगुरु प्रोफेसर(वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने फीता काटकर किया। यह यूनिट आयुर्वेद के सिद्धांतो से त्वचा एवं कैंसर संबंधी विकृतियों के निदान के लिए समर्पित है।

ओपीडी के उद्घाटन सत्र में कुलगुरु ने अपने विचार रखते हुए कहा कि यह स्किन एवं कैंसर ओपीडी यूनिट आयुर्वेद के गहन चिकित्सीय सिद्धांतों के आधार पर त्वचा एवं गंभीर रोगों के समठा उपचार हेतु समर्पित रहेगी। यह ओपीडी अनुसंधान, निदान और उपचार का एक उत्कृष्ट केंद्र बनेगी।

विभागाध्यक्ष प्रो.रितु कपूर ने बताया कि इस ओपीडी में त्वचा विकारों, प्रीकैंसरस अवस्थाओं एवं कैंसर रोगों के निदान, परामर्श एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा की सुविधा दी जाएगी। रोगियों के लिए यह यूनिट अनुसंधान एवं उपचार दोनों का केंद्र बनेगी। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर डॉ. नरेश नेभिनानी, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, मनोरोग विभाग, एम्स जोधपुर द्वारा तम्बाकू की लतः दुष्परिणाम एवं प्रबंधन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पूर्व कुलसचिव प्रो.गोविंद सहाय शुक्ला ,चिकित्सा अधीक्षक प्रो. गोविन्द गुप्ता,उपकुलसचिव डॉ मनोज कुमार अदलक्खा ,डॉ संजय श्रीवास्तव, डॉ. श्योराम शर्मा ,डॉ.प्रवीण कुमार , डॉ अनिता संकाय सदस्य एवं पीजी अध्येता उपस्थित थे।

इसी प्रकार राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला जोधपुर की ओर से आयोजित अभिरुचि केंद्र में उपस्थित 357 संभागियों को आज विश्व धूम्रपान निषेध दिवस पर नशा मुक्ति शपथ दिलवाई। इस अवसर पर समाजसेवी हनुमान सिंह खांगटा ने कहा कि नशा व्यक्ति को न केवल शारीरिक और मानसिक रूप से शिथिल बनाता है बल्कि वित्तीय दृष्टि से भी नुकसानदेह है। संगठन के जिला उपाध्यक्ष चनण सिंह इंदा, जिला सचिव डॉ बीएल जाखड़, प्रधानाचार्य चंद्रशेखर दवे, सहायक राज्य संगठन आयुक्त छतर सिंह पीडीयार सहित अनेक मौजीज लोगों की उपस्थिति में नशा निषेध रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी संभागियां और उपस्थित अभिभावकों को नशा मुक्ति की शपथ अविचल पारीक द्वारा दिलवाई गई। इस अवसर पर सांकेतिक रूप में नशे से संबंधित सामठाी का सामूहिक रूप से दहन किया गया।

दूसरी तरफ राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर जिला के तत्वावधान में शनिवार को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर तम्बाकू निषेध पर शपथ ग्रहण कार्यकम आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जोधपुर जिला के सचिव अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश डॉ. मनीष हरजाई ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को को तम्बाकू सेवन नही करने की शपथ दिलाई तथा तम्बाकू उत्पादों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ता, न्यायिक कर्मचारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

कारागृहों एवं बालगृह का निरीक्षण

जालोर, (कासं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालोर के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश हारून के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश अहसान अहमद ने शनिवार को जिले के कारागृहों एवं बालगृह का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने भीनमाल उप कारागृह के निरीक्षण के दौरान बंदियों के साथ वार्तालाप की। इस दौरान उन्होंने विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन कर बंदियों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बंदियों को कहा कि बंदियों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहते हुए अपने कर्तव्यों का भी ख्याल रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भी कारागृह से छूटकर जाए तो समाज में अच्छा व्यवहार करें। इस दौरान उन्होंने निशुल्क विधिक सहायता योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी एवं तंबाकू से दूर रहने की सलाह दी। सचिव ने सांचौर उप कारागृह का भी निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बंदियों से वार्तालाप कर यहां मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बंदियों को विभिन्न योजनाओं के बारे बताया और कहा कि यदि किसी बंदी की पैरवी के लिए अधिवक्ता नहीं हो तो वे तालुका विधिक सेवा समिति के माध्यम से निशुल्क अधिवक्ता प्राप्त कर सकते है। निशुल्क अधिवक्ता की सेवाएं प्राप्त करने के लिए अपनाई जाने वाली प्राकया के बारे में पूरी जानकारी बताई एवं इसके लिए आवेदन पत्र भरने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने तंबाकू सेवन से दूर रहने की सलाह देते हुए तंबाकू सेवन से शरीर पर पडने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी।

बालोतरा में मॉक ड्रिल हुई

बालोतरा, (नि.सं.)। बालोतरा जिले के बालोतरा रीको औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार को नागरिक सुरक्षा एजेंसियों द्वारा एक विशाल हवाई हमला मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया और समन्वय स्थापित कर जान-माल के नुकसान को न्यूनतम करना था।

यह मॉक ड्रिल पूर्व नियोजित थी और इसमें एक काल्पनिक हवाई हमले का परिदृश्य तैयार किया गया था। शाम लगभग 05 बजे, रीको क्षेत्र में अलर्ट सायरन बजाया गया, जिसके बाद अभ्यास शुरू हुआ। काल्पनिक रूप से हवाई हमले का अनुकरण किया। हवाई हमले के दौरान आगजनी और घायलों को प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करवाने एवं जानमाल को सुरक्षित करने के एहतियातन कदम उठाए गए। मॉक ड्रिल में जिला प्रशासन, पुलिस, अग्निशमन विभाग, चिकित्सा टीमें, सिविल डिफेंस स्वयंसेवक और औद्योगिक सुरक्षा बल ने सक्रिय रूप से भाग लिया। मॉक ड्रिल में कई घायलों का अनुकरण किया गया, जिन्हें त्वरित प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया और एम्बुलेंस द्वारा नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया। आपदा प्रबंधन टीमों ने मलबे से लोगों को निकालने और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का भी अभ्यास किया। इस दौरान अग्निशमन विभाग ने काल्पनिक आग पर काबू पाने और बचाव कार्यों में सहायता करने का अभ्यास किया। इस ड्रिल का एक महत्वपूर्ण पहलू विभिन्न एजेंसियों के बीच संचार और समन्वय का परीक्षण करना था। वायरलेस सेट, मोबाइल फोन और अन्य संचार माध्यमों का उपयोग करते हुए त्वरित और सटीक जानकारी साझा करने का अभ्यास किया गया।

मॉक ड्रिल के सफल समापन के बाद, जिला कलैक्टर सुशील कुमार यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ''आज की मॉक ड्रिल अत्यंत सफल रही है। इसने हमें हमारी तैयारियों का आकलन करने और उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद की है जहाँ सुधार की आवश्यकता है। हमारी सभी एजेंसियां किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि, ''इस तरह के अभ्यास न केवल हमारी युद्ध तैयारियों को मजबूत करते हैं बल्कि नागरिक प्रशासन के साथ हमारे समन्वय को भी बेहतर बनाते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि वास्तविक खतरे की स्थिति में हम एक संयुक्त मोर्चे के रूप में कार्य कर सकें।

मॉक ड्रिल आयोजन का उद्देश्य आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र का परीक्षण करना, विभिन्न सरकारी विभागों और नागरिक सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना, किसी भी हवाई हमले की स्थिति में जान-माल के नुकसान को कम करने के लिए तैयारियों को पुख्ता करना, जनता को ऐसी आपात स्थितियों के बारे में जागरूक करना और उन्हें सुरक्षा उपायों के बारे में शिक्षित करना है।

भविष्य में भी इस तरह के अभ्यास नियमित अंतराल पर आयोजित किए जाएंगे ताकि आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों को सुदृढ़ किया जा सके।

बालोतरा रीको क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए, यह ड्रिल क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मॉक ड्रिल के दौरान जिला कलैक्टर सुशील कुमार यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल सिंह, रीको इकाई प्रभारी सुशील कटियार, पचपदरा तहसीलदार गोपी किशन पालीवाल समेत पुलिस प्रशासन, नागरिक सुरक्षा कार्मिक, अग्निशमन कार्मिक सहित कई प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

बाड़मेर के उत्तरलाई एयरफोर्स स्कूल परिसर में मॉक ड्रिल

बाड़मेर, (नि.सं.)। केन्द्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार 'ऑपरेशन शील्ड' के तहत शनिवार सायं उत्तरलाई एयरफोर्स स्कूल पर 'ड्रोन हवाई हमले' की मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान आपातकालीन स्थिति में बचाव, राहत एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के उपायों को जांचा गया।

हॉट लाइन के माध्यम से सायं 6 बजे जिला कलक्ट्रेट स्थित सिविल डिफेंस कंट्रोल रूम पर उत्तरलाई एयरफोर्स स्कूल परिसर में ड्रोन से 'हवाई हमला' होने की सूचना मिली। कंट्रोल रूम कार्मिकों ने इसके बारे में तुरंत कंट्रोलर (जिला कलैक्टर) टीना डाबी को बताया, जिनके निर्देशानुसार सभी संबंधित विभागों को 'ड्रोन हमले' की सूचना देकर 'घटना स्थल' सिविल डिफेंस कार्यालय पर पहुंचने को कहा गया और सायरन बजाकर नागरिकों को सचेत किया गया।

'ड्रोन हमले' से भवन क्षितठास्त हो गया और आग लग गई। चिकित्सा दल, एम्बुलेंस, नगर परिषद कार्मिक, सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ, रसद विभाग, पुलिस, अग्निशमन सहित संबंधित सभी विभागों ने तुरंत 'घटना स्थल' पहुंचकर राहत एवं बचाव के लिए रेस्क्यू अभियान शुरु किया।

नगर् परिषद से पहुंचे अग्निशमन वाहन ने 'ड्रोन हमले' से हुई 'आगजनी' पर काबू पाया। जोधपुर से पहुंची एसडीआरएफ ने टीम कमांडर के नेतृत्व में दो लोगों को रोप रेस्क्यू तथा एक जने को ध्वस्त ढांचे से निकाला। एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों ने घायल हुए 46 लोगों को इलाज के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से 'घटना स्थल' पर बनाए अस्थाई अस्पताल पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने सभी की जांच कर उपचार शुरु किया। इस दौरान 46 मामूली घायलों का प्राथमिक उपचार कर छुट्टी दे दी गई, जबकि गंभीर रूप से घायल शेष 6 जनों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रैफर किया गया। इस दौरान एनसीसी और स्काउट गाइड विद्यार्थियों ने आपात स्थिति में निपटने में विशेष मदद की।

जिला कलैक्टर टीना डाबी एवं जिला पुलिस अधीक्षक नरेंद्रसिंह मीना ने मौके पर पहुंचकर मॉक ड्रिल की कार्यवाही एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने पूर्वाभ्यास के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सभी विभागों ने बेहतर समन्वय के साथ त्वरित रिस्पॉन्स कर आपातकालीन स्थिति से निपटने का अच्छा प्रयास किया। उन्होंने कहा कि सभी विभागों की प्रतिक्रिया का विश्लेषण कर रिस्पॉन्स व्यवस्था को और बेहतर किया जाएगा। इस दौरान हवाई हमले की चेतावनी प्रणाली, हॉट लाइन/रेडियो लिंक, नियंत्रण कक्षों की कार्यप्रणाली, मेडिकल, रसद और अग्निशमन जैसी व्यवस्थाओं को मॉक ड्रिल कर जांचा गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेंद्रसिंह चांदावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जस्साराम बोस, उपखंड अधिकारी वीरमाराम सहित प्रशासन, पुलिस, सिविल डिफेंस अधिकारी, एनसीसी, एनएसएस, वॉलंटियर्स मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व 7 मई को भी केन्द्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार रेलवे स्टेशन बाड़मेर पर एयर रेड मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया था।

पावरप्ले में तीन कैच टपकाने के बाद जीतना आसान नहीं होता। गेंदबाजों के लिये नियंत्रण करना आसान नहीं होता। हमारा संदेश साफ था कि अपने हिसाब से खेलो। साइ सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर से यही कहा गया था।

- शुभमन गिल

गुजरात टाइटंस के कप्तान, टीम की हार को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

रोहित शर्मा में 300 सिक्स लगाने वाले पहले भारतीय बने। उनके अब 302 सिक्स हो गए हैं। रोहित ने कल 81 रन की पारी खेली। सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले प्लेयर्स में क्रिस गेल टॉप पर हैं, उन्होंने अपने 142 मैचों में कुल 357 छक्के लगाए हैं। तीसरे स्थान पर विराट कोहली हैं, जिनके नाम 266 मैचों में 291 छक्के दर्ज हैं। चौथे नंबर पर महेंद्र सिंह धोनी हैं, जिन्होंने 278 मैचों में 264 सिक्स लगाए हैं। वहीं, एबी डिविलियर्स ने 184 मैचों में 251 छक्के लगाकर इस सूची में पांचवां स्थान हासिल किया है।

क्या आप जानते हैं ?... पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड की बात करें तो दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 33 मुक़ाबलों में मुंबई इंडियंस को 17 जबकि पंजाब किंग्स को 16 में जीत मिली हैं।

मुंबई इंडियंस की विरासत का मुकाबला करेंगे पंजाब किंग्स

अहमदाबाद, 31 मई। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम की दूधिया रोशनी में रविवार को पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस एक लाख से अधिक दर्शकों के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के खिताबी मुकाबले में जगह बनाने के लिये अपना सर्वस्व झोंकने के लिये उतरेंगे। दोनो टीमो के बीच क्वालीफायर2 का रोमांचक मुकाबला शाम साढ़े सात बजे से खेला जायेगा। पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई को आईपीएल के मौजूदा संस्करण में लय में आने में समय लगा मगर बल्लेबाजी में गहराई और जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन ने टीम को छठे खिताब के करीब लाकर खड़ा कर दिया है।

बुमराह 6.36 की कम इकॉनमी से 18 विकेट लेकर शानदार फॉर्म में हैं और उनकी यह ताकत रविवार रात क्वालीफायर 2 में अंतर पैदा कर सकती हैं। मुंबई एलिमिनेटर में गुजरात टाइटन्स पर 20 रन की शानदार जीत के बाद इस मुकाबले में बढ़त बनाए हुए है। हार्दिक पांड्या के नेतृत्व में मौजूदा इकाई की बल्लेबाजी लाइनअप शानदार है। रोहित शर्मा ने सही समय पर लय पाई और 50 गेंदों पर 81 रन बनाए, जबकि विल जैक्स के प्रतिस्थापन के रूप में आए जॉनी बेयरस्टो ने 22 गेंदों पर 47 रन बनाकर शुरुआत में ही लय पा ली। इस बीच, सूर्यकुमार यादव ने 167.83 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 673 रन बनाकर क्रिकेट के तर्क को धता बताना जारी रखा है। मध्यक्रम में तिलक वर्मा, हार्दिक और नमन धीर मजबूती प्रदान करते हैं, वहीं दीपक चाहर गेंद से शुरुआती बढ़त बनाने के लिए इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में आ सकते हैं। बुमराह की सटीक गेंदबाजी और नई गेंद से बायें हाथ के ट्रेंट बोल्ट की स्विंग मुंबई की ताकत बनी हुयी है। हालांकि मुंबई अभी भी अपने चौथे गेंदबाजी विकल्प को लेकर सावधान रहेगी, क्योंकि पिछले गेम में रिचर्ड ग्लीसन ने निराश किया था।

दूसरी ओर पंजाब की टीम नए जख्मों से उबर रही है। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद क्वालीफायर 1 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ उनकी हार सदमे में डालने वाली थी। हालांकि पिछली हार को भुला कर पंजाब को कल ऐसे मैदान में उतरना होगा, जहां प्लेऑफ का अनुभवहीनता और स्कोरबोर्ड का दबाव टीमों को पूरी तरह से निगल सकता है। पंजाब के पास मैच जिताऊ खिलाड़ियों की कमी नहीं है। प्रभसिमरन सिंह (517) और प्रियांश आर्य (431) ने लीग की सबसे रोमांचक युवा ओपनिंग जोड़ियों में से एक बनाई है जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर ने मध्यक्रम में 516 रन बनाकर अपनी खास पहचान बनाई है।

हालांकि उन्हें और भी बहुत कुछ चाहिए होगा। जोश इंग्लिस, मार्कस स्टोइनिस और शशांक सिंह को मौके का फायदा उठाना होगा। लीग चरण में एमआई के खिलाफ इंग्लिस की विस्फोटक 73 रन की पारी सबको याद होगी। अब इसे दोहराना सबसे ज्यादा मायने रखता है। अर्शदीप सिंह की अगुवाई में पंजाब के गेंदबाज विपक्षी टीम को कम स्कोर पर रोकने का पूरा प्रयास करेंगे। काइल जैमीसन ने पिछले मैच में शानदार प्रदर्शन किया था मगर युजवेंद्र चहल की अनुपस्थिति अभी भी खल रही है। अगर हरप्रीत बरार और अजमतुल्लाह उमरजई टिके रहते हैं, तो पंजाब फिर से उलटफेर कर सकता है।

अहमदाबाद ने अब तक पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को फायदा मिला है। यहां सात में से छह मैच लक्ष्य निर्धारित करने वाली टीम ने जीते हैं। इसलिये दोनों कप्तानों की निगाहें टॉस पर होंगी। मौसम विभाग के अनुसार आसमान साफ रहने और शुष्क गर्मी की उम्मीद है। दोनो टीमे चार बार एक दूसरे के सामने आयी हैं जिनमें दो-दो मैच हर टीम ने जीता है। पंजाब ने अपना 26 मई को अपना सबसे हालिया मुकाबला जीता था।

म्यूनिख पहुंचे आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह, यूएफा अध्यक्ष सेफरिन से की मुलाकात

नई दिल्ली, 31 मई। जय शाह पिछले साल आईसीसी चेयरमैन की कुर्सी पर बैठे थे। उसके बाद उन्होंने लगातार वैश्विक स्तर पर क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाने का प्रयास किया है। महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने से लेकर 2028 ओलंपिक में क्रिकेट की एंट्री जैसे प्लान को सफल बनाने के लिए जय शाह प्रतिबद्ध दिखाई पड़े हैं। अब उन्होंने यूएई चैंपियंस लीग 2024-25 के फाइनल से पहले यूएफा के अध्यक्ष अलेक्जांडर सेफरिन से मुलाकात की है।चैंपियंस लीग का फाइनल मैच पेरिस सेंट जर्मेन और इंटर मिलान के बीच खेला जाना है। खिताबी भिड़ंत म्यूनिख के आलियांज अरीना में होगी, जिससे पहले आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा कि म्यूनिख में क्रिकेट के प्रतिनिधि के रूप में जाना उनके लिए सम्मान की बात रही।वहीं जय शाह ने सोशल मीडिया पर लिखा कि, म्यूनिख में क्रिकेट का प्रतिनिधि बनना गौरव का विषय रहा। चैंपियंस लीग के फाइनल से पहले यूएफा प्रेसिडेंट अलेक्जंडर सेफरिन से मिला। खेल जगत की बड़ी हस्तियों से मिलना हमेशा सम्मान की बात होती है और आईसीसी निरंतर क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। बता दें कि, इस साल जय शाह ने अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के प्रेसिडेंट थॉमस बाक से मुलाकात की थी। 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक्स में क्रिकेट की वापसी होने वाली है, जिसमें कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार सिर्फ 6 टीम ही हिस्सा लेने वाली है।

नायर का दोहरा शतक, इंडिया-ए के पहली पारी में 557 रन

कैंटरबरी, 31 मई। करुण नायर (204) के दोहरे शतक की बदौलत भारत ए ने शनिवार को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को 557 रन बनाये जिसके जवाब में चायकाल तक इंग्लैंड ने एक विकेट 75 रन बना लिये थे। नायर ने 281 गेंद का सामना करते हुए 26 चौके और एक छक्का जड़कर 204 रन बनाए। भारत ए ने सुबह तीन विकेट पर 409 रन से आगे खेलना शुरू किया। नायर ने 186 रन से आगे खेलना शुरू किया और तेज गेंदबाज एडी जैक की गेंद पर कवर के ऊपर से चौका लगाकर 272 गेंद में 200 रन पूरे किए। नायर ने ध्रुव जुरेल (94) के साथ चौथे विकेट के लिए 195 रन जोड़े। इससे पहले उन्होने सरफराज खान (92) के साथ 131 रन की भागीदारी की थी। नायर दोहरा शतक पूरा करने के बाद ज्यादा देर तक नहीं खेल पाए और तेज गेंदबाज जमान अख्तर की अंदर आती गेंद को दूर हटाने के प्रयास में जेम्स रियू के हाथों लपके गए। शार्दुल ठाकुर ने 27 और हर्ष दुबे ने 32 रन का योगदान दिया। खेल के दूसरे सत्र में भारत ए की पारी 125.1 ओवर में 557 रन बना कर सिमट गयी। जवाब में इंग्लैंड लायंस ने बेन मैककिने (16) का विकेट जल्दी खो दिया मगर टाम्स हेंस और एमीलियो गे ने न सिर्फ पारी को संवारा बल्कि लंबे स्कोर को ले जाने का संकल्प भी लिया।

राजस्थान के वुशू खिलाड़ी अमित, नीलम, ऋषभ, छवि, सुनील व तनवी का भारतीय वुशू टीम में चयन

जयपुर, 31 मई। मास्को, रूस में 1 से 7 जून 2025 तक आयोजित होने वाली मास्को स्टार वुशू चैंपियनशिप में भाग लेने वाली भारतीय वुशू टीम आज दिल्ली एअरपोर्ट से मास्को के लिये रवाना हुई। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि सीनियर टीम में अमित चौधरी 90 किलोग्राम भारवर्ग, छवि चौधरी 75 किलोग्राम भारवर्ग, नीलम चौधरी ट्रेडिशनल ननक्वान व ऋषभ परिहार ट्रेडिशनल ननक्वान तथा जुनियर टीम में सुनील 65 किलोग्राम भारवर्ग व विहानराज सक्सेना 45 किलोग्राम भारवर्ग तथा सबजुनियर टीम में तनवी दाधीच 39 किलोग्राम भारवर्ग में भारतीय वुशू टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए, पदक की दावेदारी पेश करेंगे । खिलाडियों का भारतीय वुशू टीम में चयन होने पर विनोद सिंह शेखावत, मुख्य संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, राजा राम मील, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, गोपाल सैनी, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, राजकुमार शर्मा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, भगवान सहाय जाटवा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, के. सी. घुमरिया, चेयरमैन, राजस्थान वुशू संघ, ममता वर्मा, महासचिव, राजस्थान वुशू संघ, विजय सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ, राजेश कुमार टेलर, वुशू कोच व सभी पदाधिकारियों ने पदक जीत कर आने की शुभकामनाएं प्रदान की।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

अंशुल गड़वाल के ऑलराउंड प्रदर्शन से जयपुरिया की आसान जीत

जयपुर, 31 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नैना क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में खेले गये पूल-जी के मैच में अंशुल गड़वाल 39 रन नाबाद व 20 रन पर 4 विकेट के ऑराउण्ड प्रदर्शन की बदोलत जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी ने नैना क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर नैना क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये सचिन मालव 28 रन, शुभम मीणा 27 रन, भरत शर्मा रन 26, अजय बेनीवाल 17 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 135 रन बनाये, गेन्दबाजी में जयपुरिया एकेडमी की ओर से अंशुल गड़वाल 20 रन पर 4 विकेट, मिहित अग्रवाल 17 रन पर 2 विकेट तथा स्वपत्निल चौधरी व करण प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेन्दबाज रहे। 134 रन के विजय लक्ष्य को लेकर उत्तरी जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी ने अंशुल गडवाल 39 रन नाबाद, अमित गौतम 36 रन रोहन राजवर 25 रन, राहुल खण्डेलवाल 22 रन, की मदद से विजय लक्ष्य 16 ओवर में 3 विकेट खोकर 139 रन बनाकर हासिल कर लिया, गेन्दबाजी में नैना एकेडमी की ओर से शुभम मीणा 21 रन पर 2 विकेट, सचिन मालव 24 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेन्दबाज रहे। मैन ऑफ दा मैच अंशुल गड़वाल 39 रन नाबाद व 20 रन पर 4 विकेट जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी रहे।

एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारत ने आठ स्वर्ण समेत 24 पदक जीते

गुमी, 31 मई। भारत ने 26वीं एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कुल 24 पदकों के साथ अपने शानदार अभियान का समापन किया है। भारत के कुल 24 पदकों में आठ स्वर्ण, 10 रजत और छह कांस्य पदक शामिल है। भारतीय दल पिछले सत्र में छह स्वर्ण समेत 27 पदक जीते थे। चैंपियनशिप के अंतिम दिन शनिवार को भारतीय एथलीटों ने तीन रजत और तीन कांस्य पदक अपने नाम किये।

पारुल चौधरी आज महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में 15 मिनट 15.33 सेकंड (15:15.33 सेकंड) का समय लेकर दूसरे स्थान पर रहीं। उन्होंने इससे पहले 3000 मीटर मीटर स्टीपलचेज में भी रजत पदक जीता था। भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.16 मीटर तक भाला फेंका। बागपत के खेकड़ा गांव निवासी सचिन का इससे पहले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 84.39 मीटर था।

पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में अनिमेष कुजूर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 20.32 सेकंड का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए कांस्य पदक जीता वहीं अभिनया राजराजन, स्नेहा एसएस, श्राबनी नंदा और नित्या गंधे की चौकड़ी ने महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले में सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 43.86 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया जो इस प्रतियोगिता में भारत का आखिरी पदक रहा। महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में एशियाई खेलों की पदक विजेता विथ्या ने भारत को दिन का दूसरा कांस्य पदक दिलाया। तमिलनाडु की 26 वर्षीय एथलीट ने 56.46 सेकंड का समय लेकर पोडियम स्थान हासिल किया। पूजा ने भारत के लिए दिन का तीसरा कांस्य पदक जीता।

उन्होंने महिलाओं की 800 मीटर दौड़ 2:01.89 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ पूरी करके तीसरा स्थान हासिल किया। महिलाओं की 200 मीटर की दौड़ में ज्योति याराजी 23.47 सेकंड के समय के साथ पांचवें जबकि नित्या गंधे 23.90 सेकंड के समय के साथ सातवें स्थान पर रहीं। याराजी ने इस सप्ताह की शुरुआत में महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था।

जुमहुर की चुनौती को पार कर अल्काराज फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

पेरिस, 31 मई। स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ ने शनिवार को बोस्निया और हर्जेगोविना के दामिर जुमहुर पर चार सेटों में कड़ी टक्कर के बाद फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। तीसरे दौर के मुकाबले में अल्काराज ने दो घंटे और 57 मिनट में 6-1, 6-3, 4-6, 6-4 से जीत दर्ज की, जिसमें स्पेन के खिलाड़ी ने अनुभवी बोस्नियाई खिलाड़ी की मजबूत वापसी को रोकने के लिए शानदार प्रदर्शन किया। तीसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज़ ने लगातार दो सेटों में शानदार जीत दर्ज की और आक्रामक रिटर्निंग करते हुए जुमहुर की सर्विस पर दबाव बनाए रखते हुए तीन बार ब्रेक किया।

बोपन्ना-पावलसेक फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में

पेरिस, 31 मई। भारत के रोहन बोपन्ना और चेक जोड़ीदार एडम पावलसेक ने फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर के पुरुष युगल मुकाबले में फ्रांस के फैबियन रेबुल और सादियो डौम्बिया को 6-2, 7-6(5) से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। इंडो-चेक जोड़ी ने शुरुआती सेट में दबदबा बनाया और अपनी शक्तिशाली सर्विस और रणनीतिक नेट प्ले का लाभ उठाते हुए 6-2 की बढ़त हासिल की। बोपन्ना के अनुभव और पावलसेक की चपलता ने शुरुआती मौकों का फायदा उठाते हुए फ्रांसीसी जोड़ी की सर्विस दो बार तोड़ी। घरेलू दर्शकों से उत्साहित फ्रांसीसी खिलाड़ियों ने दूसरे सेट में जबरदस्त वापसी की।

सिनर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

पेरिस, 31 मई। विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी जैनिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को मात्र 94 मिनट में 6-0, 6-1, 6-2 से हराकर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। इतालवी शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 2024 यूएस ओपन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताब जीतने के बाद अब ग्रैंड स्लैम मैच जीतने की अपनी लकीर को 17 तक पहुंचा दिया है। इस सीजन में शानदार फॉर्म में चल रहे सिनर ने बेसलाइन से खेल को नियंत्रित किया और अपने प्रतिद्वंद्वी को मुश्किल से ही कोई मौका दिया। सिनर ने शुरुआत में ही खेल में नियंत्रण हासिल कर लिया और 6-0, 5-0 की बढ़त बना ली।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् को खेल निदेशालय में मर्ज करने को लेकर ज्ञापन

जयपुर, 31 मई। घीसाराम शर्मा, महासचिव, "स्टेट अवार्डी" प्रस्तावक एवं राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल के सेवानिवृत्त स्टेडियम द्वारा राज्य सरकार द्वारा बजट 2025 में "खेल निदेशालय" की घोषणा के क्रम में युवा व खेल एवं खिलाड़ियों के हित में प्रदेश के खेल जगत में सर्वोच्च संस्था, "राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद्" को खेल निदेशालय में मर्ज करने को लेकर एक ज्ञापन दिया गया है, जिसके संबंध में तथ्यात्मक विवरण प्रस्तुत किए गए है जिनमें मांग की गई है कि राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् की राज्य सरकार द्वारा संवैधानिक स्थापना एवं गठन दिनांक 18 फरवरी 1957 को किया गया था तथा राजस्थान कॉ-ऑपरेटिव एक्ट के तहत इसका रजिस्ट्रेशन 14 जुलाई 1969 में हुआ था।

राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल को ही खेल निदेशालय में मर्ज किये जाना प्रस्तावित है।

1. राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल को दी जाने वाली शत्: प्रतिशत आर्थिक अनुदान राशि खेल निदेशालय को स्थानांतरित / हस्तानांतरित की जा सकती है।

2. राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल में कर्मचारी भर्ती एवं सेना से संबंधित राजस्थान सेवा नियम 1976 से (आर एस आर) लागू है। यथा-स्टेट इंश्योरेंस, पेंशन, जी.पी. एफ. मेडिकल आदि।

3. कर्मचारी एवं अधिकारी / स्टाफ की सेवाएँ स्थानांतरित / मर्ज की जा सकती है।

4. खेल मंत्रालय / विभाग, राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल, यूथ बोर्ड एवं खेल निदेशालय का एकीकरण किया जाना उचित होगा। इससे राज्य सरकार पर व्यय-भार भी नहीं पड़ेगा।

5. यदि पृथक से कर्मचारियों एवं अधिकारियों की भर्ती की जाती है तो इससे राज्य सरकार पर व्यय-भार में वृद्धि होगी अर्थात आर्थिक / अनुदान राशि पर मार पड़ेगा। कार्य का अनुभव अभाव होगा।

6. निदेशक, अतिरिक्त / संयुक्त निदेशक, उपनिदेशक, सहायक निदेशक आदि आई.ए.एस. एवं राजस्थान प्रशासनिक सेवा से नियुक्ति / प्रतिनियुक्ति पर लिये जा सकते है। शेष अनुमवी पद/ स्टाफ मय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मय तकनीकी सहायक आदि राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल को यथावत रखा जा सकता है।

7. परिषद् की खेल मैदानों, तरणतालों द्वारा होने वाली आर्थिक आय राज्य सरकार के कोषालय में जमा होती है।

8. राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल की स्थायी परि-सम्पत्तियाँ सम्पूर्ण प्रदेश में स्थित चल / अचल स्थायी परि-सम्पत्तियाँ राज्य सरकार को पहले से ही स्थानांतरित / हस्तानांतरित की जा चुकी है।

घीसाराम ने मांग की है कि निष्कर्ष के तौर पर एवं उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए परिषद् को खेल निदेशालय में मर्ज किया जा सकता है। चूंकि उदाहरण के तौर पर राज्य सरकार के कॉलेज शिक्षा / शिक्षा विभाग में कई अनुदानित स्कूल व कॉलेजों को शिक्षा विभाग/ शिक्षा निदेशालय में मर्ज किये जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। उपरोक्त तथ्यों का समग्र अध्ययन किये जाने के परिणाम स्वरूप राज्य सरकार द्वारा बजट 2025 की घोषणा की पालनार्थ खेल निदेशालय में राजस्थान स्पोर्टस् काउंसिल को मर्ज कर "खेल निदेशालय" ही बनाया जाना प्रस्तावित है।

गिगांटे को हराकर शेल्टन फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

पेरिस, 31 मई। 13वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन ने शनिवार को कोर्ट सिमोन-मैथ्यू में इटली के माटेओ गिगांटे को सीधे सेटों में हराकर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया। शेल्टन ने बड़ी सर्विस और आक्रामक ग्राउंडस्ट्रोक का बेहतरीन मिश्रण दिखाते हुए गैरवरीय गिगांटे को दो घंटे से भी कम समय में 6-3, 6-3, 6-4 से हराकर पहली बार रोलांड गैरोस के दूसरे सप्ताह में प्रवेश किया। 21 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने 10 ऐस लगाए और अपने पहले सर्व पॉइंट में से 79 प्रतिशत जीते, 11 मौकों में से पांच बार गिगांटे को तोड़ा। शेल्टन के बेहतरीन बेसलाइन प्ले ने उन्हें रिटर्न पर 44 पॉइंट जीतने में मदद की, जबकि इतालवी खिलाड़ी ने 25 पॉइंट जीते। गिगांटे ने तीसरे दौर तक जोशपूर्ण प्रदर्शन किया था, अपने प्रतिद्वंद्वी की ताकत और सटीकता से मुकाबला करने में संघर्ष करते रहे।

युद्धवीर सिंह होंगे भारतीय टीम के मैनेजर

नयी दिल्ली, 31 मई। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) के निदेशक रह चुके युद्धवीर सिंह भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे में मैनेजर की भूमिका निभायेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों ने शनिवार को बताया कि सिंह को इंग्लैंड दौरे के लिये भारतीय टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया है। भारतीय टीम इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी जिसका पहला मैच 20 जून से लीड्स में शुरू होगा। इस दौरे में टीम की कमान शुभमन गिल को सौंपी गयी है जबकि रिषभ पंत उपकप्तान बनाये गये हैं।

लालित भाई पटेल ने वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में जीते तीन स्वर्ण पदक

अहमदाबाद, 31 मई। गुजरात के अहमदाबाद के लालितभाई पटेल ने वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीते हैं। पावरलिफ्टिंग चैंपियन 56 साल के पटेल ने थाईलैंड में 10 से 12 मई के बीच आयोजित वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। स्क्वाट, बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट स्पर्धाओं में हिस्सा लेते हुए उन्होंने कुल 405 किलोग्राम भार उठाया। वह इस स्तर की अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले गुजराती बन गए हैं। इस वैश्विक प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आईबीएफएफ द्वारा तय की गई कठिन पात्रता शर्तों को पार करना होता है। इसके लिए किसी खिलाड़ी को पहले जिला चैंपियन बनना आवश्यक है, साथ ही राज्य स्तर पर कम से कम पाँच बार चैंपियनशिप जीतना और राष्ट्रीय स्तर पर तीन स्वर्ण या तीन रजत पदक हासिल करना अनिवार्य है।

शांति एशियाटिक स्कूल बना चैम्पियन

जयपुर, 31 मई। ओशियन एकेडमी द्वारा आयोजित ट्राइन्गुलर सीरिज के फाइनल मैच में हैसी स्पॉटस को शान्ति एशियाटिक स्कूल ने 9 विकेट से हराया। शान्ति एशियाटिक के आर्यन कुमावत की घातक गेदबाजी (6 विकेट) के आगे हैसी स्पोर्टस 115 रनो पर सिमट गयी जिसमे गौरव मीणा के 45 रनो का योगदान रहा। शान्ति एशियाटिक स्कूल के ओशनिक ग्रोवर 26 बॉल पर 55 रनो की नाबाद नील यादव 27, रौनक गुप्ता 10 रनों की पारियो से महज 10 ओवर मे जीत लिया। टूर्नामेन्ट के बेस्ट बेट्समैन कुशाग्र ओझा, बेस्ट बॉलर आर्यन कुमावत, बैस्ट फिल्डर उत्सव शर्मा और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेन्ट ओशनिक ग्रोवर को चुना गया।

आठ साल के शिवाय को प्रथमेश, अर्नव और सुशांत के साथ संयुक्त बढ़त

जयपुर, 31 मई। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के मात्र आठ साल के शिवाय सिंह ने शनिवार को यहां चल रही रॉयल जयपुर अंडर-1800 क्लासिकल फिडे रेटिंग चेक टूर्नामेंट के दूसरे दिन राजस्थान की आशी उपाध्याय को मात देकर संयुक्त बढ़त बना ली। शिवाय पांचवें राउण्ड की समाप्ति के बाद महाराष्ट्र के प्रथमेश धर्माधिकारी, हरियाणा के अर्नव गोयल और दिल्ली के सुशांत सिंह के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। चारों खिलाड़ियों के पांच-पांच अंक हैं। राजस्थान के अर्पित सक्सेना, मध्य प्रदेश के आरव पोरवाल, बंगाल के अरित्र्या पाल, गुजरात के रोहित राजकुमार, राजस्थान के अगम सुराणा और काव्यांश जैन, उत्तर प्रदेश के आरव अग्रवाल और गर्वित जैन, गुजरात की तान्या साबू और मध्य प्रदेश के ब्रजेश कुमार उपाध्याय समान रूप से 4.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर चल रहे हैं। पांचवें राउण्ड के मुकाबलों में प्रथमेश धर्माधिकारी ने दिल्ली के ध्रुव गुप्ता को, अर्नव गोयल ने उत्तर प्रदेश के आरव गुप्ता और सुशांत तिवारी ने राजस्थान के महेन्द्र सिंह को पराजित किया। राजस्थान के अर्पित सक्सेना और उत्तर प्रदेश के गर्वित जैन तथा राजस्थान के अगम सुराणा और उत्तर प्रदेश के गर्वित जैन के बीच बाजी बराबरी पर छूटी। राजस्थान के काव्यांश जैन ने हरियाणा के फलांश को, बंगाल के अरित्र्य पाल ने मध्य प्रदेश के आरव माहेश्वरी को, ब्रजेश उपाध्याय ने राजस्थान के मुकेश मंडलोई को और आरव पोरवाल ने दिल्ली के राहुल सूरी को पराजित किया। राजस्थान के महेन्द्र सिंह, ओजस माहेश्वरी, विभोर चोपड़ा, वीर कुमार, आशी उपाध्याय, यजत व्यास, विभोर अटल, हितार्थ शर्मा, पवन सैन, अमित भार्गव और शौर्य भार्गव के पांच राउण्ड के बाद 4-4 अंक हैं।

जयदीप बिहाणी द्वारा आरसीए सीनियर, जूनियर पुरूष-महिला चयन कमेटी घोषित

तीन अलग-अलग सिलेक्शन कमेटियों का गठन किया, चंद्रकांत को बनाया कॉर्डिनेटर

जयपुर, 31 मई। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी ने बताया की17 मई 2025 को आयोजित राजस्थान क्रिकेट संघ के असाधारण सभा के द्वारा विभिन्न एजंडोव कमेटियांमें गठन हेतु आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहाणी को अधिकृत करने के निर्णय के अनुसार आज बीसीसीआई के घरेलु क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की पूर्व तैयारियों व आरसीए द्वारा आयोजित होने वाली विभिन्न आयु वर्ग की पुरुष- महिला क्रिकेट प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाडियों के प्रदर्शन की समीक्षा करने हेतु राजस्थान सीनियर, जूनियर पुरुष व महिला चयन कमेटी का गठन किया गया। जयदीप बिहाणी सभी कमेटियों के संयोजक व विमल शर्मा सह संयोजक होंगे। चंद्रकांत बोधा को सभी चयन कमेटियों का कॉर्डिनेटर नियुक्त किया गया है।

घोषित आरसीए चयन कमेटी

सीनियर चयन कमेटी (पुरुष)
विलास जोशी - चैयरमेन
शैलेन्द्र सिंह गहलोत - सदस्य
दीपक नाथ माथुर - सदस्य
ज़ाकिर हुसैन - सदस्य
शमशेर सिंह - सदस्य

जूनियर चयन कमेटी (पुरुष)

अनूप दवे - चेयरमैन
मनीष सिंह - सदस्य
योगेश माथुर - सदस्य
सिद्धार्थ जोशी - सदस्य

महिला चयन कमेटी

पूनम यादव - चेयरमैन
माया जाट - सदस्य
कोमल चौधरी - सदस्य
ममता वर्मा - सदस्य

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित किया और महिला स्वास्थ्य को समर्पित गर्भ की पाठशाला योजना की शुरूआत की। इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मौजूद थीं।

अहिल्या बाई ने संस्कृति एवं विरासत को पुनर्स्थापित किया: नड्डा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने महिला महासम्मेलन में अहिल्या बाई को नारी शक्ति का प्रतीक बताया

- **केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि अब दोषारोपण के बजाए समाज के हर वर्ग का सशक्तिकरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने जवाबदेहिता और उत्तरदायित्व को राजनीति की परिभाषा बनाया है।**
- **समारोह से पहले केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल ने एमएनआईटी परिसर में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति का माल्यार्पण व पौध रोपण किया।**

जयपुर, 31 मई। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर को समाज सुधारक के रूप में याद किया जाता है, उन्होंने संस्कृति एवं विरासत को पुनर्स्थापित करने का कार्य किया। उन्होंने जीवन में महिला उत्थान को ही अपना लक्ष्य माना।

नड्डा शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों से प्रेरणा लेकर उनकी 300वीं जयंती पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने महिला शिक्षा एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों को महिला शक्ति को समर्पित किया है।

नड्डा ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश की तस्वीर बदली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने राजनीति की संस्कृति को बदलने का काम किया है। अब दोषारोपण के बजाय समाज के हर वर्ग का सशक्तिकरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने जबावदेहिता और उत्तरदायित्व को राजनीति की परिभाषा बनाया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि 18वीं सदी में देवी अहिल्याबाई जी अपने साहस एवं बुद्धिमत्ता से नारी शक्ति की प्रतीक बनीं। उन्होंने महिला शिक्षा, धर्म, और सामाजिक सुधारों को बढावा दिया। काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, सोमनाथ मंदिर और देशभर में अनेक तीर्थस्थलों का जीर्णोद्धार उनके धार्मिक और सांस्कृतिक योगदान का प्रतीक है।

शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में रहने वाली वंचित वर्गों की लड़कियों को नि:शुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से, 5 कस्तूरबा गांधी बालिका शिक्षा विद्यालय का लोकार्पण-शिलान्यास और 2 जनजाति बालिका आश्रम छात्रावासों का लोकार्पण किया गया है तथा महिला स्वास्थ्य को समर्पित "गर्भ की पाठशाला योजना" एवं स्वस्थ नारी चेतना अभियान की शुरूआत की गई।

इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, सांसद व प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित, बडी संख्या में आमजन मौजूद थे।

पूर्व में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एमएनआईटी परिसर में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति पर माल्यार्पण तथा पौधारोपण किया।

करोना से पिछले 24 घंटे में चार की मौत

नयी दिल्ली, 31 मई। देशभर में कोराना से संक्रमित मामलों में तेजी देखी जा रही है, शनिवार सुबह तक कोराना संक्रमण के कुल सक्रिय मामलों की संख्या 3395 तक पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों में इसके संक्रमण से चार मरीजों की मौत हुई है।

केन्द्रिय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर जारी आंकड़ों के अनुसार, कुल 3395 सक्रिय मामले हैं। अभी तक 1435 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और एक जनवरी से अब तक 26 लोगों की मौत हुई है। पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 685 सक्रिय मामले सामने आये हैं और 265 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी मिली है लेकिन इस अवधि के दौरान चार लोगों की जान चली गयी। राष्ट्रीय राजधानी के अलावा, कर्नाटक, केरल और उत्तर प्रदेश में एक-एक मरीज की कोरोना से मौत हुई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने आज दोहराया कि देश में कोविड संक्रमण की स्थिति पर निरंतर नजर रखी जा रही है और लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। कुल सक्रिय मामलों के सबसे अधिक 1336 केरल में और उसके बाद 467 महाराष्ट्र में हैं। दिल्ली में 375 मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा गुजरात में 265, कर्नाटक में 234, पश्चिम बंगाल में 205, तमिलनाडु में 185, उत्तर प्रदेश में 117, राजस्थान में 61, पुडुचेरी में 41, हरियाणा में 26, आंध्र प्रदेश में 17, मध्य प्रदेश में 16, गोवा से आठ, ओडिशा में सात, झारखंड, जम्मू-कश्मीर और छत्तीसगढ से छह-छह, पंजाब में पांच, उत्तराखंड, मिजोरम और असम में दो-दो और चंड़ीगढ़ में कोरोना का एक सक्रिय मामला है।

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व में गिद्धों का कुनबा बढ़ा

वन विभाग ने गिद्धों की नैस्टिंग की पुष्टि की

- **वन कर्मियों ने बताया कि टाइगर रिज़र्व के झारबंधा क्षेत्र में गिद्धों के बच्चे भी दिख रहे हैं।**
- **पर्यावरण संरक्षण में गिद्धों की अहम् भूमिका को देखते हुए वन विभाग ने क्षेत्र में गिद्धों के संरक्षण का काम शुरु किया, जिसके अच्छे नतीजे मिल रहे हैं।**

बून्दी, 31 मई (निसं)। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में बाघों के साथ साथ गिद्धों का कुनबा भी बढ़ने लगा है। टाइगर रिज़र्व के कोर क्षेत्र के झारबंधा क्षेत्र में भारतीय गिद्धों की नैस्टिंग सामने आई है तथा इनके बच्चे उड़ान भरना सीख रहे हैं। गत शुक्रवार को टाइगर रिज़र्व क्षेत्र में गिद्ध के एक बच्चे को उड़ान भरने की कोशिश करते देखा गया। गश्त कर रहे वनकर्मियों ने उसे घायल समझा और उसे बूंदी के पशु चिकित्सालय में लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसकी प्राथमिक चिकित्सा की और स्वस्थ बताया। वन विभाग ने गिद्ध को अपनी सुरक्षा में ले लिया है और जल्दी ही वन क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। इसी प्रकार, टाइगर रिज़र्व क्षेत्र के कोर 2 में भी एक नन्हा गिद्ध दो दिन पहले वन विभाग ने पकड़ा था और उसे कोटा चिड़ियाघर में लेकर गए, जहां से उसे वापस उसी स्थान पर रिलीज़ कर दिया।

बूंदी के रामगढ़ विषधारी टाइगर रिज़र्व में बाघों के साथ गिद्धों का कुनबा भी बढ़ ने लगा है। यहां झारबंधा क्षेत्र में भारतीय गिद्ध का एक बच्चा उड़ने की कोशिश कर रहा था जिसे वनकर्मी घायल समझकर बूंदी के पशु चिकित्सालय में लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसकी प्राथमिक चिकित्सा की।

रैस्क्यू टीम के प्रभारी बुद्धराज सिंह हाड़ा व कुलदीप सिंह हाड़ा ने बताया कि टाइगर रिज़र्व में झारबंधा सहित, अन्य जगहों पर गिद्धों की नैस्टिंग देखी जा रही है तथा इनकी संख्या भी लगातार बढ़ रही है। पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता के महत्वपूर्ण घटक गिद्धों की संख्या का बढ़ना बूंदी में इको टूरिज्म के लिए शुभ संकेत है। गौरतलब है कि टाइगर रिज़र्व प्रबंधन ने जिले में गिद्धों के संरक्षण की योजना पर काम शुरू किया था, और इसके परिणाम भी दिखने लगे हैं। भीमलत क्षेत्र के जंगलों में भी गिद्धों की तादाद लगातार बढ़ रही है और उम्मीद है कि आने वाले दिनों में जिले में गिद्धों का कुनबा बढ़ेगा।

सेना ने शुरु किया अत्याधुनिक "डिफ्रैंस टैक्नॉलजी" का परीक्षण अभियान

- **पोकरण फील्ड फायरिंग रेज में मानव रहित विमानों, ड्रोन, बम व राडार सिस्टम का परीक्षण किया जा रहा है।**
- **मध्यप्रदेश के बबीना फील्ड फायरिंग रेंज, उत्तराखंड के जोशीमठ और देश के कई अन्य भागों में यह परीक्षण अभियान चल रहा है।**
- **थल सेनाध्यक्ष उपेन्द्र द्विवेदी ने बबीना फील्ड फायरिंग रेंज के परीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा की।**

नयी दिल्ली, 31 मई। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारतीय सेना अगली पीढ़ी की कई रक्षा प्रौद्योगिकियों का परीक्षण कई क्षेत्रों में करीब-करीब युद्ध जैसी परिस्थितियों में कर रही है।

राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज, मध्य प्रदेश के बबीना फील्ड फायरिंग रेंज और उत्तरा खंड में जोशीमठ सहित देश में विभिन्न परीक्षण स्थानों पर मानवरहित हवाई प्रणालियों, ड्रोन, आड़े-तिरछे उड़ान पथ से प्रहार करने वाले बम, कम ऊँचाई वाले वायु क्षेत्र पर निगाह रखने वाले आधुनिक राडार आदि के परीक्षण किये जा रहे हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एक विज्ञिप्त में कहा गया है कि सेना व्यापक प्रतिरक्षा क्षमताओं का विकास और परीक्षण कर रही है। इनमें बड़ी संख्या में रक्षा उपकरण निर्माण इकाइयां भी भाग ले रही हैं।

आगरा और गोपालपुर में विशेष वायु रक्षा उपकणों का प्रदर्शन किया जायेगा। इन अभियानों में करीब-करीब वास्तविक युद्ध जैसी परिस्थितियों में अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों के प्रदर्शन का बारीकी से आकलन किया जा रहा है। इन परीक्षणों में अलग अलग इलेक्ट्रानिक सिमूलेशन को समन्वित कर नयी विकसित प्रौद्योगिकियों की क्षमता का आकलन किया जा रहा है।

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने मंगलवार को बबीना फील्ड फायरिंग रेंज में चल रहे परीक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की तथा सभी हितधारकों के साथ बातचीत की। मंत्रालय ने कहा है कि ये परीक्षण भारतीय सेना के परिवर्तन के दशक की वृहद योजना में एक महत्वपूर्ण कदम है और इनका उद्देश्य उभरती युद्धक परिस्थितियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों का तेजी से समावेशन सुनिश्चित करना है।

विज्ञिप्त के अनुसार इन परीक्षणों में अगली पीढ़ी की मानवरहित हवाई प्रणालियां (यूएएस), यूएवी लॉन्च्ड प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन (यूएलपीजीएम), रनवे इंडिपेंडेंट (आरडब्ल्यूआई), रिमोटली पायलटेड एरियल सिस्टम (आरपीएएस), यूएएस मारक समाधान, यूएवी बम, सीधे ऊंचाई प्राप्त करने वाले स्पेशलाइज्ड वर्टिकल लॉन्च (एसवीएल) ड्रोन, सटीक बहुयुद्धक सामग्री वितरण प्रणालियां, एकीकृत ड्रोन डिटेक्शन और इंटरडिक्शन सिस्टम (आईडीडीआईएस), निम्न ऊंचाई पर वायु क्षेत्र की निगरानी के लिये हल्के वजन वाले रडार, वीएसएचओआरएडीएस (अगली पीढ़ी के) आईआर सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर (ईडब्ल्यू) प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

पेड़ काटने के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्यक्ति का यह नैतिक कर्तव्य है कि वह पर्यावरण को स्वच्छ और हरा - भरा रखे। याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि नगर पालिका, झालरापाटन ने बीते साल याचिकाकर्ता के खिलाफ झालरापाटन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया कि याचिकाकर्ता ने सुभाष नगर में नगर पालिका की ओर से संधारित पार्क से कुछ पेड़ काटे हैं। याचिका में कहा गया कि उसके खिलाफ राजनीतिक द्वेषता से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

वहीं, वह अनुसंधान में सहयोग को तैयार है। इसके अलावा, प्रकरण में उसे गिरफ्तार कर पूछताछ जैसा कोई अपराध नहीं है।

इसलिए उसे अग्रिम जमानत का लाभ दिया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने याचिकाकर्ता को सशर्त अग्रिम जमानत का लाभ देते हुए उसे उसी पार्क में पन्द्रह पौधे लगाने को कहा है।

'हाँ, हमने पाकिस्तान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंत्रालय के अधीस्थ एक रिसर्च ग्रुप ने इस महीने कहा था कि चीन ने पाकिस्तान को, भारत के साथ लड़ाई के दौरान, एयर डिफेन्स और सैटेलाइट सपोर्ट उपलब्ध कराया था।

भारतीय सैन्य प्रमुख ने कहा, "हमने सीमा के 300 किमी अंदर स्थित, हवाई हमलों से जबरदस्त सुरक्षित पाकिस्तान के एयर फील्ड्स पर, एक मीटर की सटीकता के साथ, सटीक स्ट्राइक की।"

भारत और पाकिस्तान ने इस लड़ाई के बारे में अंतर्राष्ट्रीय सोच को प्रभावित करने के लिए दुनिया के अनेक देशों की राजधानियों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे हैं। चौहान ने कहा कि संघर्ष विराम अब भी बना हुआ है तथा इसका बना रहना पाकिस्तान की आगे की कार्यवाहियों पर निर्भर करेगा।

उन्होंने कहा "हमने अपनी रैडलाइन्स स्पष्ट कर दी हैं।"

बागीदौरा विधायक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए। इसका विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक शालिनी गौतम ने कहा कि आरोपी ही रिश्वत राशि को मौके से लेकर गया था।

प्रकरण में अनुसंधान चल रहा है और यदि उसे जमानत दी गई तो वह साक्ष्य को प्रभावित कर सकता है। इसलिए उसकी जमानत अर्जी खारिज की जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद, अदालत ने आरोपी की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि परिवादी ने एसीबी में शिकायत दी थी कि एमएलए ने टोडाभीम क्षेत्र में स्थित उसकी खानों को लेकर विधानसभा में सवाल लगाए थे। इन सवालों को वापस लेने की एवज में एमएलए 2.50 करोड रुपए मांग रहा है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए एसीबी ने एमएलए और उसके चचेरे भाई सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

उत्तर पश्चिम राज्यों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आपातकालीन तैयारियों और सुरक्षा प्रशिक्षण के तहत इस ड्रिल का आयोजन किया गया।

उधर राजस्थान में जयपुर में मॉक ड्रिल के दौरान घरों, प्रतिष्ठानों, कार्यालयों और वाहनों की लाइटें बंद कर नागरिकों ने इस प्रयास में विशेष सहयोग दिया। हरियाणा में राज्य भर के 22 जिलों में आयोजित सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल में हवाई हमलों के दौरान आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत बनाने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया।

विधायक अब्बास अंसारी को भड़काऊ भाषण मामले में दो साल की सजा

मऊ, 31 मई। उत्तर प्रदेश की मऊ सदर सीट से विधायक और पूर्व माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को भड़काऊ भाषण के मामले में शनिवार को यहां विशेष अदालत ने दो साल की कैद और 11 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। मऊ सदर विधानसभा सीट से 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान, चुनाव लड़ रहे अब्बास अंसारी ने 03 मार्च 2022 की शाम नगर क्षेत्र के पहाड़पुरा मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि चुनाव के बाद जिले के प्रशासनिक अधिकारियों को रोककर सबक सिखाया जाएगा। समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकार बनने के बाद किसी का तबादला नहीं किया जाएगा।

'सीडीएस के बयान से साफ है कि सरकार देश को गुमराह कर रही है'

- **कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह भी कहा कि सरकार को विशेष संसद सत्र बुलाकर देश की जनता को जवाब देना चाहिए**
- **ज्ञातव्य है कि चीफ ऑफ डिफैंस स्टाफ अनिल चौहान ने सिंगापुर में एक साक्षात्कार में भारतीय लड़ाकु विमानों के नुकसान की बात स्वीकार की थी।**

नयी दिल्ली, 31 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि है कि सिंगापुर में प्रमुख सेना अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को लेकर जो कुछ कहा है, उससे साफ हो गया है कि सरकार देश को गुमराह कर रही है, इसलिए उसे पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद की पूरी स्थिति पर संसद का विशेष सत्र बुलाकर देश की जनता को जवाब देना चाहिए।

खड़गे ने शनिवार को यहां एक बयान में कहा कि पाकिस्तान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई से जुड़े मुद्दे का कोहरा अब छंट रहा है। सिंगापुर में सीडीएस के साक्षात्कार के बाद कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े हुए हैं और इन सवालों को पूछना आवश्यक हो गया है, इसलिए सरकार को तुरंत संसद का विशेष सत्र बुलाकर इन सवालों का जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सैन्य कार्रवाई को लेकर अब जो परतें खुलकर सामने आ रही हैं, उनसे साफ है कि मोदी सरकार ने देश को गुमराह किया है। सीडीएस ने सिंगापुर में एक साक्षात्कार में कहा है कि हमारे वायुसेना के पायलट दुश्मन से लड़ते हुए अपनी जान जोखिम में डाल रहे थे। हमें कुछ नुकसान जरूर हुआ, लेकिन हमारे पायलट सुरक्षित हैं। हमारे सभी जेट विमानों ने निशाना साधते हुए लंबी दूरी की उड़ान भरी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सेना के दृढ़ साहस और बहादुरी को सलाम करते हुये कहा कि सैन्य कार्रवाई के बाद पूरी स्थिति पर एक व्यापक रणनीतिक समीक्षा समय की मांग है। उनका कहना था कि कारगिल युद्ध के समय एक समीक्षा समिति गठित की गई थी और उसकी तर्ज पर आज भी एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति बनाई जानी चाहिये, जो हमारी रक्षा तैयारियों की व्यापक समीक्षा करे।

'समर्पित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने पूर्ववर्ती सरकारों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, आपने देखा है कि पहले सरकारें कैसे चलती थीं, उनकी सोच क्या थी - सबके सामने है। अगर दिन और रात का फर्क हो, तो दिन को ही पसंद करना चाहिए। यही अंतर हमारी और उनकी सरकार में है। जेपी नड्डा ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा, हमारी सरकार जनसेवा के लिए काम करती है, न कि स्वार्थ के लिए।

सेना प्रमुख ने जम्मू में सैन्य तैयारियों की समीक्षा की

जम्मू, 31 मई। सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शनिवार को जम्मू के परगवाल सेक्टर के दौरे के दौरान, परिचालन तैयारियों की समीक्षा की और ऑपरेशन सिंदूर में पूर्व सैनिकों की भूमिका की सराहना की।

जम्मू स्थित रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने यहां कहा, सीओएएस जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने जम्मू-कश्मीर के परगवाल सेक्टर में परिचालन तैयारियों की समीक्षा की और टाइगर डिवीजन का दौरा किया, जहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सैनिकों की सराहना की।

उन्होंने उभरती सुरक्षा गतिशीलता के जवाब में चुस्त और सतर्क रहने के महत्व पर जोर दिया। सेना प्रमुख ने भारतीय सेना के साथ सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के घनिष्ठ परिचालन एकीकरण की भी प्रशंसा की।

'मुझे गर्व है कि ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चाहता हूं। मैं अपने लोगों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। हमने शांति की बात की, हमने कहा, हम उन लोगों के साथ ट्रेड नहीं कर सकते, जो एक दूसरे पर गोली चला रहें हैं और आगे चल के उनमें परमाणु युद्ध भी हो सकता है।

ट्रंप ने कहा, भारत और पाकिस्तान के नेता बहुत महान हैं। वे हमारी बात समझ गए और मान गए और युद्ध रूक गया। यह बयान भारत को पाकिस्तान को समकक्ष रखे जाने के विरूद्ध नई दिल्ली के कूटनीतिक प्रयासों के खिलाफ है।

अमेरिकी प्रशासन भारत और पाक को एक ही वर्ग में रख रहा है। हम दूसरों को लड़ने से रोक रहे हैं, क्योंकि हम उनसे किसी भी अन्य देश के मुकाबले ज्यादा अच्छी तरह लड़ सकते है। हमारे पास विश्व की महानतम सेना और महानतम नेता हैं।

भारत लगातार कह रहा है कि सीजफायर पर सहमति दोनों देशों के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशन्स के बीच की वार्ता के बात बनी थी।

अब, कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल 3 जून को वाशिंगटन डीसी पहुंचेगा, जहां वह अमेरिकी सांसदों और अधिकारियों को भारत की आतंकवाद विरोधी नीति और पाकिस्तान के साथ संघर्ष की असलियत से अवगत कराएगा।

भारत की ओर से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह भी स्पष्ट किया जा रहा है कि हालिया संघर्ष इस्लामाबाद के आरोपों के विपरीत, भारत की ओर से नहीं, बल्कि पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू हुआ था।

'अमेरिका ने एशियाई देशों को अपना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालिया संघर्ष में भारत ने कुछ लड़ाकू विमान खोए हैं।

तथापि, सी.डी.एस. जनरल चौहान ने जोर देकर कहा कि कितने विमान खोए गए, यह महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह ज़रूरी है कि हमने रणनीतिक स्तर पर कुछ गलतियाँ की थीं और उनसे सबक लेकर तत्काल सुधार किया गया। पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने कई भारतीय राफेल विमानों को मार गिराया है।

शांग्री-ला कॉन्फ्रैंस अब एशिया का एक सबसे प्रतिष्ठित और प्रभावशाली सामरिक सम्मेलन बन चुका है, जिसमें पूरे क्षेत्र के शीर्ष रक्षा अधिकारी शामिल होते हैं।

महत्वपूर्ण बात है कि इस वर्ष चीन ने इस संवाद से लगभग दूरी बना ली, और केवल एक शैक्षिणक संस्थान के माध्यम से निम्न स्तर का प्रतिनिधिमंडल भेजा। आम तौर पर चीनी रक्षा मंत्री को सम्मेलन में एक पूरे सत्र के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया जाता रहा है, और पिछले पांच सालों से वो इसमें भाग ले रहे हैं।

सम्मेलन में उच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व से दूरी बनाना इस बात का संकेत है कि चीन ने जानबूझकर अमेरिका के रक्षा सचिव के साथ संवाद से बचने की रणनीति अपनाई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पहले सम्मेलन के कार्यक्रम में चीनी मंत्री का नाम था जिसे बाद में हटा दिया गया।

पीट हैगसथ का भाषण, जिसमें उन्होंने चीन की गतिविधियों के संदर्भ में एशिया की रक्षा व्यवस्था की बात की, एशियाई देशों के लिए एक नया रक्षा एजेंडा तैयार करता है। उन्होंने कहा कि चीन एशिया की मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था को बदलने की पूरी कोशिश कर रहा है।

हैगसथ ने दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियों और पूरे समुद्री मार्ग पर कब्जा करने की उसकी कोशिशों की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस प्रकार की एकतरफा भू-राजनीतिक दावेदारी को बर्दाश्त नहीं करना चाहिए।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए अमेरिका चाहता है कि उसके सहयोगी देश "फोर्स मल्टीप्लायर" बनें और अपने सैन्य संसाधनों को बढ़ाएं। उन्होंने नाटो और यूरोप की मिसाल देते हुए कहा, "हम आग्रह नहीं कर रहे, बल्कि हम ज़ोर दे रहे हैं - कि हमारे साझेदार अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी करें।"

साथ ही उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि चीन को उत्तर कोरिया का समर्थन प्राप्त है, जो स्वयं अब समुद्री शक्ति के रूप में उभर रहा है।

इस परिप्रेक्ष्य में, भारत को एशियाई रक्षा संरचना में एक प्रमुख भूमिका निभानी होगी, विशेषकर समुद्री क्षेत्र में। चाहे भारत माने या नहीं, लेकिन चीन की आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए भारत को इस गठजोड़ का हिस्सा बनना ही होगा।

भारत के लिए यह इसलिए और भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि चीन पाकिस्तान को "ऑल वेदर फ्रैंड" के रूप में इस्तेमाल कर रहा है ताकि भारत की पश्चिमी सीमा पर दबाव डाला जा सके। चीन ने पाकिस्तान को भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और सैन्य सहायता प्रदान की है।

अब तटस्थ बने रहने का समय खत्म हो चुका है, और भारत को इन मुद्दों पर खुले रूप में अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी।

मोदी आक्रामक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अर्थव्यवस्था जैसे अहम आर्थिक मुद्दों से ध्यान भटकाने का भी काम कर रही है। मोदी के भाषणों में राष्ट्रीय गर्व और बाहरी ख़तरों पर ज़ोर दिया जा रहा है, जिससे आर्थिक बहसें पीछे छूट जाती हैं। उनकी यह रणनीति विपक्ष को भी रक्षात्मक मुद्रा में ला देती है; सैन्य रणनीति की कोई भी आलोचना या संघर्षविराम पर सवाल उठाना राष्ट्रविरोधी कहे जाने के खतरे को न्योता देता है, इस लेबल का मोदी पहले भी असहमति को दबाने के लिए प्रभावी ढंग से इस्तेमाल कर चुके हैं। इसके अलावा, इन रैलियों को एक संभावित चुनाव परिणाम की पृष्ठभूमि तैयार करने के कदम के रूप में भी देखा जा रहा है। यदि भाजपा का प्रदर्शन कमज़ोर रहा, तो मोदी यह तर्क दे सकते हैं कि यह पराजय एक बंटे हुए राष्ट्र या कमज़ोर विपक्ष के कारण थी, न कि नीति की असफलता के कारण। नेता के पीछे एकजुट देश की छवि हारने पर भी उनका राजनैतिक महत्व बनाए रख सकती है। असल में, मोदी की मौजूदा रैली मुहिम एक बहुस्तरीय रणनीति है-जिसका उद्देश्य है उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा की छवि को बचाना, असहमति को दबाना, विदेश नीति और आर्थिक मुद्दों से ध्यान हटाना, और एक उच्च दांव वाले चुनावी माहौल में भाजपा के मुख्य राष्ट्रवादी संदेश को मज़बूत करना।

'बीकानेर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गरिमा को प्राप्त किया। योजनाबद्ध युद्धाभ्यास और क्रियान्वयन से यह सिद्ध किया कि बीएसएफ राष्ट्र की प्रथम रक्षा पंक्ति है। डीआईजी लूथरा ने कहा- हम हर चुनौती को दुश्मन की आंखों में झांकते हुए स्वीकार करते हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908